3 | राजधानी
केजरीवाल से मिलकर भावुक हुए मान

6 | अभिमत
पश्चिम बंगाल में राय परिवार की विरासत

11 | विदेश
पाकिस्तान की यात्रा करेंगे ईरानी राष्ट्रपति

12 | स्पोर्ट्स
सनराइजर्स ने रायल चैलेंजर्स को हराया

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 158
नई दिल्ली, मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भाजपा समान नागरिक संहिता लागू करेगी: गोयल

राष्ट्रीय-10

दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग का खुलासा, कोविड के दौरान राजधानी में करोड़ों का घोटाला

राजेश कुमार। नई दिल्ली

करोड़ों रुपये के आबकारी शुल्क और दिल्ली जल बोर्ड घोटाले के ठीक बाद अरविंद केजरीवाल की आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने कुछ व्यक्तियों और कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए खरीदी गई कुछ चिकित्सा वस्तुओं की खरीद में भारी अनियमितताएं पाई हैं, जिससे कोविड महामारी के दौरान सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। सतर्कता विभाग ने सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी आरएन दास को 2021 में कोविड महामारी के दौरान लगभग 60 करोड़ रुपये के व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट, दस्ताने, मास्क और आरएटी किट जैसी विभिन्न वस्तुओं की खरीद में कथित अनियमितताओं के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया।

सतर्कता विभाग द्वारा सोमवार को जारी कारण बताओ नोटिस में कहा गया है कि विभिन्न मामलों में आर एन दास (जो स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन के ओएसडी थे और वर्तमान में स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के ओएसडी हैं) की अध्यक्षता वाली समितियां प्रबंधन में सबसे आगे थीं। अलग-अलग कंपनी के नाम से एक विशेष परिवार के पक्ष में निविदाएं जारी की गई। जैन फिलहाल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच का सामना कर रहे तिहाड़ में बंद हैं, जबकि केजरीवाल और मनीष सिसौदिया भी शराब घोटाले के आरोप में तिहाड़ जेल में हैं। सतर्कता विभाग ने दास से सात दिनों के भीतर जवाब मांगा है और कहा है कि साजिश कोविड संकट की पृष्ठभूमि में रची गई थी और महामारी को सार्वजनिक खजाने से करोड़ों रुपये ठगने के लिए एक कारण और आधार के रूप में इस्तेमाल किया गया था और सभी खरीद पूरी तरह से की गई थीं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा जारी शासनादेश के तहत अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की अनदेखी की जा रही थी।

सतर्कता नोटिस में आरोप लगाया गया कि कोविड की पृष्ठभूमि में एक साजिश रची गई थी और इसे सार्वजनिक खजाने से करोड़ों रुपये का घोटाला करने के लिए एक कारण और आधार के रूप में इस्तेमाल किया गया था। नोटिस में कहा गया है, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इन निजी कंपनियों को समृद्ध करने के लिए कोविड के संदर्भ का इस्तेमाल किया है और जानबूझकर कंपनियों के बीच गुटबंदी की अनुमति दी है, दास ने एकल उपयोग दस्ताने, स्टरलाइज्ड दस्ताने और एन -95 मास्क की खरीद के लिए तीन समितियों की अध्यक्षता की। कारण बताओ नोटिस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, आप के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने एक बयान में कहा, हताशा में लगाए गए हास्यास्पद आरोप उस समय की अवधि से संबंधित हैं जब दास न तो सौरभ भारद्वाज और न ही सत्येन्द्र जैन के ओएसडी थे। न ही तत्कालीन मंत्री ने उनकी सिफारिश की थी।

इस बीच, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने नोटिस का स्वागत किया है और कहा है कि इससे दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली और खराब गुणवत्ता वाली दवाओं की खरीद और वितरण घोटाले की सच्चाई सामने लाने में मदद मिलेगी। भाजपा नेता ने कहा कि कोई भी ओएसडी या मंत्रालयिक कर्मचारी संबंधित मंत्री की सहमति के बिना इतना बड़ा घोटाला नहीं कर सकता। नोटिस के अनुसार, कार्टेलाइजेशन और आपूर्तिकर्ताओं को गलत लाभ देना इस तथ्य से भी स्थापित होता है कि आरएटी किट का प्रारंभिक टेंडर मेसर्स एसडी बायोसेंसर, हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड को 450 रुपये की यूनिट कीमत पर दिया गया था। आईसीएमआर के परिपत्र दिनांक 26.08.2020 के आधार पर आपूर्ति आदेश दिनांक 16.06.2020 और 29.06.2020 के अनुसार रु. 49.50 करोड़ (लगभग एक साथ)। मेसर्स एसडी बायोसेंसर हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के लिए जो तर्क दिया गया था। लिमिटेड का मानना ??है कि इसे आरएटी किट के लिए वैध आपूर्तिकर्ता के रूप में मान्यता दी गई थी। आईसीएमआर के उक्त सर्कुलर में फार्मा सर्ज इम्पेक्स या मेसर्स एसी सर्जीफार्मा प्राइवेट लिमिटेड का कोई जिक्र नहीं है।

डॉ. आरएन दास और कंपनी ने आईसीएमआर सर्कुलर के अनुसार सीधे ऑर्डर देने के बजाय जीईएम के माध्यम से टेंडरिंग की अवधारणा पेश की है ताकि फार्मा सर्ज इम्पेक्स और मेसर्स एसी सर्जीफार्मा प्राइवेट लिमिटेड को शामिल किया जा सके जिसका स्वामित्व संदीप गुप्ता और चेतन मखीजा के परिवार के पास है। नोटिस में आगे कहा गया है कि निविदा में जो दर उद्धृत की गई थी वह 459.20/- रुपये प्रति यूनिट। यह देखा जा रहा है कि कैसे इन अधिकारियों ने आईसीएमआर सर्कुलर के विपरीत ठेका दिया और टेंडरिंग का तरीका अपनाया। टेंडर में भी यूनिट की कीमत शुरुआती यूनिट कीमत से 9.20 रुपये ज्यादा है। यह देखा गया है कि आरएटी किट की दर में हर महीने इतनी गिरावट आई है कि 6 महीने की अवधि के भीतर, आरएटी किट 31.50 प्रति यूनिय रुपये की दर पर उपलब्ध थी।

इसमें आगे कहा गया है कि आरएटी किट के ऑर्डर मेसर्स फार्मा सर्ज इम्पेक्स (मालिक संदीप गुप्ता की पत्नी वंदना गुप्ता हैं) और मेसर्स एसडी बायोसेंसर हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड को संयुक्त रूप से दिए गए थे। लिमिटेड (मालिक चेतन मखीजा हैं)। इन दोनों कंपनियों को एक साथ 4 ऑर्डर दिए गए जो मजबूत सहयोग का संकेत देते हैं। फार्मा सर्ज इम्पेक्स 26.08.2020 के आईसीएमआर परिपत्र की सूची में शामिल नहीं है। सतर्कता विभाग ने कहा कि चेतन मखीजा मेसर्स एसडी बायोसेंसर हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक भी हैं। लिमिटेड के साथ-साथ मेसर्स एसी सर्जीफार्मा प्राइवेट लिमिटेड को मंजूरी या तो मेसर्स एसडी बायोसेंसर हेल्थकेयर प्राइवेट को दी गई थी।

नोटिस में कहा गया है कि एकल उपयोग दस्ताने, स्टरलाइज्ड दस्ताने, एन -95 मास्क और आरएटी जैसे विभिन्न चिकित्सा वस्तुओं की खरीद में तत्कालीन मंत्री (स्वास्थ्य) सत्येन्द्र जैन के ओएसडी डॉ आर एन दास की ओर से चूक और कमीशन देखा गया है। विभाग ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इन निजी कंपनियों को समृद्ध करने के लिए कोविड के संदर्भ का इस्तेमाल किया और जानबूझकर प्रतिस्पर्धियों के बीच गुटबंदी की अनुमति दी। आदेश की कारण बताओ नोटिस प्रति में कहा गया है, यह देखा गया है कि कुछ चिकित्सा वस्तुएं कुछ व्यक्तियों और कंपनियों/फर्मों को लाभ पहुंचाने के लिए खरीदी गईं और इससे इन कंपनियों को गलत लाभ हुआ और सरकार को गलत नुकसान हुआ।

केरल ड्रग माफिया के चंगुल में: मोदी

केरल के अटिनगल में एक चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेता।

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

तूफानी चुनाव अभियान के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हेलीकॉप्टर से कोच्चि से कुन्नमकुलम और फिर वापस कोच्चि लौटे और फिर यहां से केरल के कट्टक्कडा के लिए उड़ान भरी। अपनी चुनावी अभियान के दौरान जनसभा में पीएम मोदी ने चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा, केरल दक्षिण भारत की नशीले पदार्थों की राजधानी के रूप में उभरा है और राज्य ड्रग माफिया के चंगुल में है। राज्य पर शासन करने वाले नेता इन ड्रग सिंडिकेट को संरक्षण दे रहे हैं, जबकि राज्य में कैंपस हत्या के मैदान बन गए हैं, जहां छात्रों की हत्या कर दी जाती है, जबकि कानून लागू करने वाली एजेंसियां ??दूसरी तरफ देखती रहती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों प्रतिबंधित चरमपंथी संगठनों के साथ मिले हुए थे। मोदी ने कहा, इन संगठनों ने खुद ही इन पार्टियों के साथ गठबंधन की घोषणा की है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस और कम्युनिस्टों में नाम के अलावा कोई अंतर नहीं है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा, जब वे केरल में होते हैं तो ऐसा व्यवहार करते हैं मानो वे दुश्मन हों। एक बार जब वे सीमा पार कर तमिलनाडु में प्रवेश करते हैं तो ये दोनों दल मित्र और सहयोगी होते हैं। वे केरल की जनता को धोखा दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल में सहकारी बैंक घोटाले के खिलाफ कुछ भी नहीं बोला है जिसमें सीपीआई (एम) ने गरीब लोगों के सैकड़ों करोड़ रुपये का गबन किया है।

मोदी ने केरल के मतदाताओं से वादा किया कि उनकी सरकार राज्य को विरासत पर्यटन का केंद्र बनाएगी। उन्होंने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे सुविधाओं की व्यवस्था करने के लिए सभी गृहिणियों को उदार वित्तीय सहायता की एक अनूठी पेशकश भी की। प्रधानमंत्री का स्वागत करने और उन्हें सुनने के लिए कुन्नमकुलम और कट्टक्कडा में भारी भीड़ उमड़ी है। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और जलवायु की स्वास्थ्यप्रदता पर वाकपटुता व्यक्त करते हुए, नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें यह समझ में नहीं आ रहा है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ और सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने प्रकृति के बावजूद केरल को अविकसित क्षेत्र के रूप में क्यों रखा। रविवार को विशु दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा जारी चुनाव घोषणापत्र के मुख्य बिंदुओं को समझाते हुए, प्रधानमंत्री ने सभा को बताया कि उन्होंने दस वर्षों में जो देखा है वह सिर्फ एक ट्रेलर था जबकि मेगा एक्शन की उम्मीद की जानी थी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अहमदाबाद और मुंबई को जोड़ने वाली बुलेट ट्रेन अगले कुछ महीनों में हकीकत बन जाएगी. एक बार जब अहमदाबाद हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के माध्यम से मुंबई से जुड़ जाएगा, तो हम उत्तर, पूर्व और दक्षिण को बुलेट ट्रेन से जोड़ने के लिए काम शुरू करेंगे और इससे भारत बुनियादी ढांचे के विकास में लंबी छलांग लगाएगा। राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और सुपर एक्सप्रेस राजमार्गों को पूरा करने के लिए काम जोरों पर है जो देश की पूरी लंबाई और चौड़ाई को जोड़ देंगे। (शेष पेज 9)

आईएमडी की भविष्यवाणी, सामान्य से अधिक होगी बारिश

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए एक अच्छी खबर यह है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आगामी जून-सितंबर दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसमी वर्षा का पूर्वानुमान लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 106 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो 870 मिमी (1970-2020 औसत) है। एक दशक में यह पहली बार है जब आईएमडी ने सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है, वह भी अपने पहले चरण के दीर्घकालिक पूर्वानुमान में, जो 1 जून को केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की वास्तविक शुरुआत से लगभग 45 दिन पहले जारी किया जाता है। आईएमडी मौसमी वर्षा को एलपीए के 105-110 प्रतिशत के बीच होने पर सामान्य से अधिक की श्रेणी में रखता है।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने पहले चरण की विज्ञप्ति के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'देश इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान अच्छी मानसूनी बारिश की उम्मीद कर सकता है। मौसमी बारिश एलपीए का 106 प्रतिशत होगी।' आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में सोमवार को बताया कि इस साल मानसून के दौरान पूरे देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। लेकिन विभाग ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरी और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने के आसार हैं।

महापात्र ने कहा कि आईएमडी अपने पूर्वानुमान में अल नीनो, ला नीनो, हिंद महासागर द्विध्रुव स्थितियां और उत्तरी गोलार्ध में बर्फीले आवरण संबंधी स्थिति के प्रभाव पर विचार करता है और यह सभी स्थितियां इस बार भारत में अच्छे मानसून के अनुकूल हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा वर्षा होने की प्रबल संभावना है। लेकिन आईएमडी प्रमुख ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना दिख रही है। उनके मुताबिक इसी तरह से पूर्वोत्तरी राज्यों--असम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश के आसपास के इलाकों में भी सामान्य से कम (शेष पेज 9)

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण हुआ आरंभ

मोहित कंडारी। जम्मू

52 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथजी यात्रा इस साल 29 जून से शुरू होगी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 19 अगस्त 2024 को समाप्त होगी। इस बीच, वार्षिक अमरनाथ तीर्थयात्रा के लिए अग्रिम पंजीकरण सोमवार को नामित बैंक शाखाओं में शुरू हो गया है। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने दोनों ट्रैकों से बर्फ हटाने का काम भी युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। बर्फ हटाने का काम पूरा होने के बाद बचे हुए ट्रैक विस्तार का काम आगे बढ़ाया जाएगा।

पंजीकरण प्रक्रिया में शामिल एक अधिकारी ने यहां पर कहा, अग्रिम पंजीकरण आज यहां बैंक शाखाओं में शुरू हो गया है। यह अभ्यास देश भर में पीएनबी (पंजाब नेशनल बैंक) की 540 शाखाओं में आयोजित किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि यह 2022 में अपनाई जाने वाली मैन्युअल प्रक्रिया के बजाय यात्रियों के लिए आधार प्रमाणीकरण-आधारित फॉर्म जनरेशन है, उन्होंने कहा कि फॉर्म अब सिस्टम-जेनरेट किए जाएंगे। पंजीकरण के लिए तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। हालांकि, 13 साल से कम उम्र के बच्चों, 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों और छह सप्ताह की गर्भवती महिलाओं को तीर्थयात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अग्रिम यात्रा पंजीकरण के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य प्रमाणपत्र (सीएचसी) जारी करने के लिए जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों के विभिन्न चिकित्सा केंद्रों में 230 से अधिक डॉक्टरों को अधिकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इनमें से 76 डॉक्टरों को कश्मीर संभाग में और 162 डॉक्टरों को जम्मू संभाग में तैनात किया जाना है, जबकि जिला अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों, एनटीपीएचसी और यूपीएचसी सहित सामुदायिक चिकित्सा केंद्रों में भी प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। यहां पर विश्वस्त सूत्रों ने कहा, प्रत्येक तीर्थयात्री को 150 रुपये के भुगतान पर बैंक से एक परमिट जारी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समूह पंजीकरण के लिए पांच या अधिक तीर्थयात्रियों के लिए सुविधा प्रदान की गई है और इसके लिए आवेदन 31 मई 2024 तक जारी किए जाएंगे।

ईरान में जब्त पोत के चालक दल से शीघ्र मिलेंगे भारतीय अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ईरान के विदेश मंत्री होसैन अमीराब्दुल्लाहियन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को बताया कि ईरान जल्द ही भारत सरकार के अधिकारियों को 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों से मिलने की अनुमति देगा, जो शनिवार को तेहरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जब्त किए गए इजरायल से जुड़े जहाज पर सवार हैं। एक ईरानी विदेश मंत्रालय के अनुसार, अमीर-अब्दुल्लाहियन ने रविवार को टेलीफोन पर बातचीत के दौरान जयशंकर को यह जानकारी दी। वार्ता में जयशंकर ने पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज़ पर सवार भारतीयों की रिहाई का आह्वान किया।

अमीर-अब्दुल्लाहियन के हवाले से कहा गया है, हम जब्त किए गए जहाज के विवरण पर नज़र रख रहे हैं और जल्द ही भारत सरकार के प्रतिनिधियों के लिए उक्त जहाज के चालक दल से मिलना संभव होगा। उन्होंने कथित तौर पर गाजा में इजरायल-हमास युद्ध को रोकने के लिए भारत की भूमिका का भी आह्वान किया। ईरान के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, अब्दुल्लाहियन ने रविवार को टेलीफोन पर हुई बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर को इस बात से अवगत कराया।

बयान में कहा गया है कि अब्दुल्लाहियन ने ईरान के वैध बचाव और इजराइली शासन के खिलाफ दंडात्मक उपायों के विवरण से भी अवगत कराया। उन्होंने यहूदी राष्ट्र पर तेहरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के संदर्भ में यह कहा। बयान के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री ने भारत सरकार से गाजा में युद्ध रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सहित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के जरिए अपनी सक्रिय भूमिका जारी रखने का आग्रह किया। अब्दुल्लाहियन ने कहा कि गाजा, क्षेत्र में मौजूदा संकट का केंद्र बिंदु है। बातचीत में, जयशंकर ने पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज पर सवार चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों को रिहा करने की अपील की।

ईरान के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, जयशंकर ने चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों की स्थिति के बारे में चिंता जताई और इस संबंध में ईरान से सहायता का अनुरोध किया। बयान में अब्दुल्लाहियन के हवाले से कहा गया है, हम जब्त जहाज से जुड़ी स्थिति की सक्रियता से निगरानी कर रहे हैं, और जहाज के चालक दल के सदस्यों से भारत सरकार के प्रतिनिधियों के मिलने के लिए जल्द ही इंतजाम किया जाएगा। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर (आईआरजीसी) के विशेष नौसेना बलों ने जहाज (शेष पेज 9)

अष्टम महागौरी

श्वेते वृषे समारूढ़ा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोदया॥

पति रूप में शिव को प्राप्त करने के लिए महागौरी ने कठोर तपस्या की थी। इससे इनका शरीर काला पड़ गया लेकिन तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने इनके शरीर को गंगा के पवित्र जल से धोकर कांतिमय बना दिया। उनका रूप गौर वर्ण का हो गया। इसीलिए यह महागौरी कहलाईं। यह अमोघ फलदायिनी हैं और इनकी पूजा से भक्तों के तमाम कल्मष धुल जाते हैं।

धनबल पर चला चुनाव आयोग का चाबुक, 5000 करोड़ रुपये जब्त

राजेश कुमार। नई दिल्ली

चुनावी बॉन्ड पर रहस्य और विवाद अभी शांत भी नहीं हुआ है कि पिछले डेढ़ महीने में चुनाव आयोग द्वारा लगभग 5000 करोड़ रुपये के बेहिसाब धन के प्रवाह ने सवाल खड़े कर दिए हैं। 19 अप्रैल को 102 लोकसभा सीटों के लिए पहले चरण के मतदान से पहले नकदी, शराब, ड्रग्स, कीमती धातुओं और मुफ्त आपूर्ति के रूप में काले धन पर नकेल कसने के लिए चुनाव आयोग ने 1 मार्च से अब तक 4658.167 करोड़ रुपये जब्त किए हैं। इस प्रकार चुनाव आयोग ने औसतन प्रति दिन 100 करोड़ रुपये जब्त किए हैं, इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि इस अवधि के बीच 2069 करोड़ रुपये की दवाएं जब्त की गईं। 4,658 करोड़ रुपये की कुल वसूली में से मुफ्त उपहार और अन्य वस्तुएं 1142.49 करोड़ रुपये से अधिक हैं, नकद घटक 395.39 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि शराब 489.31 करोड़ रुपये से अधिक है। गौरतलब है कि 45 फीसदी जब्ती ड्रग्स (2,069 करोड़ रुपये) की है।

चुनाव आयोग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों से पता चला है कि अधिकारी 1 मार्च से हर दिन 100 करोड़ रुपये की जब्ती कर रहे हैं।

चुनाव आयोग ने कहा कि 1 मार्च से अब तक की गई जब्ती 2019 के संसदीय चुनावों के दौरान बरामद 3,475 करोड़ रुपये से अधिक है। यदि इसमें जनवरी और फरवरी की जब्ती राशि जो 7502 करोड़ रुपये थी, जोड़ दी जाए तो अब तक कुल जब्ती 12000 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने जिले में हिंसा और अधिक घटनाओं को तुरंत रोकने के लिए अधिकारी की कथित पर्यवेक्षण की कमी को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) को हटाने का आदेश दिया है। 778.52 करोड़ रुपये से अधिक के साथ राजस्थान सूची में शीर्ष पर है। इसके बाद जब्ती सूची में गुजरात (605.33 करोड़), तमिलनाडु (460.84 करोड़), महाराष्ट्र (431.34 करोड़), पंजाब (311.84 करोड़), केरल (281.43 करोड़) दिल्ली (236.06 करोड़), पश्चिम बंगाल (219.60 करोड़), और बिहार (155.76 करोड़) का नंबर है। गौरतलब है कि 45 फीसदी बरामदगी ड्रग्स और नशीले पदार्थों की है, जिन पर आयोग का विशेष ध्यान है। विशेष रूप से, नशीली दवाओं की बरामदगी पर पर्याप्त ध्यान केंद्रित किया गया था, जो जनवरी और फरवरी 2024 में कुल बरामदगी का लगभग 75 प्रतिशत था।

आंकड़ों से पता चलता है कि 533 करोड़ रुपये के साथ, लोगों को लुभाने के लिए मुफ्त उपहार और अन्य सामान देने की सूची में भी राजस्थान शीर्ष पर है, इसके बाद पश्चिम बंगाल (96 करोड़ रुपये) और महाराष्ट्र (79 करोड़ रुपये) हैं। विशेष रूप से, 485 करोड़ रुपये के साथ, मतदाताओं को लुभाने वाली दवाओं की सूची में गुजरात शीर्ष पर है, इसके बाद तमिलनाडु (293 करोड़ रुपये) और पंजाब (280 करोड़ रुपये) हैं। मतदान के दौरान मतदाताओं को शराब बांटने में कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और राजस्थान शीर्ष पर हैं। चुनाव आयोग के अनुसार इस साल जनवरी और फरवरी में कुल बरामदगी में से लगभग 75 प्रतिशत नशीली दवाओं की जब्ती थी और चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम की (शेष पेज 9)

नोएडा सीट पर दिव्यांग बुजुर्गों ने शुरू किया मतदान

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा, सोमवार और मंगलवार दो दिन चलेगी यह प्रक्रिया

● अभियान में 85 साल से अधिक उम्र के बुजुर्ग और 40 फीसदी से अधिक दिव्यांग को किया गया शामिल

प्रतीकात्मक फोटो

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट के नोएडा, दादरी और जेवर विधानसभा क्षेत्र में 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं के साथ 40 प्रतिशत दिव्यांगता वाले मतदाताओं ने मतदान किया। यह मतदाता मंगलवार को भी पोस्टल बैलेट से मतदान करेंगे। सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया जो शाम 6 बजे तक चला।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट की तीनों विधानसभा में 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, कोविड पॉजिटिव मतदाता सोमवार और मंगलवार घर से ही पोस्टल बैलेट से मतदान करेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। नोएडा, जेवर व दादरी में पोस्टल बैलेट से मतदान संपन्न कराने के लिए रूट चार्ट तैयार कर लिया गया है। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट की तीनों विधानसभा में 706 बुजुर्ग और 442 दिव्यांगों ने ही पोस्टल बैलेट से मतदान करने की स्वीकृति दी है।

गौतमबुद्ध नगर जिले में बुजुर्ग वोटरों की संख्या 11488 और दिव्यांग मतदाता 9562 हैं। ऐसे में पोस्ट बैलेट से वोट देने का आंकड़ा काफी कम है। अधिकारियों ने वोटिंग की तैयारियां पूरी कर ली हैं। मतदान कर्मचारियों को प्रशिक्षण के दौरान रूट चार्ट उपलब्ध करा दिए हैं। उसके हिसाब से ही मतदानकर्मी बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदान संपन्न कराएंगे।

घर-घर जाकर मतदान कराने के लिए एक टीम में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी, माइक्रो ऑब्जर्वर और विडियोग्राफर के साथ दो पुलिसकर्मी शामिल होंगे। रूट चार्ट के हिसाब से स्वीकृति देने वाले हर एक बुजुर्ग और दिव्यांग के घर मतदानकर्मी जाएंगे। यदि आज बुजुर्ग या दिव्यांग मतदाता घर पर नहीं मिलते हैं, तो मंगलवार को दोबारा टीम उनके घर जाकर पोस्टल बैलेट से मतदान कराएगी। यदि उस दिन भी बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता नहीं मिलते है तो फिर वे मतदान नहीं कर सकेंगे। इसके बाद वह 26 अप्रैल को बूथ पर पहुंचकर वोट डाल सकेंगे।

गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट की तीनों विधानसभा में पोस्टल बैलेट से चुनाव संपन्न कराने के लिए 20 टीमों का गठन किया गया है। मतदाता कर्मियों को बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं तक पहुंचाने का काम बीएलओ के साथ लेखपाल का होगा। बुजुर्ग और दिव्यांगों के मतदान करने के दौरान निर्वाचन विभाग विडियोग्राफी भी कराएगा। मतदान करने के पश्चात मतदाता पोस्टल बैलेट को लिफाफे में बंद करके मतदानकर्मी को सौंपेंगे। इसके बाद मतदानकर्मी पोस्टल बैलेट को ट्रेजरी के स्ट्रॉंग रूम में रख देंगे।

गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी हैं भाजपा संकल्प पत्र के चार आधार : बीएल वर्मा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को जारी भाजपा के संकल्प पत्र के वादों को प्रदेश भाजपा हर व्यक्ति तक पहुंचाएगी। इसके लिए सोमवार को प्रदेश के सभी जिलों में प्रेसवार्ता कर पार्टी संकल्प पत्र की बातों को जनता तक पहुंचाने का काम किया गया। इसी कड़ी में सेक्टर-27 स्थित कैलाश सभागार में केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने प्रेस वार्ता के दौरान संकल्प पत्र के बारे में जानकारी दी। साथ ही भाजपा उम्मीदवार डॉ. महेश शर्मा को जिताने की अपील की है।

केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि देश का गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति ही भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र के चार आधार हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र मोदी की गारंटी है, जिसमें हमने विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की भी उद्घोषणा की है। उन्होंने आगे कहा कि वर्ष 2014 से केंद्र में रही भाजपा की सरकार ने भारत में विकास का रोडमैप दिया है। धारा 370 और राम मंदिर का वादा पूरा किया। इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में भारत विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जहां सभी दल चुनाव के पहले घोषणा पत्र जारी करते हैं, वहीं भाजपा संकल्प के साथ उतरती है। संकल्प देश और देशवासियों के चहुंमुखी विकास का होता है। हमारा संकल्प पत्र नए भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत का ब्लू प्रिंट है। ये भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की उद्घोषणा के साथ ही अन्त्योदय से सर्वोदय और ग्लोबल लीडर भारत के संकल्प को भी दोहराता है।

नोएडा में भाजपा घोषणा पत्र के बारे में बताते केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर समय के साथ रोचक हो रहा चुनावी मुकाबला

● भाजपा-सपा के बाद बसपा प्रत्याशी के मुकाबले में उतरने के बाद बढ़ी सरगर्मी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट का मुकाबला दिलचस्प होता जा रहा है। इसी बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने नोएडा सीट पर नई रणनीति बनाई है। बसपा के रणनीतिकार इस मुकाबले को भाजपा के साथ सीधा मुकाबला बनाना चाहते हैं। यह भी प्रयास किया जा रहा है कि धरातल पर सीधा मुकाबला ना भी हो किन्तु ऐसा दिखना चाहिए।

गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में ही उत्तर प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण शहर नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा आते हैं। नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा जेवर एयरपोर्ट के कारण यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस बार के लोकसभा चुनाव में गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से तीन बड़े खिलाड़ी चुनावी मैदान में हैं। केन्द्र तथा प्रदेश में सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर अपने दो बार के सांसद डा. महेश शर्मा को मैदान में उतारा है। डा. महेश शर्मा जीत की हैट्रिक बनाने की घोषणा के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। समाजवादी पार्टी तथा कांग्रेस गठबंधन ने यहां से डा. महेन्द्र सिंह नागर को प्रत्याशी बनाया है। बहुजन समाज पार्टी ने सिकन्द्राबाद क्षेत्र से दो बार विधायक रह चुके राजेन्द्र सिंह सोलंकी को टिकट दिया है।

राजनीतिक विश्लेषक इस क्षेत्र पर त्रिकोणीय मुकाबला मानकर चल रहे हैं। यह अलग बात है कि सपा प्रत्याशी डा. महेन्द्र सिंह नागर मुकाबले में लगातार पिछड़े जा रहे हैं। उनका चुनावी प्रबंधन (मैनेजमेंट) पूरी तरह से बिखरा हुआ है।

बसपा का प्रयास है कि वें इस चुनाव को सीधे-सीधे भाजपा बनाम बसपा का सीधा मुकाबला बना दें। बसपा के रणनीतिकारों को यकीन है कि सीधा मुकाबला भाजपा से नाराज वोटर उनके साथ एकजुट हो जाएगा।

परिवहन मंत्री ने क्षत्रिय समाज को किया जागरुक

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह।

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता तथा खासकर क्षत्रिय समाज भारतीय जनता पार्टी को जिताने में अपनी पूरी ताकत झोंक दें ताकि तीसरी बार देश की बागडोर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों में सौंपी जा सके। इसके लिए सभी मतदान करें तथा अन्य लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें। यह आह्वान किया प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने। आपको बता दें कि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह नोएडा के सेक्टर-57 में क्षत्रिय नेता व समाजसेवी शिव कुमार चौहान के आवास पर क्षत्रिय समाज के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उनके साथ विधायक आशुतोष मौर्य भी थे। इस दौरान दयाशंकर सिंह ने मदन चौहान को भाजपा की सदस्यता लेने पर उनको बधाई दी। उन्होंने मदन चौहान को कहा कि वे क्षेत्रवासियों खासकर क्षत्रिय समाज को भाजपा के पक्ष में वोट देने के लिए जुट जाएं। मदन चौहान ने आश्वासन दिया कि नोएडा में क्षत्रिय समाज पूरी तरह भाजपा के साथ है तथा भाजपा प्रत्याशी डा. महेश शर्मा को रिकार्ड मतों से जिताकर लोकसभा भेजेंगे।

जाम से निजात को शाहबेरी पर बनेगा फ्लाईओवर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के शाहबेरी पर लगने वाले जाम से निजात के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने तैयारी शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण यहां फ्लाईओवर बनाने की योजना तैयार कर रहा है। इस फ्लाईओवर के बनाने से गाजियाबाद के लोगों को जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचने में भी काफी आसानी होगी। साथ ही लोगों को जम से निजात भी मिलेगी।

दरअसल यह सड़क न सिर्फ गाजियाबाद और नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोड़ती है, बल्कि हापुड़ और दिल्ली के लोग भी इस रास्ते से अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। ऐसे में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस सड़क को फ्लाईओवर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। जिससे कि जाम की समस्या को दूर किया जा सके। आपको बता दें कि इस सड़क की चौड़ाई कम है। फर्नीचर बार, कई सोसायटी और गांव इस सड़क के किनारे हैं। ऐसे में आए दिन यहां पर हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने इस जाम की समस्या से निपटने के लिए इस सड़क का फ्लाईओवर बनाने को लेकर इसका सर्वे कराना शुरू कर दिया है।

प्रतीकात्मक फोटो

एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि इस फ्लाईओवर का सर्वे कराने के बाद ही पता लगाया जा सकेगा कि यहां पर होने वाली जाम की समस्या को किस तरह से दूर किया जा सकेगा। उनका कहना है कि सर्वे में लंबाई समेत अन्य बिंदुओं पर काम किया गया है और कहां-कहां जाम लगता है, इस बात पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन सभी तरह के बिंदुओं पर काम किया जाएगा। इस संबंध में एसीईओ अन्नपूर्णा गर्ग ने बताया कि नोएडा एयरपोर्ट तक जाने के लिए गाजियाबाद से शाहबेरी रोड पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाएगा। इसलिए अभी से फ्लाईओवर का सर्वे कराकर जाम की समस्या को दूर करना है। उन्होने बताया कि जेवर एयर पोर्ट शुरु होने के बाद फ्लाईओवर का सर्वे कराने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

● गाजियाबाद से जेवर एयरपोर्ट जाने में लोगों को होगी आसानी

गुंडों ने फॉर्च्यूनर सवार युवक को पीटा, दो धरे

नोएडा। पिछले कुछ दिनों के दौरान नोएडा में मारपीट, लूट और क्राइम की काफी वीडियो वायरल हुई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 30 दिनों में 20 ऐसी वीडियो सामने आई है, जिसमें कानून-व्यवस्था को चुनौती दी गई है। अधिकतर वीडियो मारपीट और लूट की हैं।

वहीं, ऐसा भी कहा जा रहा है कि सेक्टर-126 की वजह से नोएडा बदनाम हो चुका है। क्योंकि सबसे ज्यादा मारपीट और विवाद की वीडियो सेक्टर-126 से ही आती हैं। ताजा वीडियो सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के अंतर्गत एमिटी यूनिवर्सिटी के पास का है। जहां पर फॉर्च्यूनर कार में सवार युवक की गुंडों ने जमकर मारपीट की। हालांकि, पुलिस की लापरवाही सामने नहीं आई। क्योंकि मारपीट के 6 दिन बाद पुलिस को घटना के बारे में पता चला है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर महिला की पिटाई

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना मोदीनगर क्षेत्र में एक शिक्षिका से दिनदहाड़े छेड़छाड़ का विरोध करने पर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने बताया कि बाइक सवार 2 युवकों ने उनकी बेटी स्कूल से घर जाते समय छेड़ते हैं जब लड़की ने विरोध किया तो उन युवकों ने उसकी पिटाई कर फरार हो गए।

सिलेंडर विवाद में अधिवक्ता का सिर फोड़ा, मां व भाईयों को भी पीटा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● मारपीट के साथ ही आरोपियों ने कार का शीशा भी ईंट मारकर तोड़ दिया

सड़क पर रखे गैस सिलेंडर को साइड में रखने के लिए कहना एक अधिवक्ता और उसके परिवार को भारी पड़ गया। आरोपियों ने मामूली सी बात पर अधिवक्ता का सिर फोड़ दिया। साथ ही अधिवक्ता की मां और दो भाईयों को भी बुरी तरह से पीटा। पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामला नोएडा के फेज-दो कोतवाली क्षेत्र का है। जहां रास्ते में बाइक और गैस सिलेंडर साइड हटाने की बात बोलने पर आरोपियों ने अधिवक्ता के भाई के साथ मारपीट कर दी। बीच बचाव करने पहुंचे अधिवक्ता और उसके भाई तथा उसकी मां के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की। आरोपियों ने अधिवक्ता का सिर फोड़ने के साथ कार का शीशा भी ईंट से तोड़ दिया।

नोएडा के सेक्टर-87 के संदीप भाटी ने फेज-दो कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 अप्रैल की सुबह करीब 9.30 बजे छोटा भाई अभिनव घर से ऑफिस जाने के लिए कार लेकर निकला था। रास्ते में गेझा गांव निवासी पीयूष अपनी बाइक पर छह-सात गैस सिलेंडर लटकाकर और कुछ सिलेंडर रास्ते में रखकर खड़ा था। रास्ते में बाइक और सिलेंडर साइड हटाने को कहा तो पीयूष ने ईंट मारकर गाड़ी के पीछे का शीशा तोड़ दिया। यही नहीं आरोपित ने अभिनव को पीटना शुरू कर दिया। जब इस मामले की सूचना परिवार के लोगों हो हुई तो वह भी मौके पर पहुंचे, तो उन लोगों ने देखा कि आरोपी पीयूष और उसके साथी प्रतीक, कृष्ण और अमित मिलकर अभिनव को पीट रहे थे। अभिनव के बड़े भाई अधिवक्ता अमित भाटी और मां ऊषा भी आ गईं। तीनों ने मिलकर अभिनव को बचाने का प्रयास किया तो कृष्ण ने लोहे की वस्तु से अमित का सिर फाड़ दिया। यही नहीं आरोपितों ने खाली सिलेंडर मारकर पीड़ति की मां ऊषा का हाथ तोड़ दिया। गांव के लोगों ने आकर किसी तरह पीड़ति लोगों को बचाया। पीड़ितों का कहना है कि इस विवाग के दौरान महिला के गले की सोने की चेन और कान के टाप्स भी गिर गए। मारपीट में तीनों भाईयों और महिला को चोट आई हैं, जबकि अमित की हालत गंभीर है। मामले को लेकर थाना कोतवाली फेज 2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जेवर में अवैध खनन रोकेंगे रिटायर्ड फौजी

नोएडा। जेवर में बन रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के पास विकसित होने वाले सेक्टरों में भूमाफिया नजर गढ़ाए हैं। यहां अवैध मिट्टी खनन तेजी से बढ़ता जा रहा है।

यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने इसकी रोकथाम के लिए एक योजना तैयार की है। यमुना सिटी के छह सेक्टरों में अवैध मिट्टी खनन समेत अतिक्रमण रोकने के लिए यमुना प्राधिकरण के द्वारा रिटायर्ड फौजियों की तैनाती की गई है। यमुना ओद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ डा. अरुणवीर सिंह ने बताया कि सेक्टर 28, 29, 32, 33, 22डी और 22सी में मिट्टी का अवैध खनन और अतिक्रमण समेत अन्य समस्याएं से आ रही हैं। यह सभी सेक्टर एयरपोर्ट के करीब हैं। सितंबर में एयरपोर्ट का संचालन शुरू हो जाएगा। ऐसे में इसके आस पास जमीन की मांग काफी बढ़ गई है। इन सब को देखते हुए भू माफिया भी सक्रिय हो गए हैं।

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that We, **Swami Rama Tiratha Mission (Regd.) Delhi 1E/16, Swami Ram Tiratha Nagar (Jhandewalan Extn.) New Delhi-110055**, are filing application in L&DO for substitution/mutation of the property bearing No. 21/66, old Rajender Nagar, New Delhi-110060 Plot 85.9 sq. yard in the name of Swami Rama Tiratha Mission (Regd.) Delhi. on the ground of memorandum of settlement (MOU) of smt. Sohni Devi Chhabra.

If any objection/claims from the general public on this application, the same shall be communicated to L&DO. With supporting documents through registered post or by visiting L&DO. At Nirman Bhawan New Delhi or through Email at ido(nic.in **within 30 days** of publication of this notice.

Secretory For
Swami Rama Tiratha Mission (Regd.)
(Om Parkash Sharma) Phone: 9350866653

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Manoj Kumar Sharma is in process to purchase the House No. 966 (Old House No. 1616/1275) Plot No. 71, forming part of Khewat No. 286, Khatoni no. 381, Rect. no. 8, Killa no. 6, 14, 15, 17, Khewat No. 287, Khatoni no. 382, Rect. no. 8, Killa no. 3, 4, 7, Area measuring 100 sq. yds. Situated at Mauja Gaunchhi, Sub Tehsil Gaunchhi Distt. Faridabad, Haryana (availing loan from Piramal Capital & Housing Finance Ltd) from Smt. Suchita Dobhal, Sh. Saksham Dobhal and Nishta Dobhal, whereas they are the only legal heirs of their father Eteyender Kumar Dobhal

All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.

Kamal Kant Gupta (Advocate)
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower
Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि हम, मीरा देवी विष्ट पत्नी श्री सुखदेव सिंह विष्ट एवं सुखदेव सिंह विष्ट पुत्र श्री बच्चन सिंह विष्ट दोनो निवासीगण मकान नं. आरजेड-309, अपर ग्राउण्ड फलोर, साध नगर, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110045 स्थाई पता 34/1, क्यार्ध कॉलोनी, पोखरी खेत, गड़वाल, उत्तराखंड अपने पुत्र आशिष विष्ट एवं उसकी पत्नी प्रियंका रावत दोनो निवासी मकान नं. 360, सेक्टर-7, आर.के. पुरम नई दिल्ली-110022 को उनके दुर्व्यवहार व वश में ना होने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया हैं और अपने सभी तरह के संम्बंध विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में इसके द्वारा किसी भी कृत्य व लेन - देन आदि के लिए हम और हमारे परिवार के अन्य सदस्यों की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

मीरा देवी विष्ट, पत्नी श्री सुखदेव सिंह विष्ट
सुखदेव सिंह विष्ट, पुत्र श्री बच्चन सिंह विष्ट

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Shivraj Thakur S/o Naryan Thakur R/o Village - Basai Sector -70 Noida District - Gautam Buddha Nagar (U.P) 201301 My name is Shivraj Thakur & Shiv Raj Singh are the same person. My correct name is Shivraj Thakur Future for all purposes.

PD(369)A

TENDER NOTICE

Ref Tender advertised on 31.03.2024 by DGS CGHS, Sector 22, Dwarka for Buying old passenger lifts and carrying out civil and electrical work. The date for submitting the Tender documents in the Society office is **extended upto 1400 hrson 19.04.2024.**

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that M/s. Neelkanth Property and Builder through its partners Mr. Survinder Singh & Mr. Om Prakash Jhajhra who are the owner of Plot no.134, area measuring 162.5 sq. yards out of total area measuring 325 sq. yards, part of Khasra no.487, situated at Village-Nawada, Colony known as Bhagwati Garden Extn. In Block-A, Uttam Nagar, New Delhi vide Sale Deed dated 08.01.2024 registered as doc no. 10328, registered in SRO II-B Delhi and intend to get the financial assistance from **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048, Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Ravi Jaiswal** who is purchasing **Third Floor without roof/terrace rights ("Floor"), admeasuring 58.52 sq. mtrs, part of Property bearing MPL No. 2328, situated at Ward No. V, Gali Chhoti Pahar Wali, Dharam Pura, Chandni Chowk, Delhi from Mr. Anand Mittal & Mrs. Usha Mittal** who are the owners of the said property vide Sale Deed dated 19.09.2023 and intend to get the financial assistance from **Motilal Oswal Home Finance Limited**. That the Surviving Member Certificate of Late Ved Paraksh died on 12.03.2007 & Late Mr. Ravi Parkash died on 04.12.2013 & Late Ms. Sheela Devi died on 16.10.2016 & Late Mrs. Vijay Rani died on 24.01.2023 are not available. If any person(s) /Institution has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 7 days from the date of this notice on the address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

(Advocate)
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

Public Notice

This is to inform the general public that **Mr. Brijesh** is the GPA Holder of Land area measuring 500 Sq. yds. out of Khasra No. 1642/1641, situated at Baghrapad-1, Loni Pargana & Tehsil Loni Distt. Ghaziabad. He acquired the above property through GPA and Wiil dated 12.11.2012 executed by Mr. Jagdish in favour of Mrs. Brijesh as Doc. No. 1162.

Mr. Brijesh intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned Property to **.Mr. Rajendra Kumar and Mrs. Mahendri Devi** Subsequently, **Mr. Rajendra Kumar and Mrs. Mahendri Devi** are in the process of mortgaging the said property **SMFG India Home Finance Co.** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-days period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.

If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of **Mr. Ram Maher Maan** who is owner of Property area measuring 46 Kanal 10 Marla comprised in Khewat/Khata no.1994//1701, Khatoni no.2092, Mustakil and Kila no.182//2(8-0), 3(8-0), 4(8-0), 5(7-0), 6/1(3-10), 7/1(4-0), 8/1(4-0), 9/1(4-0) (Kita 8), situated at situated at Village Farukh Nagar, Sub-Tehsil Farukh Nagar, District-Gurugram, Haryana; having purchased the same from Mr. Prakash Chand, Rishi Kumar (sons) and Mrs. Parvati w/o Mam Chand, vide Sale Deed dated 09.06.2004, which is duly registered vide Document No.524, at Sub-Registrar-Farukhnagar; and intend to mortgage against the financial assistance from **Protium Finance Limited.** That original Sale Deed dated 09.06.2004, which is duly registered vide Document No.524, at Sub-Registrar-Farukhnagaris/are Lost/Misplaced/Not available an online Article/Document Lost Reports vide LR No.1635679/2024 dated 12.04.2024 has been lodged by Mr. Ram Maher Maan in this regard. To comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **07 days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Lucem Legal LLP
Plot No.136, (Basement) Uday Park,
New Delhi-110049, Contact # 011-40046316

PUBLIC NOTICE

To be known to all, **MAYANK PURI S/o LATE SH. SUBHASH CHANDER PURI R/o FLAT NO.38, TYPE-A, POCKET-16A, SECTOR-22, ROHINI, DELHI mutatee/owner of EHS FLAT NO.38, TYPE-A, POCKET-16A, SECTOR-22, ROHINI, DELHI,** have applied for certified copies in DDA. The original documents i.e. **DEMAND-CUM-ALLOTMENT LETTER, POSSESSION LETTER, NOC FOR WATER AND ELECTRICITY CONNECTION, SITE POSSESSION SLIP & OTHER DOCUMENTS** of the above said flat has been lost. An LR NO. 1642797/2024 dated 15/04/2024 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi. Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone:9311005032 with in 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to **Deputy Director (EHS) or Director (EHS), Delhi Development Authority, Vikas Sadan, New Delhi-110023.**

PUBLIC NOTICE

An information is given to general public at large that my client Sh. Shailendra babbar is the exclusive owner of the property bearing no. F-136-F First Floor & Basement of the Property situated in the vicinity known as Laxmi Nagar Delhi and have acquired it vide registered Relinquishment deed dated vide 14-09-2012 bearing Document no. 19542 Vol no. 6763 Book no.1 registered at Delhi. The said property was acquired Vide Court Decree Dated :-18-02-1999 by late Sh. Surendra pal and thereafter Sh. Surender pal Babbar expired intestate on 18-06-2008 at F-136/F Laxmi Nagar Delhi 110092 leaving behind Sh. Shailendra babbar, Sh. Kanchman Babbar , Sh. Sumit Babbar and Smt. Kamlesh babbar as his only legal heirs left behind and none else. Thereafter Sh. Kanchman Babbar, Sh. Sumit Babbar & Smt. Kamlesh Babbar have relinquished all their rights in favour of Sh. Shailendra Babbar who then had become the exclusive owner of the property F-136-F, First Floor & Basement, Laxmi Nagar, Delhi, vide Relinquishment deed referred above. Now that he intends to mortgage this property with Anand Rathi Global Finance Limited. If anybody has any objection regarding title or the ownership of the said property of the above said my client regarding his ownership/mortgage sale/ Litigation and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the mentioned address within seven days of the present publication.

(Ajay Kumar) Advocate
Office: 9567/12, Multani Dhanda,
Pahar Ganj, New Delhi-110055

PUBLIC NOTICE

To be Known to all I, **Charan Jit Singh S/o Late S. Bhagwan Singh R/o 216-H, MIG Flats, Rajouri Garden, New Delhi-110027** has lost/ misplaced Original **Demand Letter** of **MIG Flat No.216-H, Third Floor, Rajouri Garden, New Delhi-110027**. An F.I.R to this effect has been lodged in the Police Station Crime Branch Delhi Vide FIR/LR No. **1631810/2024** Dated **10.04.2024**. Any person(s) who find above original document, File No. **F.56(350)/79HBMI** may write/contact with above address/Mobile No. **9899379442** within **15 days** from the date of publication of this notice. The person(s) claiming any right, interest, can personally inform or write to Deputy Director LAB Housing, MIG, DDA Vikas Sadan INA New Delhi-110023.

PUBLIC NOTICE

I, RAJEEV KUMAR, S/o. LATE SATNAMDASS, R/o.B-6/43 SECTOR-11 ROHINI DELHI-110085, I have lost my documents Like: BANK CHALLANS, DEMAND LETTER, POSSESSION LETTER, HANDING-OVER POSSESSION LETTER, SUPPLEMENTARY / PERPETUAL LEASE DEED OF MY PROPERTY BEARING NO. 47 BLOCK AND POCKET A-6 SECTOR 28 ROHINI DELHI, DATED 15/04/2024, We tried to trace the same a lot but not succeed.

Complainant's Details: SO No: 430/2014, Delhi Police P.S. Crime Branch, Delhi. LR No:1644868/2024, Date: 15/04/2024.

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, लैंडमार्क बिल्डिंग, चौथी मंजिल, 228ए, एजेसी बोस रोड, कोलकाता- 700020, सीईएन नंबर L65190GJ1994PLC021012, www.icicibank.com

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	कल्पना/ अमरदीप/ पत्नी-करण चंद बनिया, सरगडिया, भद्रक चारम्पा बनिया, भद्रक, उड़ीसा, भद्रक-756101/ LBBHK00004609203	खाता नंबर 788/4, प्लॉट नंबर 171, ग्राम-बनिया, सरो-भद्रक, थाना-भद्रक, जिला-भद्रक, उड़ीसा (कुल क्षेत्रफल एकड़ 0.050 दशमलव आवासीय भूमि)/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि 10.04.2024)	दिसंबर 12, 2023 रु. 10,04,429/-	नोएडा

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह-कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : अप्रैल 16, 2024
स्थान : नोएडा

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

शुद्धिपत्र

दिनांक 30-12-2023 को मैसर्स ट्रांस गल्फ फ्रोजन फूड कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में) (CIN - U15139DL2004PTC124342) के एनआरआरए के असाइनमेंट के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति के असाइनमेंट के संबंध में पायनियर में प्रकाशित हमारे विज्ञापन में आंशिक संशोधन। बोलीदाताओं/हितधारकों को निम्नलिखित शुद्धिपत्र को ध्यान में रखने की सलाह दी जाती है।

"इसमें दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 की धारा 66 के तहत धोखाधड़ी वाले व्यापार या गलत व्यापार से वसूली योग्य राशि "रुपये 41,29,550" है, जिसे लगभग "रुपये-1,64,14,150" के रूप में पढ़ा जाना चाहिए"।

इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे अपने वित्तीय प्रस्ताव के साथ विस्तृत नियमों और शर्तों के साथ अपनी अभिरुचि की अभिव्यक्ति पुनः जमा करें और दिनांक 15-04-2024 से 21-04-2024 तक (कार्य घंटों के भीतर, अर्थात सुबह 10.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक) सभी सहायक दस्तावेज एक सीलबंद लिफाफे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में भेजें।

हस्ताक्षरित
मुकेश कुमार जैन,
परिसमापक
ट्रांस गल्फ फ्रोजन फूड कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड के परिसमापक
आईबीबीआई पंजीकरण सं. IBBI/IPA-001/IP-P-01960/2020-2021/13089
पता: टी-1, तीसरी मंजिल, पंकज आर्केड, प्लॉट नं. 16,
सेक्टर-5, द्वारका, नई दिल्ली - 110075
ई-मेल आईडी: tgff.liq@gmail.com, संपर्क नंबर: 9818478173

kotak

कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड

सार्वजनिक नोटिस

हम, **कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, (केएमबीएल), बैंक शाखा और अन्य संबंधित व्यवसाय (स्वचालित टेलर मशीन-एटीएम स्थापित करने सहित) के लिए, 7 पट्टादाताओं में से पट्टादाता सं. 4 - श्रीमती उषा सूरी के निधन के कारण दिनांक 08 जुलाई 2021 को पट्टा समझौते में किसी एक पट्टादाता में परिवर्तन करने की इच्छा,** यहां नीचे लिखित अनुसूची में विशेष रूप से वर्णित है, जैसा कि नीचे बताया गया है, मालिकों के स्वामित्व में है।

बड़े पैमाने पर सार्वजनिक और सभी संबंधित, निजी व्यक्तियों, सरकारी / अर्ध-सरकारी संस्थानों / निकायों / प्राधिकरणों / कानूनी उत्तराधिकारियों / हितधारकों, यदि यहां उल्लिखित संपत्ति में कोई अधिकार, टाईटल, हित या हिस्सा मिला है या कोई भी जिसे उपरोक्त लेनदेन के लिए आपत्ति है, तो सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि वे इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन से 7 (सात) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को सभी सहायक दस्तावेजों की प्रतियों के साथ लिखित रूप में अपनी आपत्ति उठाएं। यदि इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन से 7 (सात) दिनों के भीतर सभी सहायक दस्तावेजों की प्रतियों के साथ लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी द्वारा आपत्तियां प्राप्त नहीं की जाती हैं, तब यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति का शीर्षक स्पष्ट है और ऐसे सभी संबंधितों ने अपने अधिकारों का त्याग कर दिया है और ऐसे सभी संबंधितों को उसके बाद किसी भी आपत्ति को उठाने से रोक दिया जाएगा और हम उसके बाद लीज डीड या इस तरह के समझौतों के निष्पादन में आगे बढ़ेंगे और ऐसे सभी व्यक्तियों को इस तरह के लेनदेन के लिए कोई आपत्ति उठाने से रोक दिया जाएगा।

उस संपत्ति का विवरण जहां पट्टेदार सं. 4 के नाम में परिवर्तन की प्रक्रिया की जाती है	नया पट्टेदार सं. 4
वाणिज्यिक संपत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि फ्लैट नं. 101 से 107 नारायण मंजिल, 23 बाराखंभा रोड, नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 2021 को लीज डीड पर विचार किया गया	(1) श्री दीपक सूरी पुत्र श्री ललित मोहन सूरी, निवासी मकान नं. 36 सेक्टर 9-ए, चंडीगढ़ 160009

कानूनी विभाग
कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड
कोटक इन्फिनिटी, 5वीं मंजिल, बिल्डिंग नं. 21, इनफिनिटी पार्क, ऑफ वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे
जनरल ए के वैद्य मार्ग, मलाड (पूर्व), मुंबई 400 097
फोन नं. + 91 22 66055570/5548/5544, फैक्स-(022) 67259088

PUBLIC NOTICE

To be known to all, **NAVEEN KUMAR M S/O SH. K. DEREBAIL R/o FLAT NO.1523, THIRD FLOOR, POCKET-B & C, SECTOR-A, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070 allottee of DDA SFS FLAT NO.1523, THIRD FLOOR, POCKET-B & C, SECTOR-A, CAT-II, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070** has applied for certified copy & conversion from leasehold to freehold in DDA. The original document i.e. Allocation Letter, Demand cum allotment, Possession Letter, Site Possession Slip & NOC for Obtaining Water and Electric Connection of the above said flat has been lost. An F.I.R./NCR/LR No. 1605022/2024 dt. 02/04/2024 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi. Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. 9811136597 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director (Housing)-SFS or Director (H)-SFS, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, New Delhi-110023.

Naveen Aggarwal (Advocate)
Ch.No. M-7, Near SBI, Western Wing, Tis Hazari Court, Delhi-54

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024

लोकसभा चुनाव : हाईवोल्टेज मुकाबले पर दिल्ली ही नहीं देश भर की रहेगी निगाहें

संजय राय । नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली की तीन सीटों पर कांग्रेस द्वारा प्रत्याशियों का ऐलान किए जाने के बाद सियासत गर्म हो गई है। भाजपा ने दिल्ली की सातों सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा पहले की कर दी थी। जबकि, आम आदमी पार्टी ने गठबंधन के तहत अपने हिस्से की चारों सीटों पर उम्मीदवार पहले ही उतार दिए हैं। कांग्रेस ही अपने हिस्से की तीन सीटों पर उम्मीदवार तय नहीं कर पा रही थी। बहरहाल कांग्रेसी प्रत्याशियों के नामों के ऐलान के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। सभी राजनीतिक दल शह-मात के खेल में लग गए हैं। इस क्रम में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में चुनावी जंग दिलचस्प होती दिखाई दे रही है। यहां पर कांग्रेस के उम्मीदवार कन्हैया कुमार लगातार दूसरी बार सांसद भाजपा के स्टार उम्मीदवार मनोज तिवारी के खिलाफ ताल ठोक रहे हैं। कांग्रेस के हिस्से के तीन उम्मीदवारों में सबसे ज्यादा हाई प्रोफाइल उम्मीदवार कन्हैया कुमार हैं। इस हाईवोल्टेज मुकाबले पर दिल्ली ही नहीं देशभर की नजर रहेगी।

पूर्वांचली बनाम पूर्वांचली : उत्तर पश्चिम दिल्ली में बड़ी संख्या में पूरबिया लोग रहते हैं। यह दिल्ली की सबसे सघन आबादी वाला क्षेत्र है। इसकी वजह है यहां पर बनी अनधिकृत कॉलिनियों में जहां पर अलग-अलग राज्यों के लोग सबसे ज्यादा है। इसी इलाके में बुराड़ी, करावल नगर, सीमापुरी, गोकुलपुरी जैसे क्षेत्र आते हैं जहां सैकड़ों की तादाद में अनाधिकृत कॉलोनियां हैं। इनमें न सिर्फ बिहार, बल्कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा से आकर काम करने वाली बड़ी आबादी रहती है। ऐसे में उन सब का वोट किसके पक्ष में जाएगा यह तो 4 जून को परिणाम आने के बाद ही पता चल सकेगा।

दिल्ली का सबसे ज्यादा संवेदनशील वाला इलाका है उत्तर पूर्वी दिल्ली है। यहां वर्ष 2020 में हुए सांप्रदायिक दंगों की वजह से देश दुनिया में चर्चा रहा था। उन दंगों के बाद इस इलाके में धार्मिक ध्रुवीकरण ज्यादा देखने को मिला। इस लोकसभा क्षेत्र में सीलमपुर, मुस्तफाबाद, बाबरपुर और करावल नगर जैसे क्षेत्र आते हैं जहां मुस्लिम आबादी काफी ज्यादा है। पूरे लोकसभा क्षेत्र में मतदाताओं के लिहाज से 21 फीसदी मतदाता मुस्लिम समुदाय से आते हैं। इसलिए संभावना यही है कि इस बार के चुनाव में भी धार्मिक ध्रुवीकरण का मुद्दा काफी जोर पकड़ सकता है।

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी को तीसरी बार दांव लगाया है। इससे पहले वह दो बार इस संसदीय क्षेत्र से लगातार सांसद हैं। तिवारी दिल्ली भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। तिवारी पेशे से अभिनेता के साथ-साथ गायक भी हैं।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली सीट से मनोज तिवारी के खिलाफ ताल ठोकने वाले कन्हैया कुमार ने कहा कि कोई न कोई तो सामने होगा ही। व्यक्ति नहीं बल्कि विचार और मुद्दा महत्वपूर्ण होता है। यह तो जनता तय करेगी कि उन्होंने कोई काम किया या नहीं। वहीं मनोज तिवारी ने कहा जो भी आएगा वह 40 दिन के दौरे पर है और वे हमारे काम को जरूर देखेंगे। हमारे क्षेत्र में कई चीजे पहली बार हुई है। हमारे लोसकभा क्षेत्र में रेलवे लाइन तो गुजरती थी, लेकिन रेलवे स्टेशन नहीं था। हम लोग इसे बना कर दिए हैं। हमारे क्षेत्र में कोई केंद्रीय विद्यालय नहीं था। हमने सेंट्रल स्कूल दिया है। इसके अलावा पहली बार हमारे क्षेत्र में देश का सबसे लंबा एलिवेटेड रोड बना है, जो सहारनपुर, हरिद्वार होते हुए देहरादून की दूरी को काम करता है। केवी का पावर स्टेशन पहली बार हमारे लोस क्षेत्र में बना। पहली बार सांसद खेल महोत्सव प्रतियोगिता शुरू हुई, तमाम काम हमने पिछले 10 सालों में अपने कार्यकाल में किए हैं। इसके साथ ही सामुदायिक केंद्र भी क्षेत्र में बना है।

उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र

मनोज तिवारी बनाम कन्हैया कुमार

निर्णायक भूमिका में पूरबिया मतदाता कितने प्रभावशाली

इस संसदीय लोकसभा क्षेत्र में चुनाव नतीजे तय करने में पूर्वांचली मतदाताओं की भूमिका को अहम माना जाता है। इस सीट के समीकरणों की बात करें तो उत्तर प्रदेश और और बिहार से नाता रखने वाले मतदाताओं की तादाद करीब 28 फीसदी है। इलाके में अनुसूचित जाति की आबादी 16.3 फीसदी, मुस्लिम 20.74 फीसदी, ब्राह्मण 11.61 फीसदी हैं, वैश्य 4.68 फीसदी, पंजाबी 4 फीसदी, गुर्जर 7.57 फीसदी और ओबीसी की आबादी इस लोकसभा क्षेत्र में 21.75 है। भाजपा को भरोसा है कि पूर्वांचली और दलित-पिछड़ा वोटर्स के समर्थन से मनोज तिवारी जीत की हैट्रिक लगाएंगे। दो पूर्वांचलियों की लड़ाई में ओबीसी-दलित के साथ ही सवर्ण मतदाताओं का रोल अहम हो गया है। कहा यह भी जा रहा है कि पूर्वांचली वोट स्थानीय अस्मिता के आधार पर बंट सकता है। मनोज तिवारी भोजपुरी बेल्ट से आते हैं। वहीं, कन्हैया कुमार जिस बेगूसराय से आते हैं, वहां अंगिका और मगही भाषा बोली जाती है। नॉर्थ ईस्ट दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में भोजपुरी भाष भाषी वोटर्स की संख्या अच्छी खासी है और यह मनोज तिवारी के पक्ष में जा सकता है।

विवादों से है कन्हैया का नाता

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्र संघ अध्यक्ष रह चुके कुमार शुरू से ही विवादों से घिरे रहे हैं। देश विरोधी नारेबाजी के आरोपों में भी उन्हें घेरने की कोशिश की गई है। कन्हैया कुमार ने वर्ष 2019 में कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया के टिकट पर बेगूसराय से लोकसभा चुनावों में मुकाबला किया था। लेकिन, उन्हें सफलता नहीं मिली। अलबत्ता युवाओं में उनका खासा क्रेज रहा है।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत सोमवार को 23 अप्रैल तक बढ़ा दी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने केजरीवाल की हिरासत की अवधि बढ़ा दी। इससे पहले, केजरीवाल को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। उनकी पूर्व की हिरासत अवधि सोमवार को समाप्त हो रही थी। ईडी ने यह कहते हुए केजरीवाल की हिरासत 14 दिन बढ़ाने की मांग की कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है।

न्यायाधीश ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी, यह देखते हुए कि बीआरएस नेता के कविता सहित मामले में कुछ सह-अभियुक्तों की न्यायिक हिरासत उसी तारीख को समाप्त हो रही है। अदालत ने एक अप्रैल को मामले में केजरीवाल को 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। ईडी ने आप नेता पर दिल्ली शराब घोटाले की पूरी साजिश में शामिल होने, नीति का मसौदा तैयार करने और लागू करने, व्यवसायियों को लाभ पहुंचाने, रिश्वत लेने और अन्य आरोप लगाए हैं।

इस बीच उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल की उस याचिका पर सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से 24 अप्रैल तक जवाब मांगा जिसमें उन्होंने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने उच्च न्यायालय के नौ अप्रैल के उस आदेश को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया, जिसमें मामले में उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। मामले की सुनवाई 29 अप्रैल को होगी।

केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने पीठ से कहा कि वह कुछ तथ्य दिखाना चाहते हैं जो अदालत की अंतरात्मा को झकझोर देंगे। सिंघवी ने इसे एक बहुत ही असामान्य मामला बताया, इसलिए नहीं कि केजरीवाल एक मुख्यमंत्री हैं। सिंघवी ने आम चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद उनकी गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि हर जगह चुनिंदा लीक से हर किसी की एक गलत धारणा बन रही है। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा, उन्हें चुनिंदा लीक की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, एक नोटिस जारी किया जाए। ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने कहा कि जांच एजेंसी याचिका पर अपना जवाब दाखिल करेगी। सिंघवी ने मामले की जल्द सुनवाई की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा, मैं अब एक कारण से शुक्रवार की तारीख का अनुरोध कर रहा हूं।

न्यायमूर्ति खन्ना ने सिंघवी से कहा, हम एक उचित तारीख देंगे, एक अत्यंत निकट तारीख, लेकिन वह नहीं जो आप कह रहे हैं। यह संभव नहीं है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील ने कहा कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी मामले में आठ आरोपपत्र दायर किए हैं और उनमें से किसी में भी केजरीवाल का नाम नहीं है। उन्होंने कहा, कहानी सितंबर 2022 से शुरू होती है और उन्हें (केजरीवाल) मार्च 2024 में गिरफ्तार किया जाता है। सिंघवी ने कहा कि इस अवधि के दौरान, 15 बयान दर्ज किए गए, जिनमें नौ एक व्यक्ति द्वारा और छह अन्य द्वारा दिए गए थे और उनमें से किसी में भी केजरीवाल का नाम नहीं था। न्यायमूर्ति खन्ना ने सिंघवी से कहा, अपनी दलीलें अगली तारीख के लिए सुरक्षित रखें। सिंघवी केजरीवाल की गिरफ्तारी के समय पर सवाल उठा रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले दौर का मतदान 19 को होने जा रहा है। मेहता ने जोर दिया कि चुनाव प्रचार ऐसे मामलों में राहत पाने का आधार नहीं हो सकता।

आबकारी नीति मामले में एक और गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में चनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के कोष का कथित तौर पर प्रबंधन किया था।

सूत्रों ने बताया कि सिंह को धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया था। ईडी द्वारा इस मामले में यह 17वीं गिरफ्तारी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री रविंद केजरीवाल को इस मामले में पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

कविता की जमानत अर्जी पर सीबीआई को नोटिस

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

अदालत ने दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता की जमानत अर्जी पर सोमवार को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को नोटिस जारी किया। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय के मामलों के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने कविता को 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया और संघीय एजेंसी को 22 अप्रैल तक अर्जी पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

सीबीआई ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी एवं बीआरएस की विधान परिषद सदस्य कविता को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से वह तिहाड़ जेल में बंद थीं। सीबीआई दिल्ली की आम आदमी पार्टी (सरकार) द्वारा आबकारी नीति तैयार किए जाने और उसके क्रियान्वयन में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रही है, जबकि ईडी धन शोधन के पहलू की जांच कर रही है।

कविता ने भ्रष्टाचार के मामले में अपनी जमानत अर्जी में कहा है कि वह लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी की एक स्टार प्रचारक हैं। उन्होंने अंतरिम जमानत का अनुरोध किया था क्योंकि उनकी नियमित जमानत अर्जी लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल (भाजपा) याचिकाकर्ता को दिल्ली आबकारी नीति से सार्वजनिक रूप से जोड़ने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है ताकि उनके खिलाफ दंडात्मक कार्वाई की जा सके। अर्जी में कहा गया है, जांच एजेंसियां इस बात से भलीभांति अवगत हैं कि कथित घोटाले में याचिकाकर्ता की संलिप्तता का कोई सबूत नहीं है। राजनीतिक आकाओं को यह बखूबी पता है कि यदि याचिकाकर्ता को कथित घोटाले से जोड़ दिया जाता है तो इससे उन्हें और तेलगंना के पूर्व मुख्यमंत्री एवं उनके पिता की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया जा सकेगा।

सीएम से मिलकर भावुक हुए मान

- बोले, आतंकवादियों जैसा सलूक मुख्यमंत्री के साथ हो रहा

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की और आरोप लगाया कि उनके साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि दिल्ली में उसकी सरकार उचित प्रारूप के तहत जेल से काम करना शुरू करेगी और मुख्यमंत्री केजरीवाल अगले सप्ताह से दो मंत्रियों से मिलने की योजना बना रहे हैं। मान ने कहा कि वह केजरीवाल से आधे घंटे के लिए मिले लेकिन उनके बीच एक कांच की दीवार थी, और दोनों नेताओं के बीच फोन कॉल के जरिए बातचीत हुई।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल ने उन्हें विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवारों के प्रचार के वास्ते विभिन्न स्थानों पर जाने के लिए कहा है। मान के साथ मुलाकात के दौरान मौजूद आप सांसद संदीप पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल अगले सप्ताह से जेल में दो मंत्रियों से मुलाकात करेंगे और उनके कार्यों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा, जो भी कानूनी प्रक्रिया आवश्यक होगी, हम उसे पूरा करेंगे। अगले हफ्ते से जब मंत्री केजरीवाल से मिलेंगे तो सरकार उचित प्रारूप में जेल से काम करना शुरू कर देगी।

आबकारी नीति से संबंधित धन शोधन मामले में 21 मार्च को प्रवर्तन

किसी भी कैदी के साथ विशेष बर्ताव नहीं होता : बेनीवाल

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) का. कहना है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल से अपनी सरकार चला रहे हैं, लेकिन जेल के महानिदेशक संजय बेनीवाल ने सोमवार को कहा कि न्यायिक हिरासत में एक कैदी केवल दो प्रकार के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कर सकता है और वे राजनीतिक प्रकृति के नहीं होने चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कैदियों के साथ किए जाने वाले व्यवहार में कोई भेदभाव नहीं किया जाता है और यह सुनिश्चित किया जाता है कि उन्हें समान मूल अधिकार मिले। इससे पहले दिन में, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जेल में केजरीवाल से मुलाकात की और आरोप लगाया कि उन्हें तिहाड़ जेल में अपराधी को मिलने वाली सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं।

संजय बेनीवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बेनीवाल ने इन बातों को खारिज कर दिया कि जेल अधिकारियों द्वारा केजरीवाल के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा, दुर्दांत या सामान्य अपराधी में कोई अंतर नहीं है। दिल्ली सरकार द्वारा पारित नियमावली के तहत, जेल में कैदियों के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। प्रत्एक कैदी के कुछ बुनियादी अधिकार हैं, जिन्हें सुनिश्चित करना मेरा कर्तव्य है और उन्हें हर किसी के लिए सुनिश्चित किया जा रहा है।

केजरीवाल मंत्रियों संग समीक्षा बैठक करेंगे : पाठक

- आम आदमी पार्टी का दावा जेल से चलेगी दिल्ली की सरकार

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के नेता एवं राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने कहा कि दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हर सप्ताह दो मंत्रियों को जेल बुलाएंगे और उनके विभागों के काम की प्रगति की समीक्षा करेंगे। पाठक और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को तिहाड़ जेल में केजरीवाल से मुलाकात की।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने संवाददाता सम्मेलन में आगामी दिनों में विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री की कार्ययोजना से अवगत कराया। अगले सप्ताह से मुख्यमंत्री हर सप्ताह दो मंत्रियों को जेल बुलाएंगे और वहां उनके विभागों के कामकाज की समीक्षा करेंगे एवं उन्हें दिशा-निर्देश देंगे। उन्होंने कहा, जो भी कानूनी प्रक्रिया आवश्यक होगी, हम करेंगे। अगले सप्ताह से जब मंत्री मिलेंगे, तब सरकार उचित प्रारूप में जेल से काम करना शुरू कर देगी। पाठक ने कहा कि केजरीवाल ने पार्टी विधायकों से कहा है कि वे घर-घर जाएं और लोगों से मिलकर उनकी चिंताओं को समझें और उनके सामने आने वाली हर समस्या को हल करने का प्रयास करना चाहिए।

आम आदमी पार्टी की संकल्प सभा आज से

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल जाने के बाद से आम आदमी पार्टी लगातार आक्रामक हो गई है। लोकसभा चुनाव को लेकर भी आम आदमी पार्टी खास रणनीति पर काम कर रही है। दिल्ली में जेल का जवाब वोट से अभियान के दूसरे चरण में जेल का जवाब वोट से संकल्प सभा आयोजित करेगी। आम आदमी पार्टी के संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के जिन चार लोकसभा क्षेत्रों में आप के उम्मीदवार हैं, उनमें 16 अप्रैल से 23 मई के बीच 200 संकल्प सभाओं का आयोजन होगा। आम आदमी पार्टी के मंत्री, सांसद और विधायक इन सभाओं में लोगों को जेल का जवाब वोट से की शपथ दिलाएंगे। पार्टी का लक्ष्य है ऐसे एक लाख लोगों को शपथ दिलाना, जो लोगों के घरों तक जाकर उन्हें आप को वोट देने के लिए तैयार करें।

रोडरेज में कैब चालक की गोली मारकर हत्या

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कड़ी सुरक्षा के दावों के बीच लाल किले के पास रोडरेज की घटना में कैब चालक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि एक भिखारी इस गोलीबारी में घायल हो गया है। यह घटना रविवार देर रात की है।

पुलिस के मुताबिक, रविवार देर रात 1.50 बजे लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल से दो लोगों को गोली लगने की सूचना मिली थी। गोली लगने से घायल हुए जाकिर नगर निवासी मोहम्मद शाकिब और पलवल निवासी लवकुश नामक किशोर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस उपायुक्त एमके मीणा ने कहा कि पीसीआर कॉल के बाद, तुरंत एक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। बाद में, जानकारी मिली कि इलाज के दौरान शाकिब, जिसे पेट के ऊपरी हिस्से में गोली लगी थी उसने दम तोड़ दिया। छानबीन में पता चला है कि रात करीब 12 बजे कोडिया पुल से चट्टा रेल क्रॉसिंग की ओर आ रही कैब ने एक बैट्री ई-रिक्शा को टक्कर मार दी थी, जिसके कारण कैब चालक और ई-रिक्शा चालक के बीच विवाद हो गया। कैब चालक शाकिब को दो लोगों ने जबरन उसके वाहन से बाहर खींच लिया। जैसे ही वहां लोग इकट्ठा होने लगे, कैब चालक ने एक हमलावर को पकड़ लिया। इसके बाद, हमलावरों में से एक ने शाकिब और स्थानीय भिखारी लवकुश को गोली मार दी।

मीणा ने बताया कि घायलों को राहगीरों ने एलएनजेपी अस्पताल में पहुंचाया। घटनास्थल का फोरेंसिक विश्लेषण किया गया है। पुलिस ने इस संबंध में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या का प्रयास) और आर्म्सएक्ट की धारा 27 के तहत एक केस दर्ज किया है।

- कड़ी सुरक्षा के दावों के बीच लाल किले के पास हुई इस घटना में भिखारी घायल

राजेश्वर दुबे जेएनयू के नए इकाई अध्यक्ष निर्वाचित

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जेएनयू विभाग के चुनाव संपन्न हो गए। निर्वाचन हेतु चुनाव अधिकारी एवं अभाविप की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य उन्नति पंजीकर ने राजेश्वर कांत दुबे की अभाविप जेएनयू के इकाई अध्यक्ष के रूप में तथा इकाई मंत्री के रुप में शिखा स्वराज की घोषणा की।

अभाविप में अध्यक्ष एवं मंत्री के निर्वाचन की प्रक्रिया सर्वसम्मति से करने की परिपाटी है। नवनिर्वाचित इकाई घोषणा के समय अभाविप के राष्ट्रीय संगठन आशीष चौहान, अभाविप दिल्ली के प्रांत अध्यक्ष तपन बिहारी, अभाविप जेएनयू के प्रांत मंत्री हर्ष अत्रि समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहें।

जीबी पंत अस्पताल में 10 माह से खराब है सीटी स्कैन मशीन

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्डियोलॉजी व न्यूरोलॉजी संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए प्रख्यात गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल में सीटी स्कैन की मशीनें लगभग 10 महीने से खराब हैं, जिसकी वजह से दिल्ली-एनसीआर और पड़ोसी राज्यों से आने वाले गंभीर मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जीबी पंत अस्पताल में सीटी स्कैन की मशीनें खराब होने की वजह से गंभीर मरीजों को पास के लोक नायक अस्पताल रेफर किया जाता है और मात्र पांच मिनट में होने वाली जांच के लिए मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। एक मरीज के रिश्तेदार ने नाम नहीं प्रकाशित करने के अनुरोध पर मीडिया से बातचीत में बताया कि उनके पिता को एक अप्रैल को दिल का दौरा पड़ने के बाद पूर्वी दिल्ली के हेडगेवार और गुरु तेग बहादुर अस्पताल से जीबी पंत अस्पताल के लिए रेफर किया गया और यहां पहुंचने के बाद शुरुआती उपचार देकर सीटी स्कैन कराने के लिए कहा गया।

उन्होंने बताया, चूंकि अस्पताल में मशीनें खराब थीं इसलिए उन्हें अपने पिता को पास के एलएनजेपी अस्पताल ले जाने को कहा गया। हमें सुबह 10 बजे सीटी स्कैन कराने के लिए कहा गया लेकिन एलएनजेपी अस्पताल के कर्मियों ने शाम चार बजे का वक्त दिया।

इमरजेंसी में आए एक मरीज के लिए इतना लंबा समय घातक साबित हो सकता है। वहीं दिल्ली-उप्र बॉर्डर के नजदीक एक कॉलोनी से अपनी 62 वर्षीय बुजुर्ग मां को दिल का दौरा पड़ने के बाद जीबी पंत अस्पताल लेकर पहुंची एक महिला ने मीडिया को बताया, वह अपनी मां को दिल का दौरा पड़ने के बाद 21 मार्च को अस्पताल के आपातकालीन विभाग में लेकर आई थी, जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद उनका तुरंत सीटी स्कैन कराने को कहा गया। उन्होंने कहा, उन्हें बताया गया कि अस्पताल में सीटी स्कैन की दोनों मशीनें खराब हैं। हमें मरीज को पास के अस्पताल ले जाने को कहा गया।

लेकिन ज्यादा समय लगने के कारण मैं अपनी मां का मॉडल टाउन इलाके में स्थित एक निजी केंद्र से सीटी स्कैन कराकर लाई, जिसमें 18,500 रुपए का खर्च आया। पूरे जीबी पंत अस्पताल में केवल ए और डी ब्लॉक में ही सीटी स्कैन की मशीनें हैं और वो भी पिछले कुछ वक्त से खराब पड़ी हैं। जीबी पंत अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कल्पना बंसल बताया कि एक मशीन पिछले फरवरी-मार्च से खराब है और पिछले साल जून से खराब दूसरी मशीन के स्थान पर नई मशीन की खरीद प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और जुलाई-अगस्त तक मशीन अस्पताल में लाए जाने की संभावना है।

- एक मशीन 2023 के फरवरी-मार्च और दूसरी पिछले जून से है खराब, नई मशीन जुलाई-अगस्त तक आने की संभावना है : डॉ. बंसल

जल बोर्ड और सिंचाई विभाग के प्रोजेक्ट की हो सीबीआई जांच : वीरेंद्र सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा । नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार की अपराधिक लापरवाही के चलते पानी की व्यापक चोरी एवं बर्बादी हो रही है जिस कारण उपभोकताओं खासकर गरीब लोगों के सामने पानी की भारी कमी है। इसी के चलते गत शुक्रवार शाहदरा के फर्श बाजार इलाके में पानी भरने को लेकर हुए झगड़े में एक महिला की हत्या हो गई थी। सचदेवा ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मांग करती है की वर्ष 2015 से वर्ष 2024 के बीच दिल्ली जल बोर्ड एवं सिंचाई विभाग के सभी टेंडर प्रोजेक्ट्स की सीबीआई जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा इस संदर्भ में उपराज्यपाल को एक पत्र सौंपेगी।

विरेंद्र सचदेवा ने कहा कि यह खेदपूर्ण है की एक महिला की हत्या के मामले पर संवेदना प्रकट करने या पीड़ित परिवार को मुआवजा देने के लिए जल मंत्री आतिशी ने इस पर झूठी ओछी राजनीतिक ब्यानबाजी की है। आतिशी ने महिला की हत्या की जिम्मेदारी जल बोर्ड अधिकारियों पर डालने का प्रयास करते हुऐ कहा है की अधिकारी पेयजल उपलब्धता बढ़ाने के लिए बोरवेल करवाने के लिए फंड नहीं दे रहे। जल मंत्री का अधिकारियों द्वारा फंड ना देने का आरोप पूरी तरह मनगढ़त है क्योंकि गत 9 साल में दिल्ली जल बोर्ड को 29,172 करोड़ रुपए सिर्फ वाटर ट्रीटमेंट के लिए दिए गए, आखिर वह पैसे कहां गये।

भाजपा का संकल्प पत्र जनता के लिए छलावा है: संदीप

चुनाव प्रचार करते संदीप सिंह।

प्रदेश और देश की जनता भाजपा सरकार को सबक सिखाने का काम करेगी

पायनियर समाचार सेवा। झज्जर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य संदीप सिंह ने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र देश की जनता के साथ एक छलावा है। इसमें महंगाई से त्रस्त जनता और भीषण बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं को राहत देने के लिए न तो कोई बात की गई है। न ही कोई उपाय इनके पास है, जिसमें बीजेपी ने सिर्फ और सिर्फ अपने फायदे के लिए जनता को संकल्प के नाम पर छलावा दिखाकर बरगलाने का काम किया है। यह बात एआईसीसी सदस्य संदीप सिंह ने सोमवार को रोहतक लोकसभा क्षेत्र के बादली हल्के के भट्ठेरा और अमादलपुर गांवों में दीपेंद्र हुड्डा के पक्ष में प्रचार के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुकी है। आसमान छूती महंगाई, गरीबी और बेरोजगारी का अभिशाप लोगों के जीवन को बद से बदतर बना रहा है। प्रदेश और देश की जनता इस बार भाजपा सरकार को सबक सिखाने का काम करेगी।

उन्होंने दावा किया कि हरियाणा की सभी 10 सीटों पर गठबंधन की जीत होगी और बीजेपी को धराशाही कर संसद में इंडिया गठबंधन के नेता पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बहुत अंतर है। जिसे पिछले 10 साल से जनता देख रही है। 10 साल में केंद्र की भाजपा सरकार कुछ खास नहीं कर पाई और अब 2047 के सपने दिखाकर देश का संविधान व लोकतंत्र को मनमानी ढंग से तोड़-मरोड़ कर पेश करने की कोशिश में लगी है। देश की जनता आप इनके बहकावे में नहीं आने वाली है। इस मौके पर पूर्व जिला पार्षद डॉ. ब्रजपाल पप्पू, नवजोत चौहान, अनूप चौहान, नरेश चौहान, एडवोकेट विनोद सिंह, कपिल रजावत, रामडु चौहान, राजेश सिंह, कुलदीप सिंह, महिपाल सिंह, रामबीर सिंह आदि मौजूद थे।

मुंबई में सलमान खान के घर हुई फायरिंग के गुरुग्राम से जुड़े तार

गुरुग्राम का निवासी है आरोपी विशाल, गैंगस्टर रोहित के लिए करता है काम

चोरी के केस में जेल जाने पर रोहित गोदारा से हुई थी मुलाकात

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के लिए रोहित करता है काम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

मुम्बई में फिल्म अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने में तार गुरुग्राम से भी जुड़े हैं। यहां से इसलिए कि फायरिंग करने वाले युवकों में एक युवक विशाल उर्फ कालू भी बताया गया है। वह गुरुग्राम का रहने वाला है। घटना के कुछ समय बाद से ही विशाल के परिजनों तक गुरुग्राम, दिल्ली पुलिस पहुंच चुकी थी। परिजनों ने पुलिस द्वारा धमकी देने का आरोप भी लगाए हैं।

सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग के तार गुरुग्राम से भी जुड़ गए हैं। बाइक सवार दोनों युवकों में से एक युवक विशाल उर्फ कालू गुरुग्राम के महावीरपुरा का रहने वाला बताया गया है। रात को ही गुरुग्राम व दिल्ली पुलिस ने उसके घर पर पहुंचकर पूछताछ की। सोमवार को विशाल उर्फ कालू की बहन बरखा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि रात 10 बजे पुलिस उनके घर पर आई थी। पुलिस का व्यवहार सही नहीं था। वे धमकी दे रहे थे कि उनके सिर में गोली मारेंगे। मात्र 27 साल का विशाल चार भाई-बहनों में सबसे छोटा है। उसकी बहन ने बताया कि वह 27 फरवरी 2024 से घर से गायब है। उसके बाद उसे उनका कोई सम्पर्क नहीं हुआ। उसके गायब होने की शिकायत भी उन्होंने सेक्टर-5 पुलिस थाना में, सीएम विंडो पर दे रखी है। बरखा ने बताया कि उनके पास जो पुलिस वाले आए, उन्होंने कहा कि एसटीएफ डीएलएफ फेज-1 से आए हैं। अपना नंबर भी देकर गए हैं। बरखा के मुताबिक उसका भाई विशाल किसी से कुछ नहीं बोलता था। पूरे मोहल्ले में उसके बारे में पूछ सकते हैं। जब से महावीरपुरा में विशाल उर्फ कालू के बारे में जानकारी मिली है, क्षेत्र में उसकी की चर्चाएं हो रही हैं।

फायरिंग के आरोपी विशाल उर्फ कालू का गुरुग्राम में घर। इनसेट विशाल के बारे में जानकारी देती उसकी बहन बरखा।

कारोबारी सचिन की हत्या में भी विशाल का हाथ

बताया जा रहा है कि विशाल उर्फ कालू गुरुग्राम के स्क्रेप कारोबारी सचिन की रोहतक में 29 फरवरी 2024 को एक होटल पर हत्या के मामले में भी शामिल था। रोहतक की घटना के दो दिन पूर्व 27 फरवरी को वह गुरुग्राम अपने घर पर आया था। विशाल की पहचान होने के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने गुरुग्राम पुलिस से भी संपर्क किया है। रोहतक क्राइम ब्रांच ने सचिन की हत्या में नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ में ही विशाल का नाम भी सामने आया। सचिन की हत्या के बाद से रोहतक पुलिस को भी विशाल की तलाश है। अब विशाल की तलाश में मुंबई पुलिस भी जुट गई है। अपराध की दुनिया में एक चोरी से विशाल की शुरुआत हुई थी। इस केस में वह जेल गया था। जेल में उसकी मुलाकात राजस्थान के गैंगस्टर रोहित गोदारा से हुई और वह रोहित गोदारा के लिए अपराध की दुनिया में काम करने लगा। रोहित स्वयं लॉरेन्स बिश्नोई के लिए काम करता है।

हिरण शिकार का लंबे समय से ठंडा पड़ा मामला फिर हुआ गर्म

बता दें कि फिल्म अभिनेता सलमान खान को मारने के लिए जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने धमकी दे रखी है। सलमान खान द्वारा हिरण का शिकार करने के समय से ही लॉरेन्स बिश्नोई द्वारा सलमान खान को धमकी दी गई थी। कई बात उनके द्वारा सलमान खान को धमकी देने संबंधी जानकारियों सामने आ चुकी हैं। काफी समय से यह मामला ठंडा पड़ा था, लेकिन रविवार की रात को मुंबई में सलमान खान के घर पर बाइक पर सवार दो युवकों द्वारा फायरिंग करने के बाद फिर से गर्मा गया है। उनके घर के बाहर हुई फायरिंग को पुलिस और जांच एजेंसियां बेहद ही गंभीरता से ले रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

रिसाइकिल्ड प्लास्टिक से बने बेंच विकास सदन में रखवाए

गुरुग्राम। सामाजिक संस्था इनर व्हील क्लब की ओर से सोमवार को विकास सदन में रिसाइकिल्ड प्लास्टिक मेटीरियल से बने दो बेंच आम जनता के लिए भेंट किए गए। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने शिक्षा और वेस्ट मेटीरियल के सदुपयोग की दिशा में इनर व्हील संस्था के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि संस्था जिला में और भी सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दे सकती है। प्लास्टिक वेस्ट का बेहतर इस्तेमाल जनहित में उपयोगी है। आम नागरिकों को प्लास्टिक पदार्थों पॉलिथिन, बोतल, डिस्पोजल आदि का कम से कम प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों की सहायता में संस्था कुछ कदम आगे बढाए। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की अध्यक्षा पूनम नंदा, चेयरमैन डा. उर्वशी मित्तल ने आश्वासन दिया कि एडीसी के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।

केवाईसी एप से भी उम्मीदवार के बारे में मिलेगी जानकारी

गुरुग्राम। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं की सहूलियत के लिए डिजीटल फोर्मेट में अनेक एप लांच किए हुए हैं। इन्हीं में से एक एप है केवाईसी। जिसके जरिए मतदाता अपने लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकता है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने बताया कि लोकतंत्र में मतदाता सर्वोपरि होता है। मतदाता को सशक्त बनाने के लिए चुनाव आयोग ने तकनीक के युग में बड़े कदम उठाए हैं। चुनाव में मतदाता अपने लोकसभा क्षेत्र के सभी उम्मदीवारों की प्रोफाइल को जान सकें, इसके लिए आयोग ने स्पेशल केवाईसी (नो योर कैंडिडेट) एप की शुरुआत की है। इस एप का प्रयोग कर मतदाता चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के नामांकन में दर्ज की गई जानकारी को मोबाइल या लैपटॉप में देख सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए मोबाइल एपके बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए गुरूग्राम जिला में स्वीप गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। आयोग द्वारा केवाईसी एप शुरू की गई है, जो कि चुनाव प्रक्रिया में काफी महत्वपूर्ण है। इस ऐप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति स्वयं के लोकसभा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि समूचे भारत की लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के नामांकन पत्र देख सकता है। उम्मीदवारों द्वारा नामांकन में दर्ज की गई विस्तृत जानकारी इस ऐप के माध्यम से देखी जा सकती है। नो योर कैंडिडेट (केवाईसी) नाम की यह ऐप गूगल प्ले स्टोर या एपल स्टोर से फ्री में डाउनलोड की जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस एप पर उम्मीदवार का नाम, पिता या पति, पार्टी, उम्र, लिंग, पता, राज्य, निर्वाचन क्षेत्र की जानकारी मेन डिस्पले में दिखाई देती है। इसके साथ ही उम्मीदवार द्वारा नामांकन के दौरान दिया गया हलफनामा इस एप में अपलोड किया जाता है। मतदाता सीधे उम्मीदवार के हलफनामे में दी गई जानकारी प्राप्त सकते हैं। इसके अलावा केवाईसी ऐप पर चुनाव के दौरान सभी नामांकन, स्वीकृत नामांकन, निरस्त हुए नामांकन और नाम वापस लेने वाले प्रत्याशियों की भी जानकारी मिलती है।

सार्वजनिक स्थान पर सेप्टेज कचरा फेंकना दंडनीय अपराध

गुरुग्राम। सड़कों के किनारों, ग्रीन बैल्ट, खाली प्लाटों व नालों आदि में सेप्टेज टैंक व सीवरेज से निकलने वाले कचरे का डिस्चार्ज करना दंडनीय अपराध है। नगर निगम गुरुग्राम ऐसा करने वालों पर कड़ी नजर बनाए हुए है तथा संबंधित के वाहन जब्त करने के साथ ही उस पर भारी जुर्माना भी लगाया जाएगा। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ ने कहा कि ने कहा कि निगम क्षेत्र में बनी रिहायशी सोसायटियों व अनियमित कॉलोनियों में बने सेप्टेज टैंक की सफाई टैंकर के माध्यम से करवाई जाती है। इन टैंकरों के संचालक सेप्टेज कचरे को खाली प्लाट, सडक़ के किनारे, ग्रीन बैल्ट या नाले आदि में फेंक देते हैं, जो कि पर्यावरणीय नियमों के विरूद्ध है। ऐसा करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई व भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी रिहायशी सोसायटियां यह सुनिश्चित करें कि उनके यहां सीवरेज वाटर के ट्रीटमेंट के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट सही तरीके से संचालित किया जाए। इसके साथ ही अगर वे अपने यहां बने सेप्टेज टैंक की सफाई करवाते हैं तो यह सुनिश्चित करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है कि सेप्टेज कचरा संबंधित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर ही डिस्चार्ज किया जाए। निगमायुक्त ने कहा कि सेप्टेज कचरे का इधर-उधर डालना नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा जारी आदेशों और हरियाणा नगर निगम अधिनियम-1994 के प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध है। इसके तहत दोषी टैंकर मालिक पर पहली बार पकड़े जाने पर 25 हजार रूपए का जुर्माना लगाया जाएगा तथा टैंकर को जब्त कर लिया जाएगा। यदि यह अवहेलना दूसरी बार पाई जाती है, तो जुर्माना राशि 50 हजार रूपए होगी तथा कारावास भी हो सकता है। उन्होंने नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि वे ऐसा करने वालों पर नजर रखें तथा इसकी सूचना हेल्पलाइन नंबर 1800-180-1817 पर दें।

सुरमनी अग्नि वर्मा ने छेड़ी सितार पर मधुर स्वरों की तान

गुरुग्राम। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के उत्सव बैसाखी के उपलक्ष्य में ओपन एयर थियेटर रंगभूमि में सितार वादन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगीत कला मर्मज्ञ मदन सोनी, नवकल्प फाउंडेशन की मीनाक्षी सक्सेना तथा कलाग्राम सोसाइटी के सहयोग से इस संगीत संध्या को आयोजित किया गया। जिसका अनेक कलाप्रेमियों ने लुत्फ उठाया।

बारिश से हुए खुशनुमा हुए माहौल में प्रोग्राम का आगाज नन्ही गायिका आध्या गौड़ ने सरस्वती वंदना से किया। उसके बाद दो बाल कलाकारों ने तबले की जुगलबंदी ने समा बांध दिया। कलाग्राम सोसाइटी की निदेशक शिखा अग्रवाल ने सोसाइटी का संक्षिप्त परिचय दिया। उसके बाद मशहूर सितार वादक सुरमनी अग्निवर्मा ने अपनी सितार के तारों को ऐसा छेड़ा कि श्रोता झूमने को मजबूर हो गये। सितार के मधुर तरानों की श्रोताओं ने जमकर प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में मोहनकांत, अनिल आर्य, मोहनीश लारोया, सुधांशु सुतार, नरोत्तम शर्मा, सुनील आर्य, हर्षवर्धन, वेद सैनी, यशवंत शेखावत, अनिल श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। इस खूबसूरत कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रोफेसर मीनाक्षी पांडे ने किया।

पुलिस और आईटीबीटी के जवानों ने सयुंक्त रूप से निकाला फ्लैग मार्च

सोहना। लोकसभा चुनाव में असामाजिक प्रवृत्ति के लोगों को सचेत करने के उद्देश्य से पुलिस और आईटीबीपी फार्स के जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च भोंडसी, सदर व शहर थाना क्षेत्र के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में सयुक्त रुप से निकाला। मार्च में पुलिस और आईटीबीपी के 500 जवान मौजूद रहे। सोमवार को पुलिस और आईटीबीपी के जवानों ने सयुक्त रुप से सोहना खंड में स्थित तीन पुलिस थाने भोंडसी, सदर व शहरी थाने सोहना के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। मार्च की शुरुआत भोंडसी थाने से की गई। भोंडसी थाना क्षेत्र में खेल गांव रिठौज, सहजावास, खेड़ला, दमदमा, दौला, हाजीपुर, खेड़ली लाला, बाईखेड़ा, हरचंदपुर, लाखूवास से होते हुए फ्लैग मार्च की टीम शहर में प्रवेश कर गई। शहर में अंबेडकर बाईपास चौक पर से बस स्टैंड मार्ग, चुंगी नंबर दो से अंदर बाजार में प्रवेश कर गई। शहर के शहीद भगत फव्वारा चौक से नगर परिषद कार्यालय, पुराना अलवर मार्ग से होते हुए अन्य बाजारों से फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च एसीपी सोहना विपिन अहलावत की अध्यक्षता में निकाला जिसमें भोंडसी समेत शहर और सदर थाना सोहना के प्रभारी अपनी- अपनी पूरी टीम के साथ रहे। शहरी क्षेत्र में जवानों ने पैदल चलकर फ्लैग मार्च निकाला।

नवरात्र के अवसर पर घर-घर में हुआ कन्या वंदन

कन्या वंदन कार्यक्रम में कन्या वंदन करते महिलाएं और बच्चे।

हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान ने किया भव्य आयोजन

गुरुग्राम। नवरात्र पर्व के अवसर पर हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान द्वारा कन्या वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 101 परिवारों द्वारा कन्या वंदन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लोगों पूर्ण सहयोग दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत यादव, विशिष्ट अतिथि रजनी खंगवाल, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख हिंदू आध्यात्मिक सेवा संस्थान डॉ. विष्णु शंकर ने शिरकत की। कार्यक्रम की मार्गदर्शक वीणा घोरी का आशा गगन गोयल ने विशेष आभार जताया। समाजसेवी आशा गगन गोयल ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से कन्याओं का वंदन किया जाता है। इसी उपलक्ष्य में यह कन्या वंदन किया गया। रोटी पानी बैंक संस्था के अध्यक्ष डॉ. चंद्र प्रकाश भारद्वाज व उनके सभी सहयोगी मिथिलेश शर्मा, लाज कक्कड़, अनीता, प्रभा का विशेष धन्यवाद किया गया। उन्होंने ने सभी कन्याओं एवं अभिभावकों की भोजन पानी की व्यवस्था की।

अपग्रैड का समाप्त वित्तीय वर्ष 2024 में एक साल में 55000 रोजगार दिलाने का शानदार रिकार्ड

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

एशिया की इंटिग्रेटेड लर्निंग स्किलिंग एवं वर्कफोर्स डेवलपमेंट कंपनी अपग्रैड ने गत समाप्त वित्तीय साल 2024 में 55000 वार्षिक प्लेसमेंट करके शानदार रिकार्ड बनाया। अपग्रैड के शिक्षार्थियों ने नई नौकरियों, करियर स्विच और पदोन्नति के माध्यम से लगभग 3000 राष्ट्रीय और वैश्विक कंपनियों में स्थान हासिल किया, जिनकी वार्षिक सीटीसी 4.5 एलपीए से लेकर अधिकतम 1.80 करोड़ रुपये तक रही।

मार्केटिंग, डेटा और टेक डोमेन में नियुक्ति सबसे ज्यादा हुई। लगभग 50 प्रतिशत शिक्षार्थियों को मुंबई, नई दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में नौकरी मिली, इसके बाद बाकी को पुणे, कोलकाता, हैदराबाद, नोएडा, गुड़गांव और अहमदाबाद में नौकरी मिली। कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु क्षेत्र भी टैलेंट अट्रैक्टिव मार्केट बने हुए हैं। महामारी के बाद की जॉब मार्केट में बदली सकरात्मक परिस्थितयों को देखते हुए महिला प्रोफेशनल्स को भी अपने कैरियर को मजबूत करने का अवसर मिला है। वे भी अपने स्किल्स को और मजबूत करके अथवा रिटर्नशिप प्रोग्राम्स में भाग लेकर बेतहरीन नौकरी प्राप्त कर सकती हैं। वर्ष के दौरान कुल रोजगार में लगभग दो-तिहाई भाग महिला प्रोफेशनल्स का था। सबसे दिलचस्प बात यह है, कि अपग्रैड ने जेनएआई, डेटा, एआई/एमएल और टेक्नोलॉजी में अपने फ्री कोर्सेस के लिए 1.4 लाख से अधिक नामांकन भी किये हैं, जो इंस्टैंट स्किल-अप्स के लिए भारतीय कंपनियों की निरंतर मांग को पूरा कर सकते हैं।

इस सफल प्लेसमेंट वर्ष पर टिप्पणी करते हुए, मयंक कुमार, सह-संस्थापक और एमडी, अपग्रैड ने कहा, हमने पाठ्यक्रमों, बूटकैंप और प्रमाणपत्रों के साथ एक मजबूत और एकीकृत शिक्षण सूट बनाया है, जो हमारे शिक्षार्थियों के लिए कैरियर को आगे बढ़ाने के लिए रिवर्स-इंजीनियर का काम करता है। फ्रेशर्स, पहली बार नौकरी चाहने वाले, मध्य-कैरियर और सीनियर प्रोफेशनल्स को नौकरियों पर वास्तविक समय में लाभ और व्यावहारिक कौशल हासिल करने के लिए कई हफ्तों के व्यापक प्रशिक्षण/सीखने से गुजरना पड़ता है। हमारी इन-हाउस क्षमताओं, वर्षों के तकनीकी निवेश, मजबूत विश्वविद्यालय रोस्टर और रणनीतिक व्यापार विलय के माध्यम से, हमने एक मास्टर शिक्षाशास्त्र विकसित किया है, जो अब स्केलेबल है और जल्द ही यह नए भौगोलिक क्षेत्रों में दिखने लगेगा। 2024 में, अपग्रैड की एंटरप्राइज शाखा ने लगभग 600,000 कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स को अपस्किल्ड और प्रशिक्षित किया। ऑर्गेनाइजेशंस को यह रेडी टैलेंड मिला। एक साल में अपग्रैड ने फॉर्च्यून 500 कंपनियों सहित एक वर्ष में 1000 से अधिक मध्यम और बड़े आकार के ग्राहकों को अपनी सेवा प्रदान की, इसके कारण ही भारत आज सबसे बड़ा इंटिग्रेटेड लर्निंग और स्किलिंग प्रमुख बन कर उभरा है। कुमार ने कहा, कॉरपोरेट्स आज लागत-प्रभावी कर्मचारी-पेरोल मॉडल की तलाश में हैं। ऐसे में मौजूदा टैलेंट अपस्किलिंग के कारण कंपनियों के कर्मचारियों को बहाल रखने में मदद मिली है।

जितना बड़ा सेटबैक उससे बड़ा होगा बाउंस बैक : गोविन्द भादू

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उद्यमिता की गतिशील दुनिया में, असफलताएँ आना लाजमी हैं। चाहे वह कोई उत्पाद लॉन्च हो जो फ्लॉप हो गया हो, कोई मार्केटिंग अभियान हो जो लक्ष्य से चूक गया हो, या अप्रत्याशित वित्तीय बाधाएं हों, हर व्यवसाय को चुनौतियों का सामना करना ही पड़ता है। सुप्रसिद्ध बिजनेस कोच एवं स्वयं मल्टीप्ल बिजनेस के सफल एंट्रप्रेन्योर, गोविन्द भादू बताते हैं, कि एंट्रप्रेन्योरस को यह समझना बहुत जरूरी है, कि असफलताएँ आपकी कंपनी को परिभाषित नहीं करती बल्कि मायने यह रखता है, कि आप उन असफलताओं को कैसे देखते हैं और उस पर पलटवार एक्शन क्या लेते हैं।

1. मूल कारण ढूंढने की कोशिश करें : जब प्रतिकूल परिस्थिति आती है, तो सफल उद्यमी असफलता से नहीं कतराते। इसके बजाय, मूल में जो कारण हैं। उनको ढूंढने की कोशिश करते हैं। अपनी टीम को इकट्ठा करें, पूर्वव्यापी विश्लेषण करें और सभी को अपनी विफलताओं को खुलकर साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें। ऐसा करके, आप सीखने और विकास की संस्कृति का निर्माण करते हैं।

2. असफलता के प्रभाव को रोकें : असफलता के प्रभाव को रोकें, प्रतिबिंबित करें और विश्लेषण करें। क्या गलत हो गया। क्या यह एक त्रुटिपूर्ण रणनीति, खराब क्रियान्वयन, या बाहरी कारक आपके नियंत्रण से बाहर थे। मूल कारण की पहचान करना महत्वपूर्ण है। एक बार जब आप इसे समझ जाते हैं, तो आप चुनौतियों को विकास के अवसरों में बदल सकते हैं।

3. दोतरफा दृष्टिकोण अपनाएं : डेटा विश्लेषण और व्यक्तिगत मूल्यांकन। अपनी कंपनी के मेट्रिक्स में गहराई से उतरें। उन क्षेत्रों की पहचान करें जहां संसाधनों से कम रिटर्न मिलता है और उन्हें पुन: आवंटित करने के बारे में सोच-समझकर निर्णय लें।साथ ही, खराब प्रदर्शन करने वाले मेट्रिक्स से जुड़े टीम के सदस्यों का मूल्यांकन करें। क्या यह प्रशिक्षण का मुद्दा है या प्रदर्शन का अंतर है। मूल कारण को संबोधित करें और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा दें। यह दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है, कि आपका व्यवसाय फिर से पटरी पर लौट आए।

4. आशावादी सोच होती है सबसे बड़ी ताकत : आशावादी सोच एक इंटरप्रेन्योर की सबसे बड़ी ताकत होती है। स्वीकार करें कि असफलताएँ उद्यमशीलता की यात्रा का हिस्सा हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखकर आप किसी भी बाधा को पार कर सकते हैं। चुनौतियों को विकास के अवसर के रूप में स्वीकार करें और आगे बढ़ते रहें!

5. कुछ देर रुकने के लिए रुकें : व्यवसाय चलाने की आपाधापी में, रूकें और विचार करें। असफलताएँ भावनात्मक रूप से थका देने वाली हो सकती हैं, लेकिन एक कदम पीछे हटने से आपको सही दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है। इस समय का उपयोग पुनर्गणना करने, अपने लक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन करने और अपनी रणनीति को समायोजित करने के लिए करें।

खेती की जमीन का बढ़ता बाजार मूल्य दे रहा है निवेश के आकर्षक अवसर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विजय चौधरी, चेयरमैन, राम रतन ग्रुप डालमिया राम रतन

जैसे-जैसे देश विकास कर रहा है, यहाँ बढ़ती आबादी के साथ जमीन का भी विकास होता जा रहा है। प्रगति की इस दौड़ में युवा पीढ़ी के बीच खेती की जमीन में निवेश की मांग बढ़ रही है। जो लोग लंबे समय तक सुरक्षित निवेश करके सुकून से जीवन जीना चाहते हैं, उन्हें खेती की जमीन में लाभ के आकर्षक अवसर मिल रहे हैं। द मोटले फूल की एक रिपोर्ट के अनुसार शेयर बाज़ार में निवेशक 10 प्रतिशत के रिटर्न को एक अच्छा रिटर्न मानते हैं! वहीं नोब्रोकर.इन के मुताबिक खेती की जमीन औसतन 10 से 12 प्रतिशत का रिटर्न प्रदान करती है। खेती की जमीन का मूल्य धीरे-धीरे समय के साथ बढ़ता है। इसलिए इसमें निवेश के लिए लंबे समय तक धैर्य रखने की जरूरत होती है। खेती की जमीन मुख्यत: एक भविष्य की परिसंपत्ति है। पर कभी-कभी बाजार सकारात्मक होने पर थोड़े समय में भी अच्छा रिटर्न मिल सकता है। इसलिए निवेश से पहले कम समय में होने वाले मुनाफे और लंबे समय में मिलने वाले लाभ के बीच तालमेल बनाना जरूरी है। खेती की जमीन से थोड़े समय में मिलने वाला मुनाफा उसे किराए पर देकर आने वाले कैश-फ्लो और फसल के उत्पादन से प्राप्त होता है। लंबे समय में खेती की जमीन का मूल्य अनेक कारणों से लगातार स्थिर रूप से बढ़ता है। साथ ही बढ़ती आबादी को बसाने के लिए कम होती जमीन के कारण मूल्यों की यह वृद्धि जारी रहने वाली है। इसलिए बढ़ती हुई महंगाई से बेहतर रिटर्न पाने के लिए यह समय बहुत अच्छा है। गौरतलब है, कि खेती की जमीन बेचकर मिलने वाली आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है। लेकिन इसका सबसे ज्यादा लाभ तब मिलता है, जब जमीन उस इलाके में हो, जहाँ कई बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं पाइपलाइन में हों। क्षेत्र में तेजी से बढ़ती आबादी, बुनियादी ढांचे के विकास और विकसित होती अर्थव्यवस्था के साथ ऊँचे रिटर्न की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं।

आर्टेमिस हॉस्पिटल ने रेयर चाइल्डहुड हिप जॉइंट कंडीशन पर की चर्चा, जल्दी जांच और इलाज पर दिया जोर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हेल्थकेयर इनोवेशन के क्षेत्र में अग्रणी आर्टेमिस हॉस्पिटल ने बच्चों में होने वाली रेयर हिप जॉइंट कंडीशन स्लिप कैपिटल फिमोरल एपिफिसिस (एससीएफई) पर जागरूकता के लिए पहल की है। 10 से 12 साल के बच्चे इससे प्रभावित होते हैं। इसके बढ़ते मामलों को देखते हुए आर्टेमिस हॉस्पिटल ने मेडिकल प्रोफेशनल्स और सामान्य जन को इसकी जल्दी जांच और प्रभावी इलाज के विकल्पों के प्रति जागरूक करने का बीड़ा उठाया है।

इस समस्या के कारण बच्चों के चलने-फिरने की क्षमता और जीवन की गुणवत्ता पर व्यापक दुष्प्रभाव पड़ता है। अगर इलाज न हो तो इससे हाथों-पैरों में गंभीर असंतुन, चलने में परेशानी और जोड़ों के पूरी तरह खराब होने का खतरा रहता है। हालांकि समय पर जांच कर ली जाए तो आर्टेमिस हॉस्पिटल के एडवांस्ड एवं सुरक्षित सर्जिकल डिसलोकेशन ट्रीटमेंट से बच्चों को इस खतरे से बचाया जा सकता है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक्स एंड स्पाइन सर्जरी डॉ. संजय सरूप ने इस समस्या की जल्दी जांच पर जोर देते हुए कहा, 'बच्चों में लंगड़ाकर चलने के लक्षण को पहचानने की जरूरत है, खासकर मोटापे के शिकार और विटामिन डी की कमी वाले बच्चों में यह बहुत महत्वपूर्ण है। सही समय पर कंसल्टेशन से इस समस्या को उस स्टेज तक पहुंचने से रोका जा सकता है, जहां बड़ी सर्जरी करनी पड़ती है।

इस समस्या को दूर करने की दिशा में आर्टेमिस हॉस्पिटल का समर्पण इसके अनुभव से जुड़ा है। यह उत्तर भारत का पहला हॉस्पिटल है, जिसने एससीएफई के मैनेजमेंट के लिए नई एडवांस्ड तकनीक अपनाई है। अभी सालाना 40 से 50 बच्चों का इलाज किया जाता है। अस्पताल का लक्ष्य दिल्ली एनसीआर, पंजाब, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के डॉक्टरों एवं अन्य लोगों के बीच इस बीमारी को लेकर जागरूकता फैलाना है। डॉ. संजय ने जोर देकर कहा, बचाव ही उपाय है। शारीरिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करना, मोटापे को नियंत्रित करना और पोषण की कमियों को दूर करना इस बीमारी के खतरे को कम कर सकता है।

इस बीमारी के इलाज पर आने वाला खर्च लक्षण की गंभीरता पर निर्भर करता है। छोटी सर्जरी की स्थिति में 70 से 80 हजार रुपये का खर्च आता है, जबकि बड़ी सर्जरी की स्थिति में दो से 2.5 लाख रुपये तक का खर्च आता है। खतरे को कम करने के लिए आर्टेमिस हॉस्पिटल का पीडियाट्रिक ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट पूरी देखभाल सुनिश्चित करता है।

यज्ञ से प्रारंभ हुआ विश्वकर्मा स्किल स्कूल का सत्र

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में मनाया गया मेडिकल लैब टेक्नोलोजिस्ट डे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के नए सत्र का शुभारंभ वैदिक यज्ञ के साथ हुआ। मंत्रोच्चारण के साथ विद्यार्थियों के लिए मंगलकामना की गई। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने मुख्य यजमान के रूप में हवन में आहुति डाली और विद्यार्थियों के सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में शिक्षा और अनुशासन दोनों बहुत जरूरी हैं। विद्यार्थियों को लक्ष्य केंद्रित कर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि यह स्कूल देश का पहला अपनी श्रेणी का इनोवेटिव स्कूल है।

विद्यार्थियों को इस नवाचारी वातावरण का लाभ मिलेगा। प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए अत्याधुनिक लैब बनाई गई हैं। उन्हें लैब का सदुपयोग करना चाहिए। स्कूल के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्होंने प्राचार्य डॉ. जलबीर सिंह को बधाई दी। प्राचार्य डॉ. जलबीर सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को नवाचारी वातावरण प्रदान कर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना हमारा लक्ष्य है।

दूसरी तरफ श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में सोमवार को मेडिकल लैब टेकनोलोजिस्ट डे मनाया गया। जेनेटिक्स इन मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी विषय पर व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने एमएलटी के शिक्षकों और विद्यार्थियों को शोध के क्षेत्र में नया करने के लिए प्रेरित किया। श्री सत्य साईं संजीवनी इंटरनेशनल सेंटर फॉर चाइल्ड हार्ट की ओर से डॉ. प्राची ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और विद्यार्थियों को इस क्षेत्र के नए आयामों से रूबरू करवाया। अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आरएस राठौड़ ने कहा कि मेडिकल लैब प्रोफेशनल मेडिकल साइंस के रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करते हैं। उनकी सहायता के बिना इलाज संभव नहीं है। डॉ. मोहित श्रीवास्तव ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रोफेसर डीके गंजू, डॉ. संतोष यादव आदि मौजूद थे।

निजी बसों के साथ अवैध तिपहिया, कैब, ईको में भी बच्चों को ढोह रहे चालक

हादसे के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, बसों तक सीमित अभियान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में बसों के अलावा अवैध वाहन, ईको, कैब और तिपहिया तक स्कूली बच्चों को ढोह रहे हैं। इन वाहनों में बच्चों को ठूंस-ठूंसकर भरा जाता है। क्षमता से अधिक बच्चों को इन वाहनों में भरकर चलाया जाता है, लेकिन न तो इस तरफ आरटीए कार्रवाई करता है और न ही पुलिस प्रशासन। यही कारण है कि स्कूलों की बसों व वाहनों की दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पहले भी जिले में कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन उसके बावजूद पुलिस-प्रशासन नहीं जागा है। वहीं अधिकांश स्कूल बसों में खिड़कियां टूटी पड़ी हैं। बसों के अंदर बैठे बच्चों को गर्मी हो, सर्दी हो या फिर बारिश सब कुछ झेलनी पड़ती है। आज तक स्कूल संचालकों द्वारा बसों को दुरुस्त कराने की तरफ भी ध्यान नहीं दिया है। कई बार आरटीए द्वारा स्कूल संचालकों को नोटिस भी दिए गए हैं, लेकिन उसके बावजूद नियमों का पालन नहीं हो रहा है। इतना ही नहीं अधिकांश बसों के टायर भी खराब हैं और इंश्योरेंस तक खत्म हुए पड़े हैं।

ये हो चुकी हैं स्कूली बच्चों व वाहनों की दुर्घटनाएं

फरवरी 2023 में पलवल के होशंगाबाद के पास एक स्कूली बस द्वारा तिपहिया को टक्कर मारने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, जिले में एक अन्य स्थान पर स्कूली बस की टक्कर से एक बच्चे की मौत हो गई थी। उधर 11 अप्रैल को एक स्कूली बस में अचानक आग लग गई थी। जिसमें बच्चे बड़ी मुश्किल से बचे थे। इनके अलावा भी जिले में कई बार स्कूली वाहनों से दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। जब भी कोई दुर्घटना होती है तो कुछ समय तक ही प्रशासन द्वारा खानापूर्ति की जाती है। 10 साल होने के कारण स्कूल संचालक न तो रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं और न ही उनका इंश्योरेंस। इनमें अन्य सुविधाएं भी नहीं हैं। आरटीए को इन सबकी जानकारी है, लेकिन कार्रवाई नहीं होती। आरटीए ने स्कूली बसों में नियम पूरे करने के लिए जहां स्कूल संचालकों को नोटिस देने शुरू किए हैं, वहीं पुलिस विभाग ने सड़कों पर खड़े होकर नियम ताक पर रख बच्चों को ले जा रहे वाहनों के चालान करने शुरू कर दिए हैं। यातायात पुलिस विभाग ने 50 वाहनों के चालान किए। एक वाहन में 17 बच्चे भरे होने के चलते पुलिस ने

बच्चों को गाड़ी से बाहर निकलवाकर उसे बंद कर दिया तथा बच्चों के परिजनों को सूचना भेजकर बच्चों को उनके साथ भिजवाया। यातायात नियमों का उल्लंघन कर स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहनों के चालान किए गए। ऐसे करीब 50 वाहनों के चालान किए गए हैं। उन्हें चेतावनी देकर छोड़ा गया है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन वाहनों को बंद भी किया जाएगा। स्कूल संचालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी, ताकि बच्चों की जान खतरे में न डाली जाए। लोगों का कहना है कि सभी वाहनों की नियमिति चेकिंग होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मानव सेवा समिति ने लगाया हेल्थ चेकअप व योग कैंप

फरीदाबाद। सर्वोदय अस्पताल सेक्टर-8 के सहयोग से मानव सेवा समिति ने आदर्श पार्क सेक्टर-9 में सुबह एक हेल्थ चेकअप कैंप आयोजित किया। जिसमें 61 लोगों के कोलेस्ट्रॉल, थायराइड, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर की निशुल्क जांच की गई। इस अवसर पर वी-2 जिम जोन सेक्टर-10 की ट्रेनर छवि ने बच्चों, युवाओं, महिलाओं व बुजुर्गों को जुंबा सेशन के साथ योग कसरत व व्यायाम कराया। सर्वोदय अस्पताल के कोऑर्डिनेटर विवेक शर्मा, योगेश ने कहा कि सुबह के समय पार्क में सैर करने वाले लोगों के लिए सर्वोदय अस्पताल द्वारा ऐसे कैंप आयोजित किये जा रहे हैं। कैंप के सफल आयोजन में आदर्श सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष एके हांडा, महासचिव एसपी रहेजा, एमएल चावला एके शर्मा, डीपी शर्मा, बीपी शर्मा,प रमेश्वरी कासवान, खेमचंद गर्ग ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर अध्यक्ष कैलाश शर्मा, चेयरमैन प्रोजेक्ट संजीव शर्मा मौजूद रहे।

किसान कर्ज में डूबकर धक्के खाने को मजबूर : मनधीर सिंह मान

फरीदाबाद। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनधीर सिंह मान लगातार लोगों से जनसंपर्क साध रहे है। इसी कड़ी में आज मनधीर सिंह मान ने फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र की मंडियों का दौरा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने किसानों से भी उनका हाल-चाल जाना। गांव दीघौट की मंडी में हजारों कुंतल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ देख मान ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की व्यवस्था किसान की कहानी बयां कर रही है। मनधीर सिंह मान ने कहा है कि बीजेपी किसान और जवान की बात करती है, लेकिन आज प्रशासन के पास गोदाम तक उपलब्ध नहीं है। वहीं मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार कभी भी बरसात या ओले पड़ सकते हैं, जिससे अन्नदाता के अरमानों पर पानी फिर सकता है। 72 घंटे में किसानों के अनाज का पैसा देने का दावा करने वाली सरकार के दावे खोखले नजर आ रहे हैं। 10 दिन पहले खरीदे गए गेहूं के पैसे अभी तक किसानों के खाते में नहीं पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि किसान पूरे साल खेत में मेहनत करके पीला सोना उगाता है, ताकि लोगों के पेट की आग बुझाई जा सके और साल भर इस बात को लेकर भी इंतजार करता है कि जब उसकी फसल बिकेगी तो वह अपने बच्चों की शादी और बच्चों की फीस भी जमा कर पाएगा, लेकिन कमाल की बात है कि जो सरकार लगातार किसानों के भले का दावा करती है उस सरकार में किसान धक्के खाने को मजबूर हैं। इस सरकार ने किसान को कर्जदार बना दिया है।

फसल अवशेष जलाने पर लगाया पूरी तरह प्रतिबंध : नेहा सिंह

पलवल। जिलाधीश नेहा सिंह ने जिला क्षेत्र में गेहूं व अन्य फसलों की कटाई के दृष्टिगत भारतीय दंड प्रक्रिया नियमावली 1973 की धारा-144 के अंतर्गत आदेश पारित किए हैं। उन्होंने बताया कि जिला में गेहूं व अन्य फसलों की कटाई का कार्य प्रारंभ हो चुका है, कई किसान कटाई के बाद फसल अवशेष अथवा पराली को जला देते हैं, जिससे उत्पन्न धुआं आसमान में चारों ओर फैल जाता है, जोकि वातावरण को प्रदूषित करने के साथ-साथ सभी प्राणीमात्र के स्वास्थ पर भी बहुत बुरा प्रभाव डालता है। इस प्रकार की घटनाओं के कारण सम्पत्ति तथा मानव जीवन को नुकसान होने की संभावना रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए जिलाधीश नेहा सिंह ने जिला में फसल अवशेष जलाने पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। फसल की कटाई के बाद शेष बचे फसल अवशेषों को जलाने से जिला में पशुओं के चारे की कमी होने की संभावना बनी रहती है तथा इन अवशेषों को जलाने से भूमि के मित्र कीट भी मर जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरक भूमि की उर्वरक शक्ति कम होने से फसल की पैदावार पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल नई दिल्ली द्वारा भी फसलों के अवशेष को जलाने पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए गए हैं, जिसके अंतर्गत जुर्माने का भी प्रावधान है। इन आदेशों की अवहेलना करने पर दोषी व्यक्ति के विरूद्ध आईपीसी की धार 188 संपठित वायु प्रदूषण बचाव एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पल्ला पुल के समीप आग से कई दुकानें जलीं

फरीदाबाद। फरीदाबाद स्थित पल्ला पुल के समीप दुकानों में भयंकर आग लग गई। घटना सोमवार सुबह की है। आग की सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। साथ ही आग की सूचना पुलिस को भी दी गई। जानकारी अनुसार सोमवार सुबह जब लोग पल्ला पुल के समीप से गुजर रहे थे तो उनको दुकान से धुआं उठते हुए देखा। कुछ देर बाद ही आग भड़क गई और आसपास की दुकानों को भी चपेट में ले लिया। इससे चारों तरफ अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया।

केसीएम स्कूल बंचारी में धूमधाम से मनाया बैसाखी पर्व

पलवल। बंचारी स्थित केसीएम पब्लिक स्कूल में बैसाखी का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से दो तक के छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या संघमित्रा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यालय के प्रबंधक देवदत्त भारद्वाज ने अपने विचार प्रस्तुत कर नन्हें बच्चों को इस कार्यक्रम की प्रस्तुति करने की अनुमति प्रदान की। इसमें कक्षा दो के छात्रों को पेपर द्वारा पतंग बनवाई गई व कक्षा एक के छात्रों को पेपर कटिंग

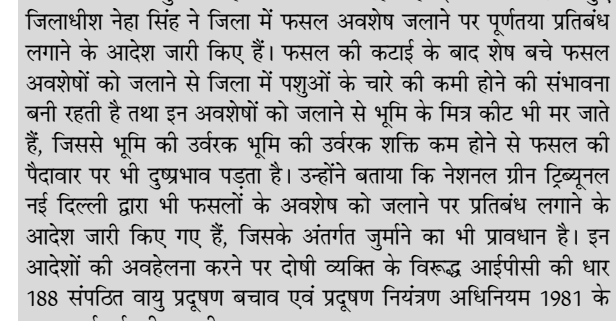

करवाकर मकई बनवाई गई और कक्षा यू केजी के छात्रों को ढोल में बैसाखी से संबंधित हरे-पीले रंग भरवाने के बाद उसे रिबन से सजाया गया। वहीं कक्षा एलकेजी के छात्रों को गेहूं की बाली के प्रयोग से पेपर पर शिल्प कार्य करवाकर इस कार्यक्रम को संपूर्ण किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या संघमित्रा ने कार्यक्रम की सफलता की बधाई देते हुए बैसाखी की शुभकामनाएं दीं तथा सभी छात्रों को इसी तरह कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन संयोजिका सविता वर्मा के नेतृत्व में किया गया।

बेटे के कुआं पूजन पर पिता की करंट से मौत

12 साल बाद बेटा होने की खुशी में प्रोग्राम, खेत में गेहूं कटवाते हुए लगा करंट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एक व्यक्ति की 11 हजार वोल्टेज वाली लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, उसका बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान इनके घर पर खुशियों का माहौल था। इनके यहां करीब 12 साल बाद एक बेटे ने जन्म लिया था। इसी उपलक्ष्य में घर पर कुआं पूजन का कार्यक्रम रखा गया था। इस घटना के बाद खुशियों को गम में बदलने में देर न लगी। खुशी के कार्यक्रम में शामिल होने आए रिश्तेदारों को भी मातम मनाना पड़ गया। वहीं, लोगों का आरोप यह भी है कि यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही के कारण हुआ है।

घटना फरीदाबाद के महावतपुर गांव की है। ग्रामीणों के अनुसार, किसान सुरेंद्र उर्फ लीलू (42) और उनके बड़े भाई वेदराम (62) खेतों में कंपास मशीन से गेहूं कटवा रहे थे। इसी दौरान खेतों के ऊपर से गुजर रही

बिजली की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर उन्हें जोरदार करंट लगा।

इससे सुरेंद्र और वेदराम बुरी तरह झुलस गए। मौके पर मौजूद लोग फौरन उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने सुरेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं, वेदराम की हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना की जानकारी लोगों ने सुरेंद्र के घर पर तुरंत नहीं दी थी। वे सुरेंद्र और वेदराम को लेकर सीधे अस्पताल पहुंच गए थे। क्योंकि, सुरेंद्र के घर पर कुआं पूजन कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। लोग नहीं चाहते थे कि खुशी के माहौल में खलल पड़े।

इसके बाद भी घर पर थोड़ी देरी से पता चल गया और रोना-बिलखना शुरू हो गया। इसके बाद कुआं पूजन का कार्यक्रम भी नहीं हो सका। नरेंद्र ने बताया कि उनके भाई सुरेंद्र के 3 बेटियां हैं। करीब 12 साल के बाद लगभग 2 महीने पहले उसके यहां चौथी संतान बेटा पैदा हुई। उसी का आज सोमवार को कुआं पूजन रखा था। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दूरदराज के रिश्तेदारों को भी बुलाया था। वहीं, छोटे भाई रविंद्र ने बताया कि इस खुशी के माहौल में शामिल होने के लिए सुरेंद्र ने रिश्तेदारों को खुद न्योता दिया था। लेकिन, वे उनसे मिल भी नहीं पाए। यह हादसा बिजली निगम की लापरवाही से हुआ है। इसके जिम्मेदार अफसरों पर केस दर्ज होना चाहिए।

दरअसल, स्थानीय लोगों का कहना है उनके खेतों में हाईटेंशन लाइन के तार बहुत नीचे हैं। इन्हें ऊपर करने के लिए विभाग के अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई गई है, लेकिन सुनवाई नहीं होती। पिछले साल जून में तो लिखित में भी शिकायत दी गई। इसके बाद अधिकारियों ने लाइन ठीक करने का आश्वासन दिया था, लेकिन कार्रवाई कुछ नहीं हुई। अब स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों पर हत्या की एफआईर दर्ज की जाए। इसके बाद पीड़ित परिवार ने चौकी में जाकर बिजली विभाग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

मैरिंगोएशिया हॉस्पिटल्स ने काइफोस्कोलियोसिस की शुरूआत में डायग्नोसिस और उपचार के बारे में जागरूकता फैलाने की मुहिम शुरू की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मारेंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद को रीढ़ की हड्डी से संबंधित काइफोस्कोलियोसिस नामक एकगंभीर बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपने सहयोग और प्रतिबद्धता की घोषणाकरते हुए गौरव का अनुभव हो रहा है। दुनिया भर में लाखों लोग रीढ़ की हड्डी से संबंधितइस बीमारी की चपेट में आ चुके हैं, जिसे देखते हुए ब्रेन एंड स्पाइन सर्जरी विभाग मेंडॉक्टरों की टीम ने इस बीमारी से पीड़ित लोगों को सही जानकारी देने, उनकी हिमायत करने और सहायता उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। इस टीम की कमान डॉ. तरूण शर्मा, डायरेक्टरएवं एचओडी, के हाथों में है, जिसमें उन्हें डॉ. सचिन गोयल, सीनियर कन्सलटेंट, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल, फरीदाबाद का सहयोग प्राप्त है।

डॉ. तरूण शर्मा, डायरेक्टर एवं एचओडी, न्यूरोसर्जरी विभाग, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स फरीदाबाद, कहते हैं, हम काइफोस्कोलियोसिस से पीड़ित लोगों के लिए शुरूआत में डायग्नोसिस, चिकित्सा सुविधाओंकी उपलब्धता और उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए इसके बारे में जागरूकता फैलाने की अहमियत को अच्छी तरह समझते हैं। लोगों को जानकारी देने के लिए पहलों की शुरूआत, सामुदायिक संपर्क कार्यक्रमों और चिकित्सा कर्मियों के साथ सहयोग के जरिये, हम काइफोस्कोलियोसिससे पीड़ित मरीजों और उनकी देखभाल करने वालों को जानकारी एवं सहायता के साथ सक्षम बनानाचाहते हैं। हम इस बीमारी से पीड़ित लोगों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालने और उनकी तंदुरूस्ती को बेहतर बनाने के अपने इरादे पर अटल हैं। डॉ. सचिन गोयल, सीनियर कन्सलटेंट, न्यूरोसर्जरी विभाग, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल, फरीदाबाद कहते हैं, हम सभी को अपने आस-पास के लोगों में इस तरह के लक्षणों के बारे में जानकारी साझा करके काइफोस्कोलियोसिस जागरूकता कार्यक्रम में अपना सहयोग देने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि इसदिशा में उठाया गया हर कदम काइफोस्कोलियोसिस से पीड़ित लोगों की जिंदगी में बदलावला सकता है। काइफोस्कोलियोसिस कई वजहों से हो सकता है, जिसमें जन्मजात रोग, न्यूरोमस्कुलर रोग, रीढ़ की हड्डी में चोटें, अथवा हड्डी यामांसपेशियों के विकास पर बुरा असर डालने वाली कुछ बीमारियां शामिल हैं। इसके इलाज केविकल्प कर्वेचर की गंभीरता पर निर्भर करते हैं, जिसमें फिजिकल थेरेपी, ब्रेसिंग यासर्जरी (अधिक गंभीर मामलों में) शामिल हो सकते हैं। काइफोस्कोलियोसिस के लक्षणों कोदूर करने और इससे जुड़ी जटिलताओं को रोकने के लिए शुरूआत में डायग्नोसिस करना और हालातको संभालना काफी मायने रखता है। काइफोस्कोलियोसिस एक गंभीर बीमारी है।

जनकल्याण युवा टीम ने मनाई अंबेडकर जयंती

पलवल। जनकल्याण युवा टीम ग्राम खजूरका में अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस मौके पर टेकचंद शर्मा, अमित शर्मा युवा समाजसेवी, रोहताश सरपंच, मुकेश ठेकेदार, हसन भाई, खंदावली से तुषार मंगला, मंगल ट्यूब के मालिक, रोहित कौशिक, ग्राम खजुरका की सरदार मौजूद थे। मौके पर भंडारे का आयोजन एवं रागनियों का प्रोग्राम किया गया 14 अप्रैल को इतने प्यार और धूमधाम से मनाने पर अमित शर्मा ने पूरी टीम की तरफ से धन्यवाद करता किया।

मोदी की हैट्रिक में फरीदाबाद की हो अहम भूमिका : नायब सैनी

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा द्वारा आयोजित रैली में पहुंचे मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बडख़ल की धरती से हरियाणा में विजय की हुंकार भरते हुए लोगों से आह्वान किया कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में फरीदाबाद की भी हाजरी बढनी चाहिए। 2019 के चुनाव में फरीदाबाद देश में तीसरे नंबर पर था और अब 2024 में फरीदाबाद देश में पहले नंबर पर होना चाहिए। उन्होंने रैली में उमड़ी भारी भीड़ से गदगद रैली के आयोजक एवं हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा की खुलकर तारीफ करते हुए कहा रैली में मौजूद लोगों के चेहरों पर झलकता जोश इस बात का संकेत है कि इस बार बडख़ल पहले से भी ज्यादा वोटों से जीत दिलाएगा। उन्होंने लोगों से चुनाव के प्रचार और प्रसार में जुट जाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री सैनी देर शाम बड़खल विधानसभा के बौद्ध विहार पार्क में आयोजित विजय संकल्प रैली को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। यूं तो रैली के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल थे लेकिन स्वयं मनोहरलाल के बुलावे पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी रैली में शिरकत करने पहुंच गए। जिससे क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मंच पर रैली आयोजक शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा के संयोजन में बडख़ल क्षेत्र की जनता की ओर से जहां शक्ति रूपक तलवार भेंट की गई वहीं स्मृति चिन्ह के रूप में भगवान

हनुमान की प्रतिमा भी भेंट की गई।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए एक करोड़ लखपति दीदी बनाने का काम किया है और आने वाले समय में लखपति दीदी की संख्या तीन करोड़ से ज्यादा होगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने वाली कांग्रेस ने कभी भी महिलाओं के उत्थान के लिए कदम नहीं उठाया, लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार महिलाओं की देश के विकास में भागीदारी हो इसके लिए नारी शक्ति वंदन बिल लेकर आई और महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का अधिकार मोदी सरकार ने दिया है। इसी का परिणाम है कि आज आपकी विधायक सीमा त्रिखा भी शिक्षा मंत्री के रूप में मौजूद है।

रैली को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने भावुक अंदाज में बड़खल क्षेत्र से अपना रिश्ता कुछ इस तरह से बयां किया। उन्होंने कहा कि मैं आज यहां पूर्व मुख्यमंत्री की हैसियत से नहीं, बल्कि अपने परिवार के बीच में आया हूं क्योंकि जब से मैं मुख्यमंत्री बना तब से मैंने करनाल और अपनी बहन सीमा त्रिखा के क्षेत्र बड़खल में कोई फर्क नहीं समझा। उन्होंने जब-जब भी मुझसे बड़खल क्षेत्र के लिए कुछ मांगा मैंने उससे सवाया करके दिया। इसी का परिणाम है कि आज बड़खल विकास की नई गाथा लिख रहा है। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास न नेता है, न नीयत है और वह परिवाद और भ्रष्टाचार में फंसे पड़े हैं। यही कारण है कि आज कांग्रेस के बड़े नेता हरियाणा में लोकसभा चुनाव न लड़ने के लिए एक-दूसरे पर पल्ला झाड़ रहे हैं।

भाजपा का घोषणापत्र

विकास का वादा

भाजपा के लोकसभा चुनाव घोषणापत्र में 'ज्ञान' एवं विकास पर जोर दिया गया है। सत्तारूढ़ भाजपा ने लंबी प्रतीक्षा के बाद लोकसभा चुनाव के लिए अपना 'संकल्प पत्र' जारी कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ज्ञान'-गरीब, युवा, अन्नदाता एवं नारी शक्ति के कल्याण के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता प्रकट की। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में यह घोषणापत्र प्रस्तुत किया। मोदी ने रेखांकित किया कि इसका उद्देश्य 'विकसित भारत' अवधारणा पर केन्द्रित प्रमुख क्षेत्र हैं जिनमें युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा आर्थिक रूप से वंचित वर्गों का सशक्तीकरण शामिल है। उन्होंने सभी नागरिकों के लिए गरिमा व जीवन की गुणवत्ता के महत्व पर जोर देते हुए ऐसी पहलों का वादा किया जिनमें प्रत्येक परिवार को पाइप से गैस पहुंचाने तथा सोलर पावर के माध्यम से मुफ्त बिजली शामिल हैं। इस घोषणापत्र में केन्द्र की मुफ्त राशन योजना का विस्तार करने तथा आवश्यक खाद्य पदार्थों, जैसे दालों, खाद्य तेलों और सब्जियों के मामले में आत्मनिर्भरता व उनके मूल्य स्थिर कर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल है। इसके साथ ही इसमें 'आयुष्मान भारत' तथा 'पीएम आवास योजना' जैसी योजनाओं का विस्तार कर हर घर को स्वच्छ पेयजल की सप्लाई सुनिश्चित करना है। कृषि क्षेत्र में भाजपा ने किसानों को 6,000 रुपये की वार्षिक वित्तीय सहायता जारी रखने, तकनीक के माध्यम से फसल बीमा का दायरा बढ़ाने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्यों में समय-समय पर वृद्धि का वादा किया है। इसमें 'समान नागरिक संहिता', 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पहल, 5जी नेटवर्क का विस्तार, राष्ट्रीय सुरक्षा बढ़ाना तथा ट्रेन यात्रा की प्रतीक्षा सूची समाप्त करना भी शामिल है।

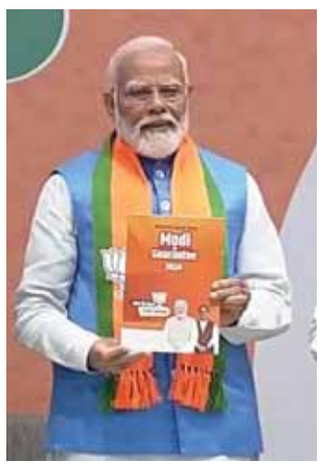

भाजपा के घोषणापत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा, ढांचागत विकास तथा सांस्कृतिक मुद्दों को संबोधित करते हुए जाति-आधारित राजनीति अथवा सत्ता तक पहुंचने के लिए 'खैरातें' बांटने को पूर्णत: अनदेखा किया गया है। इस प्रकार भाजपा का 'संकल्प पत्र' अपने प्रति दृढ़ आत्मविश्वास का परिचायक है। नड्डा ने भाजपा का चुनावी नारा बन चुके 'मोदी की गारंटी' में समाहित सभी वादों को पूरा करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। भाजपा अपनी स्थापना के समय से ही अपने लक्ष्यों पर आगे बढ़ती रही है। इनमें अयोध्या में भव्य राम मंदिर तथा जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही समान नागरिक संहिता भी शामिल थी। पहले दो वादे पूरे होने के बाद उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता लागू की है। अब भाजपा ने इसे पूरे देश में लागू करने का वादा कर अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट कर दी है। पिछले दस साल में देश की अर्थव्यवस्था को दसवें स्थान से पांचवें स्थान पर लाने में सफल भाजपा 2047 तक विकसित भारत के लिए संकल्पबद्ध है और उसका चुनाव घोषणापत्र इसी दिशा में एक कदम है। भाजपा ने देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कदम उठाए हैं। इसके साथ ही अब भारत हथियार निर्यातक देश के रूप में उभर रहा है। इसके एकदम उलट 'इंडिया' गठबंधन में शामिल माकपा ने सत्ता में आने पर देश के सभी आणविक आयुध नष्ट करने का वादा किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने येन-केन-प्रकारेण सत्ता तक पहुंचने के लिए षडयंत्र करने वाले विपक्षी दलों के इन 'खतरनाक' इरादों से जनता को सतर्क किया है। उम्मीद है कि जनता मतदान करते समय भाजपा के संकल्प पत्र को समुचित महत्व देगी।

बंगाल में राय परिवार की विरासत

टीएमसी और भाजपा के बीच हाल में एक ऐतिहासिक विमर्श पर तीखी बहस हुई जिसका संबंध बंगाल में नवाब सिराजुद्दौला के पतन में राय परिवार की भूमिका से है।

प्रफुल्ल गोराडिया
(लेखक, पूर्व राज्यसभा सदस्य हैं)

टीएमसी और भाजपा के बीच हाल में एक ऐतिहासिक विमर्श पर तीखी बहस हुई जिसका संबंध बंगाल में नवाब सिराजुद्दौला के पतन में राय परिवार की भूमिका से है। 2024 का लोकसभा चुनाव अभियान तेज होने के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच कीचड़ उछालने की प्रक्रिया तेज हो गई है, जबकि यदि ऐसा न होता तो ज्यादा अच्छा था। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस-टीएमसी ने भाजपा की कृष्णानगर लोकसभा सीट से उम्मीदवार श्रीमती अमृता राय पर इसलिए कीचड़ उछाला क्योंकि उनका संबंध कृष्ण चंद्र राय के परिवार से है। कृष्ण चंद्र राय ने ईस्ट इंडिया कंपनी का साथ दिया था जो 1757 में बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला का मुकाबला कर रही थी। कृष्णानगर में राय परिवार की वर्तमान राजमाता ने यह कह कर अपने परिवार का उस समय का कृत्य सही ठहराया कि यदि कृष्ण चंद्र राय ने उस समय ईस्ट इंडिया कंपनी का साथ न दिया होता तो अत्याचारी नवाब सिराजुद्दौला के राज्य में सनातन धर्म व बंगाली संस्कृति नष्ट हो जाती।

उन्होंने इस तथ्य की ओर भी संकेत किया कि उस समय न केवल अमृता राय के पूर्वज राजा कृष्ण चंद्र राय के साथ ही जगत सेठ तथा नाभा के राजा कृष्ण देव ने भी ईस्ट इंडिया कंपनी का साथ दिया था। केवल इतना ही नहीं, मीर जाफर तथा अनेक अन्य लोग भी नवाब सिराजुद्दौला का अंत चाहते थे। सिराजुद्दौला के अत्याचारों ने आम जनता में इतना गुस्सा भर दिया था कि ज्यादातर लोग उसके शासन का अंत चाहते थे। सिराजुद्दौला सनातन धर्म तथा बांग्ला संस्कृति का घोर विरोधी था और इस कारण भी उसके विरोध में गुस्सा बढ़ रहा था।

सवाल है कि यदि इन व्यापारी राजकुमारों ने सिराजुद्दौला को उखाड़ फेंकने में सफलता न पाई होती तो बंगाल का भविष्य कैसा होता? यदि नवाब का शासन चलता रहता तो संभवत: नादिया जिला तथा आज का पश्चिम बंगाल पाकिस्तान और अंतत: बांग्लादेश में चला जाता। पाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति इसकंदर मिर्जा सिराजुद्दौला के सीधे वारिस थे। उनका परिवार मुर्शिदाबाद में रहता था, लेकिन देश का विभाजन निकट आने पर वह जल्दी से कराची चला गया जो पाकिस्तान की तत्कालीन राजधानी थी। इसकंदर पाकिस्तान के पहले रक्षा सचिव तथा मार्च, 1956 में पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने। मुर्शिदाबाद में सिराजुद्दौला 1756 में सिंहासन पर बैठा। उसने जल्द ही अपना रंग दिखाना शुरू किया और अपने प्रमुख मंत्री राय दुर्लभ को पद से हटा दिया जिनको उसके बाबा नवाब अलीवर्दी खान ने नियुक्त किया था।

युवा नवाब ने राज्य के सबसे अमीर बैंकर जगत सेठ का अपमान किया। उनको दरबार में खुलेआम थप्पड़ मारे गए तथा सुन्नत करवाने या 'खतना' करवाने की धमकी दी गई। इसकंदर मिर्जा के पुत्र हुमायूं मिर्जा ने अपनी पुस्तक 'प्लासी टु पाकिस्तान' में इसका वर्णन किया है। व्यापारी राजकुमार मध्य एशियाई मूल वाले लोगों द्वारा शासन के पक्ष में नहीं थे और वे शासन-प्रशासन में स्थानीय लोगों को ज्यादा स्थान देना चाहते थे। लेकिन उनके पास सिराजुद्दौला को सत्ता से हटाने के लिए सैनिक संगठन नहीं था। 1757 में लंदन में ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशक मंडल के आदेश से राबर्ट क्लाइव कुछ नाविकों और सैनिकों के साथ मद्रास पहुंचे। वे पिछले साल कोलकाता के फोर्ट विलियम में अंग्रेजों के अपमान का बदला सिराजुद्दौला से अच्छी तरह लेना चहते थे। इस घटना ने नवाब सिराजुद्दौला का भविष्य अंधकारमय बनाने में पूरी भूमिका निभाई।

सिराजुद्दौला के नवाबी शासन में 'व्यापारी राजकुमारों' को यह बहुत अच्छा अवसर लगा जिसका लाभ उठा कर वे सिराजुद्दौला का शासन समाप्त कर सकते थे। ब्रिटिश हथियारों और बंगालियों के पैसे से उसके क्रूर शासन का अंत किया जा सकता था। इसके साथ ही वे अपने संबंधों के माध्यम से भी विजय की उम्मीद कर रहे थे। उस समय राबर्ट क्लाइव के पास केवल 3,000 सैनिक थे, जबकि सिराजुद्दौला के पास एक लाख की सेना के साथ ही घुड़सवार और हाथी थे। इस विशाल सेना को अलग-अलग टुकड़ों में विभाजित करना था। नवाब की आधी सेना का संचालन मीर जाफर के पास था। उससे वादा किया गया था कि यदि वह सिराजुद्दौला की पराजय सुनिश्चित करने में सहायता करे तो उसे नवाब बना दिया जाएगा। इसके परिणामस्वरूप सिराजुद्दौला की आधी से अधिक सेना ने युद्ध में भाग नहीं लिया। इस प्रकार 23 जून, 1757 को प्लासी के युद्ध ने सिराजुद्दौला के शासन और उसके जीवन का अंत कर दिया। हम जिस समय की बात कर रहे हैं, उस समय बंगाल में दो संस्कृतियां -बंगाली व इस्लामिक थीं। 12वीं शताब्दी के बाद से यह क्षेत्र बंगाली प्रभाव से बाहर निकल रहा था और दो-तिहाई अरब हो गया था। 1757 में प्लासी युद्ध ने इस परिघटना को पहला निर्णायक धक्का दिया। सिराजुद्दौला की पराजय और उसकी हत्या के बाद नवाबी शासन का अंत हो गया।

इसके बाद अनेक सालों में पहली बार हिंदुओं ने खुलेआम राजा नाभा कृष्ण देव के महल में विशाल दुर्गा पूजा का आयोजन किया था जिसमें राबर्ट क्लाइव मुख्य अतिथि थे। इससे स्पष्ट होता है कि बंगाल में सिराजुद्दौला के अत्याचारी शासन के अंतर्गत सनातन धर्म तथा हिंदू जनता कितने भयानक दमन और उत्पीड़न का सामना कर रही थी। कल्पना करें कि यदि बंगाल 'इस्लामी' रास्ते पर चलता रहता तो क्या होता। ऐसे में बंगाल में कोई ऐतिहासिक 'पुनर्जागरण' न होता जिसके लिए बंगाल को याद किया जाता है और उसका सम्मान होता है। यदि ऐसा होता तो बंगाल में राजा राममोहन राय, बंकिम चंद्र चटर्जी, रवीन्द्रनाथ टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, योगी अरविंद, ईश्वर चंद्र विद्यासागर व निश्चित रूप से सुभाष चंद्र बोस जैसे लोग न होते। ऐसे में यह कल्पना ही की जा सकती है कि यह क्षेत्र कैसा होता। गोपाल कृष्ण गोखले ने 100 साल से भी पहले कहा था कि 'जो बंगाल आज सोचता है, भारत कल सोचेगा।' लेकिन यदि सिराजुद्दौला जैसे लोगों का शासन बना रहता तो आज बंगाल ही न होता।

गांधीजी ने भारतीयों को स्वतंत्रता, राजनीति, आध्यात्मिक व अर्थशास्त्र के मूल्यों के प्रति जागरूक किया, लेकिन विजेता के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस और उनकी आजाद हिंद फौज-आईएनए हमारे सामने आई। इस तथ्य को किसी और ने नहीं, बल्कि क्लीमेंट एटली ने स्वीकार किया था जो 1946 से 1951 तक ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे थे। एटली ने ही ब्रिटिश नेता के रूप में भारतीय स्वतंत्रता कानून, 1947 पर हस्ताक्षर किए थे और इस प्रकार भारतीय स्वतंत्रता का दरवाजा खोला था। अपना पद छोड़ने के बाद एटली भारत आए और पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल जस्टिस पी.बी. चक्रवर्ती के अतिथि बने। एक रात्रि भोज के दौरान चक्रवर्ती ने अपने अतिथि से पूछा कि 1947 में अंग्रेज इतनी जल्दी भारत छोड़ कर भाग क्यों गए, जबकि उस समय ऐसा कोई तात्कालिक कारण नहीं था। उस समय 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन लगभग विफल हो चुका था।

इस पर पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने जवाब में अनेक कारण गिनाए थे। इनमें सर्वाधिक प्रमुख भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना की ब्रिटिश राज के प्रति स्वामिभक्ति में आई कमी थी। इसका कारण नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा चलाया अभियान था। जब चक्रवर्ती ने एटली से पूछा कि गांधीजी के अहिंसक सत्याग्रह का अंग्रेजों पर क्या प्रभाव पड़ा था तो एटली ने अपने शब्द के हर अक्षर पर जोर देते हुए 'मिनिमल' या न्यूनतम कहा था। एटली के चेहरे पर उस समय एक व्यंग्यात्मक मुस्कराहट थी। यदि सिराजुद्दौला जैसे लोगों के लगातार शासन से बंगाल में 'इस्लामवाद' हावी हो जाता और स्थानीय बांग्ला तथा हिंदू संस्कृति का विनाश हो जाता तो बंगाल का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता। यदि बंगाल ही न होता तो नेताजी सुभाष चंद्र बोस कैसे होते जिनकी आजाद हिंद फौज के प्रभाव में अंग्रेजों को भारत छोड़ने को मजबूर होना पड़ा था। इस दृष्टिकोण से श्रीमती अमृता राय के पूर्वज कृष्ण चंद्र राय द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी का साथ देना सनातन धर्म की रक्षा के लिए जरूरी था और उसे इसी दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

जलवायु परिवर्तन का आध्यात्मिक समाधान

विकास की प्रत्येक इच्छा के लिए, आप शरीर की पहचान, उपभोग, प्रजनन और उसके बाद विनाश के बीच संबंध देखेंगे। जब वैश्विक तापमान तीन या चार डिग्री बढ़ जाएगा, तो ये सभी शिशु फूल मुरझा जाएंगे।

आचार्य प्रशांत
(लेखक वेदांत शिक्षक हैं)

प्रजनन को सीमित करना शायद स्थिरता की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। आज हम जिस दुनिया में रहते हैं वहां लोग छोटी छोटी अच्छी चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम आसानी से इस तथ्य से दूर रह सकें कि हम जो कर रहे हैं वह बहुत बुरी बात है। अधिकांश लोगों को उपभोग की आदत होती है समस्या उपभोग नहीं है यह चीज़ों का अंधाधुंध और अंधाधुंध उपभोग है जो वैसे भी आपको कोई लाभ नहीं पहुँचाएगा। यही तो समस्या है। तो ज्ञान या आध्यात्मिक ज्ञान पूरी तरह से उपभोग के त्याग के बारे में नहीं है। ऐसे संकेत हैं जो जलवायु परिवर्तन पर विभिन्न गतिविधियों के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए कार मुक्त होना, ट्रान्साटलांटिक उड़ान से बजाय हरित ऊर्जा चुनना, इलेक्ट्रिक कार से कार मुक्त पर स्विच करना, शाकाहारी आहार चुनना, एक सामान्य कार को हाइब्रिड से बदलना, गर्म पानी के बजाय ठंडे पानी में कपड़े धोना, पुनर्चक्रण, सूखे कपड़े लटकाना, ऊर्जा कुशल प्रकाश बल्बों में उन्नयन। ग्राफिक का शीर्षक है प्रत्येक कार्य करने वाले एक व्यक्ति के लिए प्रति वर्ष टन सीओ2 समकक्ष बचाया गया (वाइन्स और निकोलस 2017, पर्यावरण अनुसंधान पत्र, खंड 12, संख्या 7)। लेकिन ये 10 गतिविधियाँ लोकप्रिय हैं जहाँ सभी अच्छे लोग इन सभी दस गतिविधियों को करने में व्यस्त हैं और वे महान मिशनरी उत्साह और उससे भी अधिक मिशनरी गर्व के साथ घूमते हैं।

और फिर यह विशाल बार है जो लगभग साठ टन सीओ2 से मेल खाता है जो एक ही कार्य करने से आता है यानी एक बच्चा पैदा करना। हम जलवायु परिवर्तन में सबसे बड़े योगदानकर्ता के बारे में बात नहीं करते क्योंकि यहीं पर हमारा अहंकार रहता है, यहीं पर शारीरिक और

शारीरिक प्रवृत्तियाँ रहती हैं। आप सोच रहे होंगे कि मैं प्रजनन के संबंध में, बच्चे पैदा करने के संबंध में यह बात क्यों बोल रहा हूं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह आज आपके और मेरे, ग्रह और लाखों प्रजातियों के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। यही वह चीज़ है जिस पर मनुष्य को इस समय तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। मानव जाति के सामने इससे बड़ी कोई चुनौती नहीं है। तीसरा विश्व युद्ध नहीं, परमाणु प्रसार नहीं, कुछ भी नहीं। यह सबसे बड़ी चुनौती है। क्या आप कृपया बच्चे पैदा करना बंद कर सकते हैं या सीमित कर सकते हैं। यह एक ऐसी चुनौती है जिसके बारे में कोई बात नहीं करना चाहता। यदि आप इसका समाधान कर तो हर चीज़ का समाधान हो जाएगा।

विकास की प्रत्येक इच्छा के लिए, आप शरीर की पहचान, उपभोग, प्रजनन और उसके बाद विनाश के बीच संबंध देखेंगे। जब वैश्विक तापमान तीन डिग्री या चार डिग्री बढ़ जाएगा, तो ये सभी शिशु फूल मुरझा जाएंगे। वैसे भी फूलों की बहुत अधिक प्रजातियाँ रोपने लायक नहीं रहने वाली हैं। जलवायु परिवर्तन कितना दोषी है यह आईयूसीएन रेड लिस्ट में कम से कम 10967 प्रजातियों को प्रभावित करता है और अनुमानों से पता चलता है कि यदि 2100 तक वैश्विक तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई तो भूमि पर सभी प्रजातियों में से लगभग 18 प्रतिशत को विलुप्त होने का उच्च जोखिम का सामना करना पड़ेगा।

और इसे केवल मुकदमेबाजी के माध्यम से संबोधित नहीं किया जा सकता है। आपको एक आध्यात्मिक आंदोलन की आवश्यकता है, मैं जो कह रहा हूं उसे समझने और जो मैं इंगित कर रहा हूं उस पर कार्य करने के लिए आपको गहरी आध्यात्मिक चेतना की आवश्यकता है। इस शरीर पहचान को खत्म किए बिना आप बच्चों की संख्या सीमित नहीं कर सकते। जब तक आपका भौतिक शरीर है आप उपभोग करते रहेंगे, आपको उपभोग करना ही पड़ेगा। हम शरीर पहचान, उपभोग, प्रजनन और विनाश के बीच संबंध नहीं देखते हैं। हम उन्हें अलग-अलग चीजों के रूप में देखते हैं। विकास की यह चाहत आपको क्या लगता है, इस ग्रह की तबाही से कोई लेना-देना नहीं है वास्तव में विकास की परिभाषा क्या है, जो तुम्हें आनंद देता है। जो आपके लिए आराम और सुविधा लाता है। इसी तरह आप विकास को परिभाषित करते हैं। मानव जाति के इतिहास में वह समय आ गया है जब उस मूल समस्या को संबोधित किए बिना, आप किसी भी समस्या का समाधान नहीं कर सकते। और यदि आप अभी मूल समस्या का समाधान नहीं करते हैं तो कल कोई नहीं होगा।

आप की बात

सीएए का विरोध

एआइएमआइएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए का विरोध हमारी पार्टी की तरफ से लगातार जारी रहेगा क्योंकि यह कानूनन असंवैधानिक है, इसे भाजपा ने बनाया है, इसका आधार धर्म है जो समानता के अधिकार के खिलाफ है। भाजपा हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई में कोई भेद नहीं करती है। सीएए के अंतर्गत पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान से आए उत्पीड़ित अल्पसंख्यक हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध एवं पारसी को भारत में नागरिकता देने की बात कही गई है। यह हर तरह से उचित एवं कानून सम्मत है। आज यह सर्वविदित है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं अफगानिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ बहुत अत्याचार किया जाता रहा है। इसका प्रमाण वहां की जनसंख्या में धार्मिक अल्पसंख्यकों की संख्या नगण्य होना है। सवाल है कि आखिर उत्पीड़ित हिंदू, सिख, बौद्ध व पारसी यदि भारत की ओर नहीं तो दुनिया में किस देश की ओर देखेंगे। देश में पहले से नागरिक रहे किसी भी नागरिक की नागरिकता पर सीएए का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि यह नागरिकता छीनने के बजाय नागरिकता देने का कानून है। अत: सीएए का अनुचित विरोध अब बंद होना चाहिए।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

युद्ध का विस्तार

ईरानी दूतावास पर मिसाइल हमले में उसके सैन्य अधिकारियों के मारे जाने के बाद ईरान ने खुले रूप से इसराइल को सबक सिखाने की घोषणा की है। इसराइल पर अनेक मिसाइलों व ड्रोन के हमले से उसने इसकी शुरुआत भी कर दी है। रूस-यूक्रेन और हमास-इजरायल युद्ध के बाद ईरान-इजरायल के खुलकर युद्ध के मैदान में कूदने से अंतर्राष्ट्रीय हालात अत्यंत जटिल और विकट हो गए हैं। युद्धरत देशों की जनता के अलावा इन युद्धों का प्रभाव समूचे विश्व की जनता भुगत रही है। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ते जा रहे हैं तथा समुद्री यातायात में बाधा आ रही है। युद्ध का विस्तार दुनिया में किसी के लिए ठीक नहीं है। लेकिन यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि ईरान अपने द्वारा पाले पोसे गए तथा आर्थिक रूप से समर्थित हमास, हिजबुल्ला व हूती आतंकवादियों, विद्रोहियों व विघटनवादियों के माध्यम से अपने प्रभाव का विस्तार कर रहा है। इसके चलते जहां इसराइल के अस्तित्व को खतरा पैदा हो गया है, वहीं दुनिया भर में इस्लामवादी, जिहादी व कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा मिलने की आशंका है। आतंकवाद को किसी रूप में स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

– **सुभाष बुडावन वाला,** रतलाम

ईरान-इज़राइल टकराव

ईरान द्वारा इजराइल पर हमले के बाद भारत के कुछ खास वर्ग के लोग ईरान की सराहना करते दिखाई पड़ रहे हैं और फिलिस्तीन में जश्न मनाया जा रहा है। फिलिस्तीनियों की खुशी को एक बार सही समझा जा सकता है पर भारत से ऐसे जश्न और समर्थन की तस्वीरें समझ के परे हैं। हमास द्वारा इजराइल के निर्दोष नागरिकों पर हुई बर्बरता पर भी कुछ लोग खुशी मना रहे थे परन्तु जैसे ही इजराइल ने पलटवार किया इन्ही लोगों का रुदन आरम्भ हो गया और अब तक जारी है। इजराइल अपने ऊपर हुए ईरानी हमले के बाद चुप नहीं बैठेगा। इस सूरत में एक बार फिर कुछ लोगों को पुन: कष्ट होना स्वाभाविक है। इजराइल को अपनी आत्मरक्षा करने तथा दुश्मनों पर हमला करने का पूरा अधिकार है। वर्तमान समय में अधिकांश भारतीय जनता इज़राइल और यहूदी समुदाय पर सैकड़ों सालों से मंडराते खतरे को समझती है। इज़राइल के अस्तित्व को दुनिया के मानचित्र से मिटा देने की बात करने वाले ईरान का किसी प्रकार समर्थन नहीं किया जा सकता है। ईरान की तानाशाही सरकार अपने ही देश की महिलाओं पर जो अत्याचार ढा रही है, उससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन इसके बावजूद युद्ध किसी के हित में नहीं है।

– **मनोज पुरुषार्थी,** मेरठ

अंबेडकर जयंती

डॉ अंबेडकर जयंती 14 अप्रैल को पूरे देश में धूमधाम से मनाई जाती है। दिल्ली में महमहिम राष्ट्रपति से लेकर जन साधारण तक संसद भवन स्थित बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हैं। आज भारत के सभी राजनीतिक दल बाबा साहब को महत्व देते हैं और अंबेडकर जयंती मनाते हैं। यह एक अच्छी परंपरा है। बाबा साहब डॉ अंबेडकर ने दलित-वंचित समाज के लिए संवैधानिक प्रावधान किए तथा आरक्षण का अधिकार दिया ताकि वह अपने पैरों पर खड़ा हो जाए। लेकिन यह समाज आज भी जातीय अत्याचार व उत्पीड़न का शिकार है। ग्रामीण महिलाओं के साथ गलत व्यवहार होता है तथा जातीय द्वेष भावना कम नहीं हो रही है। आज भी दलित समाज का दूल्हा अपनी बारात को लेकर निकल नहीं पाता है और उसे पुलिस सुरक्षा मांगनी पड़ती है। कभी किसी को मूछ रखने पर, घोड़ी पर चढ़ने या अच्छे कपड़े पहनने पर मारा जाता है। 14 अप्रैल को संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुए सरकार व समाज को सद्भावनापूर्ण वातावरण बनाना चाहिए ताकि डा. अंबेडकर के सपने पूरे हो सकें और दलित समाज का योगदान सुनिश्चित हो।

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

यूपी ने परिवारवाद को नकारा, अब बिहार की बारी: योगी

बिहार में परिवारवादियों पर गरजे योगी, कहा- लालू बढ़ा रहे जनसंख्या

● योगी आदित्यनाथ ने बिहार के औरंगाबाद और नवादा में विशाल जनसभाओं को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ औरंगाबाद/ नवादा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिहार में दो-दो बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान योगी ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल पर जमकर प्रहार किया। कड़ी धूप के बावजूद उन्हें देखने-सुनने बड़ी संख्या आमजन पहुंचे। सीएम ने औरंगाबाद में बीजेपी प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह के समर्थन में जनसभा की, वहीं नवादा में विवेक ठाकुर के पक्ष में विजय संकल्प रैली को उन्होंने संबोधित किया। लालू प्रसाद यादव पर तंज कसते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ईश्वर उन्हें स्वस्थ्य रखे, वो आबादी बढ़ाएं, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अलग पांच साल में तीन करोड़ गरीबों के आवास बनाएंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार से कांग्रेस व राजद के दलदल को साफ करने के बाद बिहार में विकास की रफ्तार बढ़ेगी। औरंगाबाद में जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजद से कोई उम्मीद न कीजिए। यह चुनाव नेशन फर्स्ट व फैमिली फर्स्ट का है। अच्छा हुआ कि एनडीए को बिहार में और सशक्त बनाने में हमें सफलता प्राप्त हुई। बिहार में लालू के परिवार के लिए ही सीट कम पड़ रही थी। यह परिवार तक ही सीमित हो गए। परिवार के बाहर सोच है ही नहीं। विकास भी परिवार का, सीट भी परिवार को, योजनाओं का लाभ भी परिवार को ही मिलना है। एक परिवार बिहार और एक परिवार यूपी में है। यूपी की जनता उन्हें जवाब दे चुकी है, अब बिहार के लोगों को जवाब देने के लिए तैयार होना है। जातिवादी ताकतों को नकार दें। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पांच सौ वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ। अयोध्या धाम में प्रभु श्रीरामलला विराजमान हुए तो बिहार के अंदर भी उत्साह और उमंग था। बिहारवासियों ने जो उपहार भेजे थे। उसके लिए बिहारवासियों का आभार प्रकट करता हूं। यूपी व बिहार का चोली-दामन का संबंध है। यह अलग होने वाला नहीं है। हम सीताराम बोलते हैं। पहले मां सीता, फिर श्रीराम का नाम लेते हैं। यह दोनों राज्यों के संबंध को जोड़कर एक भारत, श्रेष्ठ भारत के अभियान को बढ़ाता है। योगी ने कहा कि कोरोना के दौरान बिहार के लोग अन्य राज्यों से निकल रहे थे तो हमने कहा कि यह मां सीता के मायके के लोग हैं, उनसे भेदभाव नहीं होगा। जो सुविधा उप्र वासियों को मिले, वही सुविधा बिहार वालों को भी मिले। यूपी में मिली सुविधा की सभी लोगों ने सराहना की थी। नवादा में जनसभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बात की गारंटी है कि दिल्ली से पैसा अब सीधे अकाउंट में आता है। विकास कार्यों को गिनाते हुए सीएम योगी ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में पिछले 10 वर्ष में चार करोड़ गरीबों को मकान मिले हैं। अगले पांच वर्ष में तीन करोड़ और मकान बनाएंगे। ईश्वर लालू को स्वस्थ करें, वह आबादी बढ़ाएं और भाजपा आवास बनाने का कार्य करेगी। एक तरफ मोदी भारत को डिजिटल युग में ले जा रहे हैं तो दूसरी तरफ राजद व उनके लोग लालटेन युग की तरफ पीछे ढकेल रहे हैं। कहा कि नवादा देश के लोकतंत्र को बचाने वाले स्व. जयप्रकाश बाबू की पावन कर्मभूमि और पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कर्पूरी ठाकुर की पावन धरा है। बिहार ने देश को सब कुछ दिया। संविधान निर्माण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बाबू, पूर्व मुख्यमंत्री कृष्ण बाबू इसी जमीं के हैं। कांग्रेस व उनके सहयोगियों ने कभी जयप्रकाश जी, कर्पूरी ठाकुर को सम्मान नहीं दिया, लेकिन पीएम मोदी व भाजपा ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर बिहार वासियों को सम्मान दिया। इसे लोकतंत्र की प्रारंभिक भूमि के रूप में जाना जाता है। यह देश के इतिहास को बनाने व लोकतंत्र का पाठ पढ़ाने वाली भूमि है। लोकतंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट राजनीति का अपराधीकरण, अपराधियों का राजनीतिकरण रहा। जातिवादी-परिवारवादी राजनीति लोकतंत्र में सबसे बड़ी बाधा है। योगी ने कहा कि राजद को रंगदारी वसूली से फुर्सत नहीं थी लेकिन भाजपा-एनडीए सरकार में रंगदारी नहीं हो सकती।

80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार: मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि देश का गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति ही भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र के चार आधार हैं। उन्होंने कहा ये संकल्प पत्र मोदी की गारंटी है, जिसमें हमने विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की भी उद्घोषणा की है। उन्होंने यूपी में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नया नारा देते हुए कहा कि '80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार।'

सीएम योगी सोमवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान शिल्पी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से अपना संकल्प पत्र जारी किया है। इसकी पहली चार प्रतियां देश के चार सामाजिक स्तंभों का प्रतिनिधित्व करने वाली हैं। ये हैं गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी । उन्होंने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल मात्र नहीं है, बल्कि यह भारत के विजन को मिशन मानकर प्रभावी ढंग से लागू करने के 140 करोड़ जनता की आकांक्षा बन चुकी है। आज देश का जो भी एंबीशन है वह पीएम मोदी का विजन बन चुका है और हमारे लिए वही मिशन है। इस देश को मोदी की गारंटी पर विश्वास है। सीएम योगी ने कहा कि संकल्प पत्र में मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना, आवास योजना सहित तमाम गरीब कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखने और और उनके दायरे को बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है। संकल्प पत्र में नेशन फर्स्ट के भाव के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को दोहराया गया है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल का ये पहला चुनाव है, जिसमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना को लेकर चुनाव लड़ा जा रहा है। देश की अस्मिता, सुरक्षा, आस्था और अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी की गारंटी इस संकल्प पत्र का आधार बना है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा संकल्प पत्र नये भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत और विकासित भारत का ब्लू प्रिंट है।

पहले चरण के प्रचार के अंतिम दिन कल सहारनपुर में होगा प्रियंका का रोड शो

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में लोकसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार अब केवल दो दिन रह गया है। सपा-भाजपा के साथ ही बसपा भी मैदान में आ चुकी है। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की कमी उसके प्रत्याशियों को खल रही है। अब यह कमी दूर होने जा रहा है। राहुल और प्रियंका गांधी एक ही दिन चुनावी मैदान में उतरने जा रहे हैं। प्रियंका गांधी सहारनपुर में रोड शो करेंगी। राहुल गांधी उसी दिन अखिलेश यादव के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करेंगे। यह प्रेस कांफ्रेंस गाजियाबाद में होगी। रोड शो और प्रेस कांफ्रेंस दोनों 17 अप्रैल को होगी। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को है। 17 अप्रैल को ही पहले चरण के प्रचार का अंतिम दिन है। पहले चरण में कांग्रेस की तरफ से हालांकि केवल सहारनपुर में ही प्रत्याशी उतारा गया है। यूपी में सपा के साथ कांग्रेस गठबंधन करके मैदान में उतरी है। 80 में से 17 सीटें कांग्रेस को दी गई हैं। एक सीट टीएमसी को मिली है। बची हुई 62 सीटों पर सपा के प्रत्याशी उतरेंगे। ज्यादातर सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान हो चुका है। लेकिन कांग्रेस ने अपने गढ़ रायबरेली और अमेठी के लिए अभी तक प्रत्याशियों का ऐलान नहीं किया है। कहा जा रहा है कि राहुल और प्रियंका गांधी ही अमेठी और रायबरेली से मैदान में उतरेंगे। 26 अप्रैल को वायडनार में मतदान के बाद अमेठी-रायबरेली से नामों की घोषणा की संभावना जताई जा रही है। पहले चरण का चुनाव प्रचार अब आखिरी चरण में पहुंच गया है। कांग्रेस के अलावा सभी दलों के बड़े नेता चुनावी मैदान में आ गए हैं। पहले बताया गया था कि 16 अप्रैल को प्रियंका गांधी सहारनपुर में रोड शो कर सकती हैं। अब 17 अप्रैल को रोड शो की घोषणा हुई है।

सभी प्रकार की चुनाव प्रचार सामग्री पर मुद्रक और प्रकाशक का नाम-पता होना अनिवार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत निर्वाचन आयोग ने एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है जिसके अनुसार सभी प्रकार की चुनाव प्रचार सामग्री पर मुद्रक और प्रकाशक का नाम व पता का अनिवार्य रूप से उल्लेख करना होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि यह कदम चुनाव प्रक्रिया में जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 127ए के तहत, चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल की जाने वाली पैम्फलेट, पोस्टर या बैनर के मुद्रण में मुद्रक और प्रकाशक के नाम और पते के बिना मुद्रित नहीं किया जा सकता। आयोग ने यह निर्देश उन शिकायतों के बाद जारी किया, जिसमें दावा किया गया था कि नगर निकाय के नियंत्रण वाले होर्डिंग लगाने के स्थानों पर बिना प्रकाशक और मुद्रक की पहचान वाले होर्डिंग लगे हुए हैं। इस निर्देश के साथ आयोग ने अब 'आउटडोर मीडिया' पर प्रकाशित राजनीतिक विज्ञापनों के लिए स्थान किराए पर देने वाले सभी स्थानीय प्रशासन व नगरीय निकायों के लाइसेंसधारियों/ ठेकेदारों की जवाबदेही भी तय कर दी है। सभी नगरीय निकायों व स्थानीय प्रशासन, जो कि होर्डिंग्स, पोस्टर, बैनर लगवाने के लिए जिम्मेदार हैं, द्वारा आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाए। चुनाव प्रचार सामग्री आदर्श आचार संहिता के निर्धारित मानक के अनुरूप निश्चित स्थान पर लगी हो तथा होर्डिंग्स, पोस्टर व बैनर में प्रकाशित सामग्री में मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम मुद्रित हो, इसकी जिम्मेदारी भी इन्हीं की होगी। इस निर्देश का प्रभाव यह होगा कि चुनाव सामग्री की प्रिंटिंग में शामिल सभी पक्षों को अधिक सतर्क रहना होगा और उन्हें अपनी जवाबदेही का पूर्ण रूप से पालन करना होगा। इससे निर्वाचन प्रक्रिया में अधिक स्पष्टता आएगी और मतदाताओं को उचित जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

लखनऊ पूर्वी सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस ने मुकेश सिंह चौहान को बनाया प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस ने लखनऊ पूर्वी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में पार्टी के प्रदेश महासचिव व पार्षद मुकेश सिंह चौहान को उम्मीदवार घोषित किया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल की ओर से इस संबंध में अधिकृत सूचना जारी की है। जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अलीमुल्लाह खान ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी भारी बहुमत से पूर्वी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में जीत हासिल करेगी। उल्लेखनीय है कि भाजपा विधायक आशुतोष टंडन के निधन के कारण लखनऊ पूर्वी विधानसभा सीट रिक्त हुई थी।

कैराना में बसपा को दलित के साथ मुस्लिम वोटरों से आस

सतीश सिंह। लखनऊ

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में जिस पश्चिम यूपी को भाजपा ने राजनीति की प्रयोगशाला बनाकर फतेह हासिल की थी, उसमें एक कैराना का भी मुद्दा शामिल रहा। कैराना के पलायन का मुद्दा राष्ट्रीय मुद्दा बन गया था। लगातार दो चुनावों से बीजेपी के पास रही इस सीट पर इस बार हालात कुछ अलग हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने जहां अपने सीटिंग कैंडीडेट प्रदीप चौधरी पर भरोसा जताया है तो वहीं सपा से इकरा हसन और बसपा से स्थानीय कैंडीडेट श्रीपाल सिंह मैदान में है। इस सीट पर बसपा के टिकट पर तबस्सुम बेगम ने भाजपा के हुकुम सिंह को हराया था। ऐसे में क्षत्रिय उम्मीदवार को टिकट देकर बसपा ने बीजेपी के वोट बैंक में सेंधमारी का प्रयास किया है। जिससे खोई हुई सीट को वापस पा सके। कैराना हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के पुरोधा उस्ताद अब्दुल करीम खान का जन्मस्थान है, जिन्होंने अपने भाई उस्ताद अब्दुल वाहिद खान के साथ प्रसिद्ध कैराना घराने की स्थापना की थी। कैराना से पलायन का मुद्दा 2016-17 के दौरान तत्कालीन सांसद हुकुम सिंह ने उठा कर इसे राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया था। उस समय प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और काफी किरकिरी भी हुई थी। समय के साथ यहां पर इस बार हालात तो बदले हैं लेकिन विवाद की यादें अभी तक मतदाताओं के बीच बनी हुई हैं। जो भाजपा के लिए शुभ संकेत है। इस क्षेत्र की खासियत ये है कि यह सीट हिन्दू और मुसलमान गुर्जर बहुल सीट है और ये तीसरी बार होगा, जब हसन परिवार और बीजेपी के प्रदीप चौधरी चुनाव में आमने-सामने होंगे। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा की इस चुनाव में इकरा अपने दादा अख्तर हसन के साल 1984 की जीत को फिर से दोहरा पाती हैं या नहीं। वहीं दूसरी तरफ बसपा के प्रत्याशी श्रीपाल राणा ने भी इस बार जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है।

कैराना लोकसभा में पांच विधानसभा हैं शामिल

कैराना लोकसभा सीट के अंतर्गत 5 विधानसभा सीट हैं, जो कि कैराना, शामली, थानाभवन, गंगोह और नकुड़ हैं। फिलहाल इन 5 में से 2 सीटों पर आरएलडी, 2 पर बीजेपी और एक पर समाजवादी पार्टी के विधायक हैं। यहां जाट, गुर्जर, मुस्लिम, दलित वोटर्स अहम भूमिका अदा करते हैं। समाजवादी पार्टी को यादव और मुस्लिम वोटर्स का साथ हमेशा मिलता है। जबकि रालोद के साथ आ जाने से भाजपा को जाट वोटों का मिलना तय माना जा रहा है। तो वहीं दलित-मुस्लिम वोटों के बीच श्रीपाल को मैदान में उतार कर बसपा ने भाजपा के वोटबैंक में सेंधमारी के संकेत दे दिये हैं।

यशपाल सिंह बने थे पहले निर्दलीय सांसद

कैराना लोकसभा सीट पर अब तक 16 बार चुनाव हो चुके हैं। इस सीट के सबसे पहले सांसद 1962 में यशपाल सिंह बने थे, जो निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े थे। चुनावों में जीत हार के आंकड़ों पर गौर करें तो 1991 के बाद जितने भी चुनाव हुए, उनमें से 2004 के चुनाव को छोड़कर बाकी सभी चुनाव में बीजेपी मुकाबले में ही रही। आंकड़ों के अनुसार, अब तक इस सीट पर तीन बार बीजेपी, दो बार कांग्रेस और तीन बार रालोद ने जीत दर्ज की है। बसपा और सपा ने एक-एक बार जीत का स्वाद चखा है। जनता दल और जनता पार्टी ने दो-दो बार परचम लहराया। वर्तमान में इस सीट पर बीजेपी सांसद प्रदीप चौधरी का कब्जा हैं।

गुंडागर्दी का सार्टिफिकेट है सपा की सदस्यता: केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मैनपुरी में आयोजित भाजपा प्रत्याशी जयवीर सिंह की नामांकन सभा में जनसंवाद करते हुए कहा कि मैनपुरी सपा की आखिरी कील है, इसे उखाड़कर कमल खिलाइये। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने विरासत में मिली सियासत से मुख्यमंत्री बनकर प्रदेश को गुंडे, अपराधियों तथा माफियाओं की आरामगाह बना दिया था। पूरी यूपी में एक ही नारा लगता था जिस गाड़ी में सपा का झंडा, उस गाड़ी में बैठा गुंडा। मौर्य ने कहा कि सपा की सदस्यता गुंडागर्दी का सर्टिफिकेट है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव ने विधानसभा में मेरे स्वर्गीय पिता के लिए अपशब्द कहे, जबकि मै उनके पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करने सैफई गया। यह भाजपा तथा सपा के बीच संस्कारों का अंतर है। उन्होंने कहा कि सपा, दंगाई, गुंडों, अपराधियों, माफियाओं को पैदा करने की फैक्ट्री है। यह चुनाव सपा की गुंडई विचाराधारा के अन्त का चुनाव है। हमने प्रदेश की जनता से वादा किया था कि अमन चैन का शासन होगा-जेल के अंदर माफिया होंगे, इतना सख्त प्रशासन होगा। हमने जो वादा किया था उसे पूरा करके दिखाया है। उन्होंने जनता से प्रश्न करते हुए कहा बताइये जबसे सपा की सरकार गई है तब से क्या मैनपुरी में गुंडई हुई है, क्या किसी मकान, दुकान, प्लॉट पर कब्जे हुए है। मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व मे बिना भेदभाव के सभी को घर, नल से जल, सबको चिकित्सा, सबको सुरक्षा की गारंटी मिली है।

वेस्ट यूपी की हवा भाजपा का सूपड़ा साफ कर देगी: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी सरकार ने युवाओं को लैपटॉप देकर के डिजीटल डिवाइड को खत्म करने का काम किया था। इस बार भी अगर युवाओं ने मदद किया तो आपको खराब वाला राशन नहीं, हम आपको पौष्टिक आटा और डाटा भी देंगे। अखिलेश मुजफ्फरनगर में रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहले चरण के चुनाव से ही हवा कुछ और चल रही है। जो खबरें मिल रही जिस तरह का माहौल दिखाई दे रहा, इस बार पश्चिम से हवा से चल रही हैं और इस बार पश्चिम की हवा भारतीय जनता पार्टी का सूपड़ा साफ कर देगी। सपा प्रमुख ने कहा- अभी हम लोग याद कर रहे बाबा साहब अंबेडकर को, उससे पहले याद किया वीपी मंडल को , हमारा देश त्यौहारों, भाईचारे का है। हमारा देश गंगा-जमुनी तहजीब का है, यह बीजेपी के लोग इस देश के भाईचारे को खत्म करने का काम रहे हैं। इनका एक-एक फैसला जनता के खिलाफ है। जो नौजवान अपने गांव में कस्बें में ओर शहर में रहकर फौज में जाने की तैयारी करता था, ये लोग आएं और इन्होंने एक ही दिन में कानून बदल दिया कि आने वाले समय में कोई पक्की नौकरी नहीं मिलेगी और फौज की नौकरी को 4 साल का कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले जुमला लेकर आए थे, अब गारंटी लेकर आ गए हैं. अगर जुमला और गारंटी भाई-भाई हैं, तो जुमले से गारंटी 10 साल बड़ा भाई है। रोजगार के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा 80 परसेंट नौजवान बिना नौकरी का है, बताओ जब युवा बिना रोजगार और बिना काम के होगा तो उसकी शादी कहां से होगी? ये बीजेपी वाले नहीं चाहते हैं कि हमारे नौजवान का भविष्य बेहतर हो, उनके सपने पूरे हों।

तीसरे चरण की दस सीटों पर अब तक 19 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

● पर्चा भरने की अंतिम तिथि है 19 अप्रैल, 7 मई को होगा मतदान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि तीसरे चरण की दस सीटों के लिए अब तक 19 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में तृतीय चरण की 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 15 अप्रैल को जिन प्रत्याशियों ने नामांकन किया, उसमें, सम्भल लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए पीस पार्टी से राशिद, हाथरस (अजा) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए समाजवादी पार्टी से जसवीर, स्वराज भारतीय न्याय पार्टी से घनश्याम सिंह, निर्दलीय प्रत्याशी जयपाल, आगरा (अजा) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी से सत्यपाल सिंह बघेल, फतेहपुर सीकरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्दलीय प्रत्याशियों में अम्बेडकरी हसनुराम अम्बेडकरी तथा रामेश्वर सिंह, फिरोजाबाद लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए समाजवादी पार्टी से अक्षय यादव तथा भारतीय किसान परिवर्तन पार्टी से उपेन्द्र सिंह ने नामांकन, मैनपुरी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी से जयवीर सिंह, एटा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी से राजवीर सिंह, बदायूं लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए समाजवादी पार्टी से आदित्य यादव तथा राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी से किशोर कुमार , ऑवला लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी से धर्मेन्द्र कश्यप, बरेली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भारतीय जनता पार्टी से छत्रपाल सिंह, जनशक्ति एकता पार्टी से रोहताश कुमार, वंचित समाज इंसाफ पार्टी से लईक अहमद मंसूरी तथा निर्दलीय प्रत्याशी में नितिन मोहन ने नामांकन पत्र भरा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि तृतीय चरण के अंतर्गत 10 लोकसभा सीटों में 8 सीटें सामान्य श्रेणी की हैं और 2 सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। मुरादाबाद, सम्भल, हाथरस, अलीगढ़, आगरा, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, कासगंज, बदायूं तथा बरेली सहित 12 जिलों के अंतर्गत तृतीय चरण के 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र आते हैं। तृतीय चरण की 10 लोकसभा सीटों के लिए नामांकन भरने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल, 2024 (शुक्रवार) निर्धारित है। नामांकन पत्रों की जांच 20 अप्रैल, 2024 (शनिवार) को की जायेगी। 22 अप्रैल, 2024 (सोमवार) को अपराह्न 3 बजे तक नाम वापसी की अंतिम तिथि निर्धारित है। तृतीय चरण का मतदान 7 मई, 2024 (मंगलवार) को सम्पन्न होगा। उत्तर प्रदेश के सभी निर्वाचन क्षेत्रों की 4 जून, 2024 (मंगलवार) को मतगणना की जायेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के लिए प्रत्येक सामान्य श्रेणी के प्रत्याशी को 25,000 रुपए तथा अन्.ुजाति/ अनु.जनजाति के प्रत्याशी को 12,500 रुपए जमानत धनराशि जमा करनी होगी। राष्ट्रीय/ राज्यीय दलों के प्रत्याशियों को निर्वाचन क्षेत्र का एक निर्वाचक प्रस्तावक के रूप में तथा रजिस्ट्रीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दल एवं निर्दलीय प्रत्याशियों को 10 प्रस्तावक की आवश्यकता होगी। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में व्यय की अधिकतम सीमा 95 लाख रुपये निर्धारित है।

नामांकन के समय रिटर्निंग ऑफिसर/ सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय के 100 मीटर की परिधि के भीतर अधिकतम 3 वाहन तथा प्रत्याशी सहित अधिकतम 5 व्यक्तियों के प्रवेश की अनुमति होगी।

प्रत्याशियों को तीन बार सार्वजनिक करनी होगी अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि

● समाचार पत्रों व टीवी में प्रकाशित और प्रसारित कराएं आपराधिक पृष्ठभूमि की सूचना: नवदीप रिणवा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के एक महत्वपूर्ण फैसले के तहत आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशियों को अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि की सूचना तीन बार सार्वजनिक करना अनिवार्य होगा। इस निर्णय का उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाना है और मतदाताओं को उम्मीदवारों की वास्तविक जानकारी प्रदान करना है। यह निर्वाचन प्रक्रिया के सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम है। चुनाव प्रचार के दौरान समय-समय पर मतदाताओं की जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्याशियों को अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि की सूचना को सार्वजनिक करने के लिए समयसीमा निर्धारित की गई है, जो नाम वापसी के अंतिम दिवस के बाद से प्रारम्भ होकर मतदान के 48 घंटे पूर्व तक तीन चरणों में प्रकाशित/प्रसारित कराया जाना है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में आपराधिक छवि वाले प्रत्याशियों को अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि की सूचना को तीन बार सार्वजनिक करने की प्रक्रिया का पालन करना होगा। पहला प्रकाशन नाम वापसी की तिथि के बाद 4 दिनों के भीतर कराना होगा। दूसरा प्रकाशन नाम वापसी की तिथि के बाद 5 से 8 दिनों में कराना होगा और तीसरा प्रकाशन नाम वापसी की तिथि के बाद 9 वें दिन से चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तक कराना होगा।

प्रत्याशियों द्वारा अपनी आपराधिक पृष्ठभूमि की सूचना का प्रकाशन आयोग द्वारा निर्धारित किए गए फॉण्ट साइज के अनुसार अपने निर्वाचन क्षेत्रों में सर्वाधिक प्रसार वाले समाचार पत्रों में स्थानीय भाषा या अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित कराया जाए, जो किसी एक राष्ट्रीय और एक स्थानीय समाचार पत्रों में हो। इसी प्रकार संबंधित क्षेत्र में उपलब्ध एवं लोकप्रिय टीवी चैनलों में भी इस सूचना का प्रसारण करवाना होगा, जिसकी समयावधि सुबह 8 बजे से रात 10 बजे के बीच कम से कम 7 सेकंड के लिए प्रसारण होना चाहिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया के बाद आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशी अपनी सूचना के प्रकाशन संबंधी रिपोर्ट जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रस्तुत करेंगे। साथ ही इसी प्रकार की रिपोर्ट राजनैतिक दलों द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपी जाएगी।

प्रथम दिन प्रशिक्षित किये गये मतदान कार्मिक, सीडीओ ने मतदान अधिकारियों को बताई चुनाव की बारीकियां

● मनोयोग से प्राप्त करे मतदान प्रक्रिया का सैद्धान्तिक प्रशिक्षण, सीखें ईवीएम संचालनः सीडीओ

लखीमपुर खीरी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन.2024 के लिए नियुक्त किये गये पीठासीन एवं मतदान अधिकारियो के लिए धर्म सभा इंटर कॉलेज में आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन दो पालियों में प्रथम पाली में कोड संख्या 01 से 1000 तथा द्वितीय पाली में कोड संख्या 1001 से 2000 तक के मतदान कार्मिकों को इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सीडीओ/प्रभारी अधिकारी (मतदान कार्मिक) अनिल कुमार सिंह ने प्रशिक्षण स्थल के उन सभी कक्षों का विधिवत् निरीक्षण कियाए जहॉ पर कार्मिकों को सैद्धान्तिक एवं ईवीएम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मतदान कार्मिकों को इस बात के निर्देश दिये कि मतदान के दौरान ईवीएम मशीन में एरर आने पर उसे दूर करने के तरीकों को भली प्रकार से सीख लें। इसके अलावा एसएमएस और पंजिका को भरने के बारे में भी पूरी जानकारी प्राप्त की जाय। सभी कार्मिकों को सुझाव दिया कि प्रशिक्षण के दौरान आप में इतनी परिपक्वता आ जाए कि मतदान के दिन यदि कोई दिक्कत आती है तो आपको पता होना चाहिए कि आपको क्या करना है। मतदान कार्मिकों का आह्वान किया कि पूरे मनोयोग के साथ ईवीएम संचालन तथा मतदान प्रक्रिया के बारे में सैद्धान्तिक प्रशिक्षण प्राप्त कर लें ताकि पोलिंग डे पर आपको को किसी प्रकार असुविधा न हो। सीडीओ ने मतदान कार्मिकों को मतदान प्रतिशत संकल्प एप्प के सम्बंध में जानकारी दी गई

इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी (प्रशिक्षण) पीडी एसएन चौरसियाए जिला विकास अधिकारी दिनकर विद्यार्थी, बीएस, प्रवीण तिवारी सहित काफी संख्या में पीठासीन अधिकारी मौजूद रहे। सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने प्रशिक्षण स्थल डीएस कॉलेज में सोमवार से शुरू हुए प्रशिक्षण में अनुपस्थित कार्मिकों का ब्यौरा तलब किया। वही अनुपस्थित कार्मिकों को एक और मौका देते हुए मंगलवार को दूसरी शिफ्ट में अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए अन्यथा की स्थिति में अनुपस्थित कार्मिकों पर विभागीय कार्यवाही शुरू की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित कार्मिकों का डाटा सीडीओ ने स्वयं अपने पास नोट किया। बताते चलें कि प्रथम पाली में 87 कार्मिक एवं द्वितीय पाली में 76 कार्मिक अनुपस्थित रहे।

डीएम ने नई गेहूं फसल की कटाई कर क्रॉप कटिंग का किया शुभारंभ

फर्रुखाबाद। डीएम बी.के. सिंह ने आज सोमवार को एक तैयार नई गेहूं फसल के खेत की स्वयं कटाई कर क्रॉप कटिंग का शुभारंभ किया गया। जिला अधिकारी बी.के. सिंह ने स्वयं आज सोमवार को फर्रुखाबाद तहसील सदर के परगना पहाड़ा स्थित ग्राम ढिलावल के खसरा नंबर 283-0.214हे0 में नए गेहूं की खडी तैयार फसल में से 43.5 वर्ग मीटर क्षेत्रफल गेहूं की कटाई कर क्रॉप कटिंग का शुभारंभ किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी वी 0के 0सिंह ने प्रशिक्षु आईएएस महेंद्र सिंह एवं प्रशिक्षु एसडीएम आशीष भारद्वाज को भी क्रॉप कटिंग का प्रशिक्षण दिया गया। एरिया 43.5 मे ,नई गेहूं फसल क्रॉप कटिंग के परिणामस्वरुप 18.600 किग्रा गेहूं उत्पादित हुआ।

जिला बार एसो. ने स्मृति चिन्ह देकर दी जजों को विदाई

● जजो ने कहा दिए गए स्नेह को कभी भुला नही पाऊंगा ●जिला बार एसो. के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने कहा सभी जजों के बार से मधुर संबंध रहे

कानपुर देहात। जिला बार एसोसिएशन कानपुर देहात द्वारा सभागार में जजो के स्थानांतरण पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। अधिवक्ताओं ने अपर जिला जज बकर शमीम रिजवी रवि यादव व सिविल जज सीनियर डिवीजन तौसीफ रजा नेहा बनौदिया सिविल जज जूनियर डिवीजन श्रेतिका उपाध्याय मोहम्मद फराज हुसैन जुडिशल मजिस्ट्रेट को भावभीनी विदाई दी। जिला बार के पदाधिकारी समेत वरिष्ठ वक्ताओं ने अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह व बुकें देकर सम्मानित किया, वहीं न्यायिक अधिकारियों ने बार की कार्य प्रणाली व व्यवहार की सराहना की तथा कहा कि आप लोगों ने जो स्नेह दिया उसे भुलाया नहीं जा सकता।

जिला बार एशो. के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव ने विदाई समारोह में कहा कि सभी स्थानांतरित जजो ने न्याय की भावना से जनता को न्याय दिलाने का भरपूर प्रयास किया तथा अपने धर्म व कर्म दोनों को ईमानदारी से निभाया। बार व बेंच के बीच बेहतर सम्बन्ध से ही लोगो को समय पर न्याय मिलता है और सभी जजो के बार के साथ बेहतर सम्बन्ध रहे जिसके कारण सभी जजो ने बेहतर कार्य किये है। इस मौके पर प्रमुख रूप से संपत लाल यादव पूर्व अध्यक्ष, रवींद्र नाथ मिश्र, रमेश चंद्र सिंह गौर, अशोक श्रीवास्तव, राजू पोरवाल डीजीसी, घनश्याम सिंह राठौर, मंत्री सर्वेंद्र सिंह संयुक्त मंत्री, सुलेखा यादव, शमशाद खान, चंद्र लता, सुभाष चंद्र, विश्वनाथ सिंह, राकेश त्रिपाठी, दीपक यादव, वकार अहमद, सुशील तिवारी, राहुल सिंह, महेंद्र यादव, रजत सिंह, रंजीत सिंह, विकास सविता, कमलेश राजपूत, जितेंद्र निषाद आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे मौजूद रहे।

ट्रेन के शौचालय में फांसी लगाकर युवक का शव बरामद

फर्रुखाबाद। जीआरपी थाना फर्रुखाबाद पुलिसने आज सोमवार को फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन पर उत्तर मध्य रेलवे की एक पैसेंजर ट्रेन के शौचालय में फांसी लगाकर आत्महत्या करने वालेअज्ञात युवक का शव बरामद किया। उत्तर मध्य रेलवे के टूंडला स्टेशन से फर्रुखाबाद जंक्शन स्टेशन पर पूर्वान्ह करीब 10.25 बजे प्रतिदिन आने वाली 01918 पैसेंजर ट्रेन आज जैसे ही पूर्वोत्तर रेलवे फर्रुखाबाद जंक्शन स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर पांच पर आकर रुकी वैसे ही ट्रेन के जनरल कोच संख्या 164057 के शौचालय में फांसी लगाकर एक 40 वर्षीय अज्ञात रेल यात्री युवक के मरने की सनसनीखेज चर्चा रेल यात्रियों में फैल गई।

इधर घटना की सूचना मिलते ही स्टेशन मास्टर ने मेमो पुलिस को भेजा इसके बाद आरपीएफ एवं जीआरपी थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर टूंडला -फर्रुखाबाद पैसेंजर ट्रेन की इस घटना वाली ट्रेन वोगी के शौचालय की बाहरी खुली खिड़की से फांसी लगाकर आत्महत्या करने वाले ट्रेन यात्री को देखा और उसके फोटो खींचे गए। इसके बाद पुलिस नेशौचालय से आत्महत्या करने वाले अज्ञात ट्रेन यात्री युवक के शब को अपने कब्जे में लेकर शिनाख्त कारवाई शुरू कराई गई। खबर लिखने तक मृतक अज्ञात ट्रेन यात्री की शिनाख्त नहीं हो सकी।

इग्नू ने आयोजित की नए प्रवेशार्थियों का परिचय सम्मेलन

संवाददाता। पुखरायां, कानपुर देहात

पुखरायां कस्बा स्थित रामस्वरूप ग्राम उद्योग परास्नातक महाविद्यालय पुखरायां कानपुर देहात में संचालित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय 1/4 इग्नू 1/2 के अध्ययन केंद्र में नव प्रवेशित छात्र , छात्राओं के साथ परिचय सत्र की बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ की सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ रीना कुमारी ने विद्यार्थियों के साथ परिचय वार्ता किया।

उन्होंने बताया कि इग्नू दूरस्थ शिक्षा का एक ऐसा विश्वविद्यालय है जो अपने विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों तरह के लगभग ढाई सौ से अधिक कोर्स उपलब्ध करा रहा है। इग्नू का प्रत्येक कोर्स विद्यापीठ द्वारा अनुमोदित होता है। इग्नू का उद्देश्य जहां एक ओर राष्ट्रीय उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि करना है वहीं राष्ट्रीय विकास में अपने विद्यार्थियों के माध्यम से

दीप प्रज्जवलित कर सम्मेलन का शुभारंभ करती क्षेत्रीय निदेशक

अपना योगदान सुनिश्चित कराना है। विद्यार्थियों को इग्नू के कोर्सेज में प्रवेश लेना, इग्नू के वेबसाइट को प्रयोग करना और अपने-अपने विषयों में सत्रीय कार्य करने की पूरी जानकारी दी। तथा कहा कि इग्नू के कोर्स में अध्ययन करके विद्यार्थी अपने स्वयं के भविष्य को कैसे उज्जवल बनाएंगे इसके संबंध में चर्चा की।

अपने व्याख्यान के अंत में लोकतंत्र के महान उत्सव 1/4आम चुनाव 1/2 के संदर्भ में विद्यार्थियों को मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई और समुचित रूप से मताधिकार का उपयोग करके वह किस प्रकार राष्ट्रीय अस्मिता को संरक्षित कर पाएंगे। कार्यक्रम का संचालन इग्नू अध्ययन केंद्र समन्वयक डॉ पर्वत सिंह ने करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के वह बच्चे जो समय अथवा धनाभाव के कारण नियमित कोर्स में प्रवेश नहीं ले पाते हैं उनके लिए इग्नू एक सुनहरा अवसर है।

डॉ के के सिंह ने कहा कि विद्यार्थी इग्नू के कोर्स के माध्यम से अपने भविष्य को उज्जवल एवं आर्थिक रूप से स्वालंबी बना सकते हैं। इस अवसर पर डॉ रमणीक श्रीवास्तव, डॉ जितेंद्र कुमार, डॉ निधि अग्रवाल, डॉ अंशुमान उपाध्याय, डॉ इदरीस खान, डॉ शिवनारायण यादव ,संजय कुमार, आशीष कुमार, इंद्रजीत सिंह, रवि राज आदि उपस्थित रहे।

पति से बिवाद होने पर पत्नी ने मासूम के साथ आग लगा कर की आत्महत्या

हमीरपुर। जिले के मुस्करा क्षेत्र में सोमवार को पति से विवाद होने पर पत्नी ने छह माह की मासूम बच्ची के साथ आग लगा ली जिससे उरई में उपचार के दौरान दोनो की मृत्यु हो गयी। क्षेत्र के पहाड़ी डेरा गांव निवासी उत्तम सिंह की पत्नी किरन (28) दो दिन पहले मायके से लौटकर पहाड़ी डेरा आयी थी सोमवार को सुवह किसी बात को लेकर पति व पत्नी में विवाद हो गया। किरन व उत्तम सिंह की शादी चार साल पहले हुई थी। किरन का मायका महोवा जिले के गौरहारी गांव बताया जाता है। सोमवार को जब परिवारी जन खेत चले गये तभी किरन अपनी छह माह की बच्ची आराध्या को गोद में लेकर आग लगा ली। जिससे दोनो बुरी तरह जल गये परिवारी जनों को जानकारी होने पर दोनो को सीएचसी मुस्कार में भर्ती कराया गया जहा डाक्टरों ने मा व बेटी को मेडिकल कालेज उरई रिफर कर दिया, जिसकी उपचार के दौरान दोनो की मृत्यु हो गयी।

क्विक न्यूज

झोपड़ी में आग लगने से मची अफरा तफरी

मैगलगंज खीरी। कोतवाली मैगलगंज क्षेत्र के एक झोपड़ी में लगी भीषण आग।आग लगने से घर मे पड़ी झोपड़ी धू धू कर जलने लगी।धुआं देखकर मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गयी।घटना की सूचना के बाद भी मौके पर फायर बिग्रेड की टीम नही पहुँची।आग लगने से घर मे रखी खाने पीने की सामग्री सहित बाइक जलकर राख हो गई।इसके साथ ही एक बच्चे की जलने की सूचना सामने आ रही है।काफिले के साथ धौरहरा जा रहे बसपा नेता श्याम किशोर अवस्थी ने गांव में मची अफरा तफरी को देखकर काफिला रोकर पीड़ित परिवार को मिलकर ढांढस बंधाया।गांवों बालो के सहयोग से बाल्टियों से पानी डालकर आग पर काबू पाया गया।इसके साथ ही बसपा प्रत्याशी ने पीड़ित परिवार को राशन सामग्री के लिए मदद की तथा अधिकारियों को फोन कॉल से घटना के बारे में अबगत कराकर पीड़ित परिवार की यथा संभव मदद के लिए अबगत कराया।मौके पर पहुँची मैगलगंज पुलिस ने मार्ग में लगे जाम को खाली कराया।

चेकिंग के दौरान उड़नदस्ता टीम ने 2.66 लाख रुपए किए जब्त

राठ, हमीरपुर। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर उड़नदस्ता टीम ने मझगवां थानाध्यक्ष के साथ गिरवर चौकी पर वाहन चेकिंग के दौरान उड़नदस्ता टीम ने एक चार पहिया वाहन से 2.66 लाख रुपए की संदिग्ध राशि जब्त की है। मझगवां थानाध्यक्ष नंदलाल प्रजापति ने बताया कि सोमवार को पनवाड़ी मार्ग स्थित गिरवर चौकी पर वह उड़नदस्ता टीम के साथ आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान गिरवर बैरियर के पास वाहन सवार अभिषेक पुत्र रामनरेश निवासी ग्राम पौथिया थाना कोतवाली नगर जनपद हमीरपुर के कब्जे से 2 लाख 66 हजार 500 रुपए बरामद हुए। जब व्यक्ति से बरामद धनराशि के संबंध में जानकारी की गई तो वह जबाब नहीं दे सका। । प्रथम दृष्टया प्रतीत हुआ कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन को प्रभावित करने के उद्देश्य से उक्त धनराशि का प्रयोग कर मतदाताओं को आकर्षित किये जाने की पूर्ण आशंका थी। जिस पर जिस कारण से उड़नदस्ता टीम व मझगवां पुलिस ने धनराशि जब्त कर कार्रवाई की।

अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडा फोड़ कर दो को किया गिरफ्तार

हमीरपुर। जिले के जलालपुर क्षेत्र में सोमवार शाम पुलिस ने अवैध असलहा बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड कर दो लोगो को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र के जलालपुर गांव के पथरी डेरा जंगल में पुलिस ने छापा मारकर 18 अवैध तमंचा पंद्रह बोर,एक देशी रिवाल्वर व भारी मात्रा में जिंदा कारतूस के साथ चंद्रभान विश्वकर्मा निवासी ग्राम सरसई थाना राठ व विन्दा राजपूत निवासी ग्राम टोला थाना मझगवा को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि स्थान बदल बदल कर जंगलो में अवैध असलहे निर्मित कर मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के कई जिलो में असलहों की विक्री करते है। जो धन अर्जित होता था उसे बराबर बराबर बांट लेते है उसी से उनके परिवार को भरण पोषण होता है। पुलिस ने दोनो आरोपियों को जेल भेज दिया है।

ई रिक्शा पलटने से छह लोग घायल

राठ (हमीरपुर)। शादी समारोह से खाना बनाकर आरहे छह लोगो से भरा रिक्शा पलट गया जिसमे आधा दर्जन लोग घायल हो गये सिकंदरपुरा मोहल्ला निवासी श्याम ने बताया कि रविवार की रात वह एक शादी समारोह से खाना बनाकर ई रिक्शा से घर लौट रहे थे। रोजवेज बस स्टैंड के पास रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। रिक्शा में सवार कैलाश रानी पत्नी धर्मपाल, कमलेश पुत्र रामप्रकाश, सुबरतन पत्नी मल्लू, पार्वती पत्नी जियालाल, जशोदा पत्नी सोहनलाल घायल हो गए। सीएचसी ले जाया गया। डॉ अखिलेश सिंह ने बताया कि सभी घायलों का इलाज कर दिया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में खड़ी ओमनी कार धूं-धूं कर जली

फर्रुखाबाद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर में खड़ी ओमनी कार में भीषण आग लगनें से हड़कंप मच गया। आफरा-तफरी के बीच सीएचसी कर्मियों नें बाल्टियों से पानी डालकर आग पर काबू पाया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर परिसर में कबाड़ हो चुकी एक ओमनी कार खड़ी है। जिसमे सोमवार को अचानक आग लग गयी। जिससे कार में लपटें उठती देख मौके पर भीड़ लग गयी । सीएचसी प्रभारी डॉ. आरिफसिद्दीकी, डा.अमित वर्मा, फारमासिस्ट आलोक कटियार आदि मौके पर पंहुचे । अस्पताल कर्मियों नें बाल्टी आदि से आग पर काबू पाया।

लगातार हो रही अग्निकांड की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई की मांग

संडीला (हरदोई)। क्षेत्र में लगातार हो रहे अग्नि कांडों को देखते हुए प्रत्येक ब्लाक और थाना स्तर पर अग्निशमन केन्द्रों को अस्थाई रूप से स्थापित करने की मांग की गयी है। ब्लाक भरावन के अंतर्गत ग्राम पत्थरताली निवासी शिवाकांत तिवारी ने डीएम एवं प्रदेश के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस अधीक्षक हरदोई को भेजे गए पत्रों में कहा है कि संडीला मुख्यालय पर अग्निशमन केन्द्र स्थापित है लेकिन यहां से अतरौली की दूरी 25 किमी और ब्लाक मुख्यालय से सीमावर्ती ग्राम पंचायतों की दूसरी 15.17 किमी तक है। इन क्षेत्रों में अग्निकांड की कई घटनाएं हुई हैं जिनसे व्यापक छति इसलिए हो पाई क्योंकि फायर स्टेशन की दूरी काफी अधिक थी और इसके अलावा रेलवे क्रांसिंग इत्यादि के अवरोध के कारण भी फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंच पाया। ब्लाक और थाना स्तर पर अस्थाई रूप से वर्षा काल तक फायर सबस्टेशन स्थापित किए जाएं जिससे अग्निकांड की घटनाओं पर तत्काल काबू पाया जा सके।

डीएम-एसपी ने नामांकन की तैयारियों का लिया जायजा, दिए निर्देश

लखीमपुर खीरी। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार चतुर्थ चरण में खीरी और धौरहरा लोकसभा सीट पर 18 अप्रैल से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी। सोमवार सुबह डीएम महेंद्र बहादुर सिंह एवं एसपी गणेश प्रसाद साहा ने कलेक्ट्रेट में नामांकन प्रक्रिया के संबंध में व्यवस्थाओं और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

इस दौरान एडीएम संजय कुमार सिंहए एएसपी नेपाल सिंह एवं एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह को व्यवस्थाओं के संबंध में दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी, डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। 18.अप्रैल से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। डीएम के न्यायालय कक्ष में 28 खीरी संसदीय क्षेत्र और एडीएम के न्यायालय कक्ष में 29.धौरहरा संसदीय क्षेत्र के लिए नामांकन दाखिल होंगे।

डीएम.एसपी ने कलेक्ट्रेट परिसर के मुख्य द्वार से लेकर नामांकन स्थल पर लगने वाली बैरिकेडिंग व अन्य व्यवस्थाएं के संबंध में जरूरी दिशा निर्देश दिए। मुख्य द्वार से कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। केवल सीमित लोगों को ही प्रवेश दिया जाएगा। एसपी गणेश प्रसाद साहा ने एएसपी को सभी बैरियरए चेक प्वाइंटों पर पुलिस की तैनाती के संबंध में निर्देश दिए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था निर्धारित होनी है। कलेक्ट्रेट पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में नामांकन की प्रक्रिया चलेगी। केवल प्रत्याशी, उनके प्रस्ताव व निर्धारित संख्या में ही लोग नामांकन स्थल पर प्रवेश कर पाएंगे। 28 खीरी सीट के नामांकन डीएम महेंद्र बहादुर सिंह बतौर रिटर्निंग अफसर तो 29 धौरहरा सीट की नामांकन प्रक्रिया मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह द्वारा रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में पूरी कराएंगे।

विद्यालयों के समय परिवर्तन को लेकर शिक्षामंत्री को भेजा ज्ञापन

संडीला (हरदोई)। भीषण गर्मी में उमस और घुटन के बीच विद्यालयों के छात्र छात्राएं अध्ययन के लिए विवश हैं। इस संबंध में प्रदेश के शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर विद्यालय समय परिवर्तित करने की मांग की गयी है। गर्मी के मौसम में विद्यालयों में प्रात: 8 बजे से अपराहन 2 बजे तक विद्यालय संचालन के आदेश हैं। इस अवधि में छात्र छात्राओं को कक्षाओं में बैठकर अध्ययन और शिक्षकों को अध्यापन करना होता है। यदि हम प्रदेश के बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित कक्षा 1 से लेकर 8 तक के विद्यालयों की बात करें तो नगरीय क्षेत्रों को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की सप्लाई का कोई शेड्यूल नहीं है। अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में हैं जहां बिजली पहुंची ही नहीं है। कम से कम 10 प्रतिशत विद्यालय ऐसे हैं जहां वायरिंग अथवा ट्रांस्फॉर्मर में त्रुटि के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है। कल्पना की जा सकती है कि भीषण गर्मी में कक्षा में बैठकर छात्र छात्राओं के लिए अध्ययन करना कितना कठिन कार्य है। अध्यापक तो किसी प्रकार तमाम कष्ट सहकर अपनी ड्यूटी कर ही लेते हैं। गौरतलब है कि सरकारी स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राएं गरीब तपके से आते हैं क्योंकि ग्राम्य स्तर पर भी जो परिवार संपन्न हैंए वे अपने पाल्यों को कॉन्वेंट स्कूलों में जो समस्त सुविधाओं से लैस हैंए पढ़ा रहे हैं। कॉन्वेंट स्कूलों की मिनी बसें गांव गांव जाकर इन संपन्न परिवारों के बच्चों को ला रही हैं।

कुल मिलाकर यही स्थिति माध्यमिक विद्यालयों की है। सरकार सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में तो इतनी फीस प्रबल तंत्र को नहीं मिलती कि वे बिजली की आपूर्ति पर होने वाला खर्च वहन कर सके क्योंकि प्रदेश सरकार ने जो शुल्क निर्धारित किया हैए उसमे विद्युत शुल्क का कोई मद ही नहीं है। सवाल उठता है कि आखिर वे किस मद से बिजली के बिल भरें। यदि वे अभिभावकों से विद्युत आपूर्ति के लिए कोई शुल्क निर्धारित करते हैं तो उसकी शिकायतें होती हैं और कई बार प्रधानाचार्यों और प्रबल तंत्र के समक्ष विषम परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं। अप्रैल मास में उत्तरोत्तर गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। ऐसी स्थिति में क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों ने शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर मांग की है कि विद्यालयों के समय को परिवर्तित कर दिया जाए ताकि छात्र छात्राओं को भीषण गर्मी में अध्ययन करने को विवश न होना पड़ें। बतातें चलें कि गर्मी के मौसम में स्कूल अवधि पचासों साल से प्रात: 7 ध् 7.30 बजे से 12.30 बजे तक हुआ करती थी जिसे अब प्रात: 8 बजे से 2 बजे तक कर दिया गया है जबकि शिक्षक विद्यालय से 2.30 बजे ही निकलेंगे।

बिजली महकमे और एनसीसी कंपनी की सांठ गाँठ, पूरा नहीं हो पा रहा खम्बे, तार का काम

लखीमपुर खीरी। बिजली महकमे और समस्याओं का तो चोली दामन का साथ है। एक तरफ भीषण गर्मी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है तो दूसरी तरफ तमाम दावों के बावजूद बिजली महकमे अपनी व्यवस्थाओं को इतना दुरुस्त नहीं कर सका है कि वह अघोषित बिजली की समस्या से लोगों को राहत दी सके। शहर के कई मोहल्लों में तो दिन.रात को घंटों.घंटों बिजली गुल रहती है। परेशान हाल लोग छतों पर और सड़कों पर भटकते रहते हैं लेकिन महकमे को इससे कोई लेना.देना नहीं। किसी ने फ़ोन किया तो रटारटाया एक ही जवाब मिलता है काम चल रहा है इसलिए कटौती हो रही है।

पिछले कई महीनों से शहर के पुराने खम्बों और तारों को बदलने का काम चल रहा है। बिजली जैसी आवश्यक जरुरत के बावजूद यह काम की हालत कछुआ चाल सी है। ठेका कंपनी एनसीसी मनमर्जी से काम को अंजाम दी रही है। कई महीनों बाद ज्यादातर क्षेत्र में खम्बे तक नहीं लग पाए हैं। हास्यास्पद बात यह है कि ठेका होने के बावजूद बिजली कर्मचारी खुद कई जगहों पर काम करते नज़र आते हैं। अब यह मज़बूरी है या फिर कोई सांठगाँठए समझ से परे है। अभी रविवार को ही सलेमपुर कोन की तरफ बिजली कर्मचारी नया ट्रांसफार्मर लगा रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि यह काम तो ष्एनसीसीष् कंपनी का है तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। सिर्फ इतना कहा कि वह वही काम कर रहे हैं जो उनके साहब ने कहा है। जब साहब को फोन किया गया तो उन्होंने स्विच ऑफ कर रखा था।

अप्रैल माह शुरू होने के साथ ही गर्मी ने अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है। चिलचिलाती गर्मी के चलते हर दम लाइट की जरुरत बनी रहती है। खासकर मध्यम और गरीब परिवारों को क्योंकि कि बहुत से परिवारों के पास इन्वर्टर तक नहीं हैं। इन्हें तो बस बिजली का ही सहारा है। जब लाइट चली जाती है तो इनके परिवार को काफी दिक्कत उठानी पड़ती है। सबसे ज्यादा परेशानी तो बच्चों को होती है। लाइट चली जाने के बाद पंखा बंद हो जाने और गर्मी से इन बच्चों की नींद खुल जाती है। जिसके बाद काफी देर इन्हें नींद तक नहीं आती। कई लोगों ने बताया कि सुबह स्कूल जाने के लिए बच्चे को बमुश्किल जगा मिलता है।

ईओ ने नलकूप ऑपरेटरों की समीक्षा बैठक में दिये टिप्स

पालिका में नलकूप ऑपवरेटरों की बैठक लेते ईओ अनिल पंडित।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नगर पालिका परिषद सभागार में अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित नें समस्त नलकूप चालकों की समीक्षा बैठक लेते हुये जहां एक ओर नलकूपों के संचालन के संबन्ध में आवश्यक टिप्स दिये तो वही दूसरी ओर उनके द्वारा क्लोरीन चेक किये जानें की टेस्टिंग किट का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। सोमवार को पालिका सभागार में आयोजित नलकूप ऑपरेटरों की समीक्षा बैठक में अधिशासी अधिकारी अनिल पंडित नें सभी नलकूप ऑपरेटरों को टिप्स देते हुये बताया कि बिजली आने पर वोल्ट एम्पीयर का अवलोकन कर ही नलकूप चलायें। क्लोरीन डोजर को संचालित रखें एवं नियमित रूप से क्लोरीन की मात्रा की जाँच करते रहें। इसके बाद सभी नलकूप ऑपरेटरों को क्लोरीन चेक किए जाने की टेस्टिंग किट उपलब्ध कराकर अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान अधिशासी अधिकारी द्वारा बताया गया कि नागरिकों को न केवल साफ बल्कि शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना पालिका की प्राथमिकता है। इस दौरान जलकल पटल इंचार्ज आरपी सिंह, नलकूप देखेरख प्रभारी जर्नादन मिश्रा, अकील खॉन, मो. कैसर, मनोज तिवारी आदि मौजूद रहे।

जिम्मेदारों की छत्र छाया में हो रहा अवैध खनन

● खुलेआम गुजरती हैं ट्रेक्टर ट्रालियां

लखीमपुर खीरी। सैंया भये कोतवाल तो अब डर काहे काष्। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध खनन पर सालों पहले से रोक लगा रखी है। उम्मीद थी कि आदेश के बाद सख्ती देखने को मिलेगी मगर यह आदेश तो उल्टा ष्और अधिक मुनाफेष् व ऊपरी इनकम का जरिया साबित हुआ। अपने कोतवालों की छत्र छाया में इस गोरखबाज पहले से अधिक खनन करने में जुट गए हुए हैं। सबसे बड़ी बात यह है की खुलेआम होते इस गोरखधंधे को देखने के बावजूद कोई रोकने वाला नहीं। नतीजन खनन करते समय न तो इन्हें किसी आदेश का डर रहता है और न ही यह नियमों को मानते हैं।

पहले जानते हैं कि वह कोतवाल कौन.कौन हैं जो इन गोरखियों पर हाथ रखे हुए हैं। इसमें पहला नाम आता है खनन विभाग का। इस महकमे की जिम्मेदारी बनती है कि वह न केवल अवैध खनन को होने से रोकेए बल्कि कहीं हो रहे मिट्टी खनन को तय सीमा से अधिक न होने दी। लेकिन इस महकमे के जिम्मेदार इसके उलट काम करते हैं। यह न तो अवैध खनन रोकने का प्रयास करते हैं और न ही तय सीमा से अधिक खनन पर किसी प्रकार की कार्रवाई करते हैं। उलटे कई बार जानकारी देने के बाद इस महकमे के लोग तब पहुँचते हैं। जब खनन करने वाले मौके से फरार हो चुके होते हैं।

अब बारी आती है दूसरे कोतवाल यानी पुलिस की। पुलिस का रवैय्या तो और भी ज्यादा सवालों के घेरे में हैं। सुबह.सुबह तमाम ट्रेक्टर.ट्रालियां अवैध बालू या मिट्टी लेकर गुजरती हैं। इनकी जांच की बजाए पुलिस के सिपाही इनसे सिर्फ वसूली करते ही नज़र आते हैं। शहर की सीमा से जुदा शायद हो कोई मुख्य मार्ग होता हो जहाँ से यह ट्रेक्टर.ट्रालियां न गुजरती हों। लेकिन ष्अमानत में खयानतष् से चलती भ्रष्टाचार की गाड़ी पर आखिर कौन रोक लगाये। तीसरा और अहम नाम आता है एआरटीओ महकमे का। वैसे तो इसका अवैध खनन से कोई लेना देना नहीं होता फिर भी इसका काम होता है यह चेक करना कि कौन नियम विरुद्ध क्या और कितना लेकर जा रहा है। अव्वल तो ट्रेक्टर.ट्रालियां को भी मिट्टीए बालू या फिर लकड़ी सप्लाई करने के लिए परमिशन की जरुरत पड़ती है। लेकिन शहर में दौड़ रहीं ट्रेक्टर.ट्रालियां इससे पूरी तरह मुक्त हैं। खुद कई ट्रेक्टर.ट्रालियों के स्वामियों ने बताया कि उनकी ट्रेक्टर.ट्रालियां किराये पर लेकर लोग काम करते हैं। कोई वैध काम कर रहा है या अवैधए इससे उनका कोई सरोकार नहीं। जो किराये पर ले जाता है यह उसकी जिम्मेदारी होती है। बिना परमिशन इन ट्रेक्टर.ट्रालियों पर जरुरत से ज्यादा लोड डाल रोज अवैध खनन का माल सप्लाई किया जाता है लेकिन एआरटीओ महकमे के लोग अपनी खुराक लेकर इससे अनजान बने रहते हैं।

युवराज अमेठी सीट नहीं बचा पाए तो वोट मांगने केरल पहुंच गए

मोदी का राहुल गांधी पर तंज

भाषा। तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर

कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) पर तीखा प्रहार करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि सबसे पुरानी पार्टी के युवराज उत्तर प्रदेश में अपने परिवार की सीट की रक्षा नहीं कर सके और वोट मांगने के लिए केरल आ गए। मोदी ने केरल के सत्तारूढ़ वाम दल पर राज्य में गरीबों को लूटने का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि राज्य के 300 सहकारी बैंकों में गरीबों, मजदूर वर्ग, महिलाओं और खाड़ी देशों से लौटे लोगों द्वारा लगभग एक लाख करोड़ रुपए जमा कराए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पैसा माकपा के भ्रष्टाचार के कारण खतरे में है। अलाथुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के कुन्नमकुलम में अपनी सार्वजनिक सभा के दौरान मोदी ने करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाले का मुद्दा उठाया और कहा कि उन्होंने ही इस घोटाले की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच शुरू कराई थी। उन्होंने कहा कि अब वह इस बारे में कानूनी सलाह ले रहे हैं कि एजेंसियों द्वारा जब्त राशि से निवेशकों का पैसा कैसे लौटाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अलाथुर निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार टी एन सरासु ने हाल ही में सहकारी बैंक में पैसा जमा करने के फलस्वरूप पीड़ित हुए लोगों की दुर्दशा की तरफ उनका ध्यान आकर्षित किया था। यह मोदी का राज्य का छठा दौरा है। वह पिछली बार 19 मार्च को केरल आए थे, जहां 26 अप्रैल को मतदान होना है। मोदी ने कहा कि केरल और देश की प्रगति के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पिछले एक दशक के शासन में जो कुछ देखा गया वह महज एक झांकी है। मोदी ने केरल के लोगों से लोकसभा चुनाव में राजग के लिए समर्थन मांगा।

मणिपुर में शांति स्थापित करना केंद्र की प्राथमिकता: अमित शाह

इम्फाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की प्राथमिकता जातीय संघर्ष प्रभावित मणिपुर में शांति स्थापित करना है। शाह ने इस पूर्वोत्तर राज्य के बंटवारे से भी इनकार किया। शाह ने इम्फाल में एक जनसभा में कहा कि यह लोकसभा चुनाव मणिपुर को तोड़ने की कोशिश करने वाली ताकतों और इसे एकजुट रखने वालों के बीच है। उन्होंने कहा, चाहे कोई कितनी भी कोशिश कर ले, हम किसी को मणिपुर को विभाजित नहीं करने देंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज्य की जनसांख्यिकी को बदलने के लिए घुसपैठ के प्रयास किए गए। शाह ने कहा, सभी समुदायों को साथ लेकर और राज्य को तोड़े बिना मणिपुर में शांति स्थापित करना नरेन्द्र मोदी सरकार की प्राथमिकता है। पिछले साल तीन मई को मणिपुर में जातीय झड़प शुरू होने के बाद कम से कम 219 लोग मारे गए थे, जब मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि देश का भाग्य तब बदलेगा, जब पूर्वोत्तर और मणिपुर का भाग्य बदलेगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस का एजेंडा मणिपुर को विभाजित करने का है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि किसी में भी मणिपुर को बांटने की हिम्मत नहीं है। उन्होंने कहा, यह चुनाव मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए है। यह चुनाव कांग्रेस और भाजपा के बीच नहीं है, बल्कि उन ताकतों के बीच है, जो मणिपुर को तोड़ने की बात करते हैं और जो मणिपुर को एकजुट रखना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश को उत्तर और दक्षिण में बांटना चाहती है। शाह ने कहा, कांग्रेस कहती है कि छोटे राज्यों में जाने से क्या होगा, लेकिन ए छोटे राज्य देश की आत्मा हैं। कांग्रेस ने कभी भी मणिपुर का सम्मान नहीं किया और राज्य को हजारों दिनों तक नाकेबंदी में रखा। सिर्फ बंद ही नहीं, इबोबी सिंह सरकार द्वारा फर्जी मुठभेड़ भी कराए गए। भाजपा के एन बीरेन सिंह के कार्यभार संभालने से पहले 2012 और 2017 के बीच कांग्रेस के ओकराम इबोबी सिंह मणिपुर के मुख्यमंत्री थे।

भारत को प. एशिया में स्थिरता लाने में भूमिका निभानी चाहिए

भाषा। नई दिल्ली

भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने सोमवार को यहां कहा कि इजराइल मजबूत और परिस्थिति के अनुसार ढलने में सक्षम है और वह ईरान के हालिया हमले के बाद जरूरत पड़ने पर उसका मुकाबला करेगा। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत को पश्चिम एशिया क्षेत्र में स्थिरता लाने में भूमिका निभानी चाहिए। गिलोन ने यहां इजराइली दूतावास में पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार के दौरान कहा कि अमेरिका और क्षेत्र में अन्य मित्रों के समर्थन से इजराइली रक्षा बल ईरान द्वारा दागे गए 99 प्रतिशत ड्रोन और मिसाइल रोकने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि लेकिन शनिवार देर रात हुए हमले में नेवातिम हवाई अड्डे को मामूली क्षति पहुंची। इजराइल पर ईरान द्वारा ड्रोन और मिसाइल हमला किए जाने के बाद भारत ने रविवार को कहा था कि वह दोनों देशों के बीच बढ़ते संघर्ष को लेकर अत्यंत चिंतित है और हमले से क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को खतरा है। ईरान ने एक अप्रैल को दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर संदिग्ध इजराइली हवाई हमले में दो जनरल सहित ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के सात कर्मियों के मारे जाने की घटना के जवाब में शनिवार देर रात इजराइल पर सैंकड़ों ड्रोन और मिसाइल दागीं। भारत ने इस घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए तत्काल तनाव कम करने की अपील की। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने इजराइली और ईरानी समकक्षों के साथ टेलीफोन पर बात की। राजदूत गिलोन ने साक्षात्कार के दौरान कहा कि भारत को स्थिति को सामान्य करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में एक बहुत सम्मानित पक्ष के रूप में अपना प्रभाव डालना चाहिए। उनसे सवाल किया गया था कि जयशंकर द्वारा इजराइल और ईरान में अपने समकक्षों के साथ टेलीफोन पर बातचीत किए जाने के मद्देनजर, उन्हें वर्तमान स्थिति में भारत से किस भूमिका की अपेक्षा है।

गिलोन ने कहा, मुझे लगता है कि एक मित्र के रूप में हम भारत से यह उम्मीद करते हैं कि वह अंतरराष्ट्रीय समुदाय में बेहद मजबूती से यह सुनिश्चित करे कि ईरान पश्चिम एशिया में अस्थिरता पैदा करने की अपनी गतिविधियों को रोके। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि एक क्षेत्र के रूप में पश्चिम एशिया भारत के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि उस क्षेत्र में लाखों भारतीय काम करते हैं। उसके (क्षेत्र में) कई व्यापारिक संबंध हैं। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर के साथ मजबूत संबंध हैं। मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारत ईरान को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हिस्से के रूप में सक्रिय भूमिका निभाए।

न्यायालय ने रेलवे के सुरक्षा उपायों की सराहना की, याचिका का निस्तारण किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ट्रेन दुर्घटनाएं रोकने के लिए कवच प्रणाली के इस्तेमाल सहित भारतीय रेल की ओर से उठाए गए कदमों की सोमवार को सराहना की।

रेलवे के अनुसार, कवच प्रणाली ट्रेनों की टक्कर होने से रोकने का काम करती है। जिन रेल मार्गों पर इसे लगाया गया है, उनपर सिग्नल का उल्लंघन करने पर ट्रेन खुद ही रुक जाती है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने उस याचिका का निस्तारण कर दिया, जिसमें यात्री सुरक्षा के मुद्दे उठाए गए थे। इससे पहले, न्यायालय ने दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा देने के लिए रेलवे द्वारा किए गए कई उपायों पर गौर किया। न्यायालय ने अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी द्वारा दाखिल स्थिति रिपोर्ट पर गौर करते हुए कहा, हम रेलवे द्वारा किए गए उपायों की सराहना करते हैं। याचिकाकर्ता विशाल तिवारी द्वारा दो जनवरी को दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कवच प्रणाली सहित सुरक्षा उपायों, यात्रियों की सुरक्षा के लिए अब तक किए गए या केंद्र के प्रस्तावित उपायों के बारे में जानना चाहा। ओडिशा के बालासोर जिले में पिछले साल जून में हुई रेल दुर्घटना का हवाला देते हुए याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि कवच प्रणाली नहीं लगाए जाने के चलते दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा कि अतीत में ट्रेनों के आपस में टकराने की कई घटनाएं हुई हैं। बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस तथा एक मालगाड़ी पिछले साल जून में बालासोर के बहानागा बाजार स्टेशन के निकट आपस में टकरा गई थीं। इस दुर्घटना में 288 लोगों की मौत हुई थी।

सलमान के घर के बाहर गोलीबारी के दोनों आरोपी नवी मुंबई में एक माह रहे

मुंबई। महाराष्ट्र के बांद्रा में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी करने वाले मोटरसाइकिल सवार दोनों आरोपी करीब एक महीने तक नवी मुंबई के पनवेल इलाके में किराए के मकान में रहे, इसी इलाके में सलमान का एक फार्महाउस है। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में दिन के दौरान, नवी मुंबई के तीन लोगों से पूछताछ की, जिनमें मकान के मालिक, अपराध में इस्तेमाल किए गए दोपहिया वाहन के पिछले मालिक, बिक्री की सुविधा देने वाले एजेंट और जांच के हिस्से के रूप में कई अन्य लोग शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने मोटरसाइकिल सलमान के घर से लगभग एक किलोमीटर दूर माउंट मैरी गिरजाघर के पास छोड़ दी थी। उन्होंने बताया कि यह मोटरसाइकिल नवी मुंबई के पनवेल इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत है। पनवेल के सहायक पुलिस आयुक्त अशोक राजपूत ने बताया कि उस व्यक्ति ने हाल ही में मोटरसाइकिल किसी दूसरे व्यक्ति को बेच दी थी। बांद्रा के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर दो लोगों ने सुबह करीब पांच बजे चार गोलियां चलाईं और मौके से भाग निकले। सलमान खान गैलेक्सी अपार्टमेंट में रहते हैं। अधिकारी ने बताया कि जांच में सामने आया कि लावारिस छोड़ी गई मोटरसाइकिल पनवेल में रहने वाले एक व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत है, जिसके बाद अपराध शाखा की एक टीम वहां गई और वाहन मालिक व दो अन्य लोगों को पूछताछ के लिए ले आई। अधिकारी के अनुसार, संदिग्ध गिरजाघर के पास वाहन छोड़कर कुछ दूर तक पैदल चले और बांद्रा रेलवे स्टेशन के लिए एक ऑटोरिक्शा लिया।

नींद का अधिकार बुनियादी मानवीय आवश्यकता: कोर्ट

रात में ईडी की पूछताछ पर अदालत ने कहा

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने धनशोधन मामले में एक वरिष्ठ नागरिक से रात भर पूछताछ करने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि सोने का अधिकार एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता है, जिसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने कहा कि बयान रात में दर्ज नहीं किए जाने चाहिए जब किसी व्यक्ति का संज्ञानात्मक कौशल क्षीण हो सकता है। अदालत ने यह आदेश 64 वर्षीय राम इसरानी की याचिका पर दिया जिन्होंने धनशोधन मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। ईडी ने अगस्त 2023 में इसरानी को गिरफ्तार किया था। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि वह जारी किए गए समन पर सात अगस्त, 2023 को एजेंसी के सामने पेश हुए और उनसे पूरी रात पूछताछ की गई तथा अगले दिन मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पीठ ने याचिका खारिज कर दी लेकिन कहा कि वह याचिकाकर्ता से रात भर पूछताछ करने की प्रथा को अस्वीकार करती है। जांच एजेंसी के वकील हितेन वेनेगांवकर ने अदालत को बताया कि इसरानी ने रात में अपना बयान दर्ज कराने के लिए सहमति दी थी। याचिका के अनुसार, ईडी अधिकारियों ने इसरानी से तड़के तक पूछताछ की। अदालत ने कहा, स्वैच्छिक या अन्यथा, हम उस तरीके की निंदा करते हैं जिस तरह इतनी देर रात में याचिकाकर्ता का बयान दर्ज किया गया, जो तड़के 3.30 बजे तक चला। इसने कहा कि सोने का अधिकार एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता है और इससे वंचित करना व्यक्ति के मानवाधिकार का उल्लंघन है। अदालत ने कहा कि वह समन जारी होने पर ईडी को बयान दर्ज करने के समय के बारे में एक परिपत्रादिशा-निर्देश जारी करने का निर्देश देना उचित समझती है।

मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के कोर्ट की निगरानी में सर्वेक्षण पर रोक बढ़ाई

भाषा। नई दिल्ली

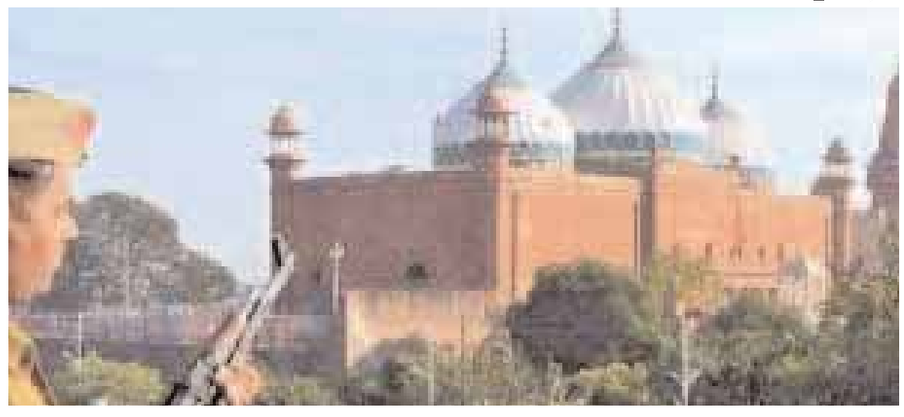

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर रोक बढ़ा दी जिसमें मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति दी गई थी। इस बीच, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मस्जिद प्रबंधन समिति द्वारा दायर याचिकाओं के एक समूह को पांच अगस्त से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया, जिसमें मथुरा अदालत के समक्ष लंबित विवाद से संबंधित सभी मामलों को अपने पास स्थानांतरित करने के उच्च न्यायालय के 26 मई, 2023 के आदेश को चुनौती देने वाला मामला भी शामिल है। पीठ ने आदेश में कहा, सभी अंतरिम आदेश जारी रहेंगे। पांच अगस्त से शुरू होने वाले सप्ताह में मामलों को फिर से सूचीबद्ध करें। इस बीच, सभी दलीलें पूरी कर ली जाएंगी। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय के समक्ष मुकदमे की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं होगी।मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद को स्थानांतरित करने के लिए दिवानी न्यायाधीश वरिष्ठ प्रभाग (तृतीय) की अदालत में एक मुकदमा दायर किया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि इसका निर्माण श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट की 13.37 एकड़ भूमि के एक हिस्से पर किया गया था। हिंदू पक्ष ने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया था कि मूल सुनवाई उसी तरह की जाए जैसे उसने बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि स्वामित्व विवाद में की थी।

पेज 1 का शेष

केरल...

जिन पार्टियों ने इतने वर्षों तक राज्य पर शासन किया, वे केरल की पर्यटन क्षमता का दोहन करने में विफल रहीं। उन्होंने आम आदमी की जरूरतों के प्रति उदासीनता के लिए सीपीआई (एम) और कांग्रेस सरकारों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, कम्युनिस्टों ने केरल को भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का दलदल बना दिया है। हालाँकि केंद्र सरकार ने राज्य को 36 लाख जल कनेक्शन की पेशकश की, लेकिन सीपीआई (एम) को इस योजना को लागू करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। अब, केरल के लोग पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। केंद्र सरकार राज्य के 1.5 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मुहैया करा रही है और यह अगले पांच साल तक जारी रहेगा। एलडीएफ और यूडीएफ जो कर रहे थे वह राज्य की प्रगति को रोकना था। जहां भी एलडीएफ सत्ता में थी, (पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा) वहां कुछ भी नहीं बचा है और उन्होंने कुछ भी सही नहीं किया है। मोदी ने कहा कि सहकारी बैंकों से मार्क्सवादी नेताओं द्वारा ठगा गया जो भी पैसा है वह गरीबों को वापस कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, सहकारी बैंक घोटाले की जांच की जा रही है और हम गरीब खाताधारकों की नकदी का दुरुपयोग नहीं होने देंगे।

आईएमडी....

बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पूर्वी राज्यों- ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड के कुछ हिस्सों व पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी इलाकों में भी सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है। महापात्र ने कहा कि 1971 से 2020 तक के बारिश के आंकड़ों के आधार पर हाल के वर्षों में नया दीर्घावधि औसत पेश किया गया है जिसके तहत एक जून से 30 सितंबर के बीच पूरे देश में औसतन 87 सेंटीमीटर बारिश होती है। उन्होंने कहा कि अगर ऋतुनिष्ठ वर्षा दीर्घावधि औसत की 96 फीसदी से 104 प्रतिशत के बीच होती है तो वह सामान्य मानी जाती है। आईएमडी प्रमुख ने कहा कि दीर्घावधि औसत की 106 फीसदी बारिश सामान्य से अधिक की श्रेणी में आती है और अगर वर्षा दीर्घावधि औसत की 105 फीसदी से 110 फीसदी के बीच होती है तो इसे सामान्य से अधिक माना जाता है। विभाग के मुताबिक, अगर बारिश एलपीए का 90-96 प्रतिशत के बीच होती है तो उसे सामान्य से कम माना जाता है। आईएमडी प्रमुख के मुताबिक, वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र पर अल नीनो की मध्यम स्थिति बनी हुई है तथा मानसून ऋतु के शुरुआती दौर में अल नीनो की स्थिति और कमजोर होकर तटस्थ अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) स्थितियों में परिवर्तित होने की संभावना है और इसके बाद अगस्त-सितंबर में ला नीना स्थितियां विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि जब अल नीनो की स्थिति होती हैं जो ज्यादातर वर्षों में बारिश पर इसका नकारात्मक असर होता है। उन्होंने कहा कि 1951 से 2023 के दौरान 22 साल ऐसे रहे जब ला नीनो की स्थितियां रहीं और इन वर्षों में ज्यादातर साल में दक्षिण पश्चिम मानसून के तहत सामान्य या सामान्य से ज्यादा बारिश हुई। महापात्र के मुताबिक, 1951 से 2023 के बीच नौ साल ऐसे रहे जब अल नीनो जा रहा था और ला नीनो आ रहा था, जैसा इस साल है। उन्होंने कहा कि इन नौ साल में से दो वर्ष के दौरान मानसून की वर्षा सामान्य से ज्यादा रही और पांच साल अत्याधिक बारिश हुई तथा दो अन्य वर्षों के दौरान बारिश करीब करीब सामान्य रही। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिंद महासागर पर तटस्थ हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) स्थितियां मौजूद हैं और सकारात्मक आईओडी स्थितियां दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु के उत्तरार्ध के दौरान विकसित होने की संभावना है जो मानसून के लिए अच्छा है। महापात्र ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इन स्थितियों की वजह से मानसून की शुरुआत की तुलना में अगस्त-सितंबर में ज्यादा बारिश होने की संभावना है। आईएमडी प्रमुख ने कहा कि पिछले तीन महीनों (जनवरी से मार्च 2024) के दौरान उत्तरी गोलार्ध, खासकर यूरोप और एशिया में कम बर्फबारी हुई। उन्होंने कहा कि उत्तरी गोलार्ध और यूरेशिया में बर्फ आवरण क्षेत्र सामान्य से कम था और सामान्य से कम हिमपात होना भारत में जून से सितंबर के दौरान बारिश के लिए अनुकूल है।

ईरान में....

एमएससी एरीज के इजराइल से संबंध होने को लेकर उसे जब्त कर लिया। एमएससी (मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी) ने शनिवार को कहा कि वह चालक दल के 25 सदस्यों की रिहाई और जहाज की वापसी के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। ईरान की इस कार्रवाई के कुछ घंटे बाद, व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने कहा कि जहाज के चालक दल में भारतीय, फिलीपीनी, रूसी, पाकिस्तानी और एस्टोनियाई नागरिक शामिल हैं। भारत मालवाहक जहाज पर सवार चालक दल के भारतीय सदस्यों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए ईरान के संपर्क में है। जयशंकर ने रविवार रात एक्स पर पोस्ट किया, ईरान के विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन से आज शाम बातचीत की। एमएससी एरीज के चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों को रिहा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, क्षेत्र में मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। तनाव बढ़ाने से परहेज करने, संयम रखने और कूटनीति के रास्ते पर लौटने पर जोर दिया। संपर्क में बने रहने को सहमत हुए। दूसरी ओर खाड़ी क्षेत्र में ईरान द्वारा जब्त किए गए इजराइल से जुड़े मालवाहक जहाज पर सवार 17 भारतीयों में केरल की एक महिला भी शामिल है। महिला एंटेसा जोसेफ के परिवार ने टीवी चैनलों पर प्रसारित एक वीडियो में कहा कि एंटेसा भी जहाज के चालक दल में शामिल थी, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री द्वारा विदेश मंत्रालय को लिखे गए पत्र में उसका कोई जिक्र नहीं है। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि शुरुआत में महिला की मौजूदगी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। अधिकारी ने कहा कि जब उन्हें इसके बारे में पता चला तो मामला केंद्र सरकार के समक्ष उठाया गया। उन्होंने बताया कि अनिवासी केरलवासी मामलों के विभाग (एनओआरकेए) को भी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

धनबल...

घोषणा से बहुत पहले ही इस समस्या पर ध्यान केंद्रित कर दिया था। पिछले कुछ वर्षों में, गुजरात, पंजाब, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा और मिजोरम में राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान महत्वपूर्ण जब्ती की गई है। तमिलनाडु के नीलगिरी में एक घटना में आयोग ने कर्तव्य में ढिलाई और एक प्रमुख नेता के काफिले की चयनात्मक जाँच के लिए फ्लाइंग स्क्वाड टीम लीडर को निलंबित कर दिया। इसी तरह अधिकारियों ने एक राज्य के सीएम के काफिले में वाहनों की जांच की और दूसरे राज्य में एक उपमुख्यमंत्री के वाहन की भी जांच की। आयोग ने लगभग 106 सरकारी सेवकों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की है जो चुनाव प्रचार में राजनेताओं की सहायता करते पाए गए, जो विभिन्न नियमों और नैतिकता के खिलाफ है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने यह भी बताया कि हेलीकॉप्टरों की तलाश में कुछ भी नया नहीं था, जैसा कि टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी के मामले में किया गया था। चुनावों से पहले, सभी जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधीक्षकों को हवाई क्षेत्रों और हेलीपैडों पर कड़ी निगरानी रखने के लिए कहा गया था। सूत्रों ने कहा कि इस तरह की तलाशी देश भर में सार्वजनिक और निजी दोनों हवाई क्षेत्रों में हो रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रलोभन हवाई मार्ग से न लाया जाए।

कच्चातिवु को लेकर कांग्रेस, द्रमुक के पाप छिपे रहे : प्रधानमंत्री मोदी

भाषा। तिरुनेलवेली

तमिलनाडु में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक स्तर पर तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हुए तमिल मुद्दे पर जोर डाला और कच्चातिवु को श्रीलंका को सौंपने के लिए कांग्रेस और द्रमुक को पापी करार दिया। मोदी ने द्रमुक और कांग्रेस को राष्ट्र-विरोधी करार दिया और कहा कि पूरा देश अब सच्चाई समझ गया है कि उन्होंने कच्चातिवु को तमिलनाडु से काटकर दूसरे देश को दे दिया था। मोदी ने आरोप लगाया कि दोनों दलों ने न केवल तमिलनाडु के लोगों को अंधेरे में रखा बल्कि कच्चातिवु मुद्दे पर झूठ बोला। श्रीलंका द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों की गिरफ्तारी की घटनाओं के स्पष्ट संदर्भ में उन्होंने कहा, हमारे मछुआरे भाइयों को द्रमुक और कांग्रेस के पापों की सजा मिलती है। मोदी ने दावा किया कि कच्चातिवु को लेकर इन दलों का यह पाप चार दशकों तक छिपा रहा और यह भाजपा ही है जिसने सच्चाई उजागर की। उन्होंने आरोप लगाया कि सच्चाई सामने आने के बाद द्रमुक और कांग्रेस ने चुप्पी साध ली। मोदी ने राज्य में कथित भ्रष्टाचार और मादक पदार्थ के खतरे को लेकर तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना की। उन्होंने द्रमुक पर दिवंगत मुख्यमंत्री एम.जी. रामचंद्रन की विरासत का अपमान करने का भी आरोप लगाया और कहा कि द्रविड़ पार्टी ने 1989 में राज्य विधानसभा में दिवंगत अन्नाद्रमुक नेता जे. जयललिता के साथ बुरा व्यवहार किया था। राज्य के लोगों की सांस्कृतिक भावनाओं के मद्देनजर मोदी ने कहा कि भाजपा ने तमिल नव वर्ष के दिन अपना घोषणापत्र जारी किया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने दुनिया भर में तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करने का संकल्प लिया है। भाजपा उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते हुए मोदी ने रैली में मौजूद लोगों से कहा, हमने पिछले 10 वर्षों में तमिलनाडु के विकास के लिए दिन-रात काम किया। जो लोग तमिल भाषा और संस्कृति से प्यार करते हैं, उनकी पहली पसंद भाजपा है और देश से प्यार करने वालों के साथ भी यही स्थिति है।

सरबजीत के हत्यारे की हत्या पर रणदीप हुड्डा ने कहा, थोड़ा न्याय मिला

भाषा। नई दिल्ली

पाकिस्तान में सरबजीत सिंह की हत्या के मामले में एक आरोपी की गोली लगने से मौत पर अभिनेता रणदीप हुड्डा ने कहा कि थोड़ा न्याय मिल गया। हुड्डा ने वर्ष 2016 में आई फिल्म सरबजीत में मौत की सजा पाए भारतीय कैदी का किरदार निभाया था। सरबजीत सिंह की हत्या का आरोपी आमिर सरफराज तांबा आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद का करीबी था। तांबा की रविवार को लाहौर में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान के लाहौर में इस्लामपुर इलाके में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने तांबा पर हमला किया, जिसे गंभीर हालत में आनन-फानन में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। तांबा ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

भारत के पास सीमा पार लक्ष्य पर हमला करने की क्षमता है : राजनाथ

भाषा। कठुआ (जम्मू कश्मीर)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को दिखाया है कि वह उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद सीमा के भीतर और उससे परे अपने लक्ष्यों को निशाना बनाने की ताकत रखता है। सितंबर 2016 में आतंकवादियों ने सीमावर्ती शहर उरी में एक सैन्य शिविर पर हमला किया, जिसमें 19 सैनिक मारे गए। एक पखवाड़े बाद, भारतीय सेना ने सीमा पार लक्षित हमला किया और आतंकवादियों के लॉन्च पैड को नष्ट कर दिया। फरवरी 2019 में, दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में आतंकवादियों द्वारा उनके काफिले पर किए गए आत्मघाती हमले में 40 से अधिक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान मारे गए थे। हमले के बारह दिन बाद भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकवादी शिविर को नष्ट कर दिया। यहां भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र सिंह के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, पहले भारत को नरम रुख वाला राष्ट्र माना जाता था...भारत ने न तो किसी देश पर हमला किया है और न ही किसी विदेशी भूमि पर कब्जा किया है, जो उसका चरित्र है। लेकिन जब उरी और पुलवामा हुआ तो भारत ने कड़ा संदेश दिया कि हम किसी को नहीं छुएंगे, लेकिन अगर किसी ने छुआ तो हम उसे छोड़ेंगे भी नहीं। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री सिंह, उधमपुर संसदीय क्षेत्र से तीसरी बार चुने जाने के लिए प्रयासरत हैं, जहां 19 अप्रैल को पहले चरण में मतदान होना है। हमारे पास अपनी सीमाओं के भीतर और उसके पार कहीं भी (हमारे लक्ष्यों पर) हमला करने की क्षमता और शक्ति है। (लक्षित हमले के बाद) दुनिया में भारत की ताकत बढ़ी। उन्होंने इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को दिया। यूक्रेन और रूस के बीच 2022 की शुरूआत में युद्ध के बीच 22,500 से अधिक भारतीय छात्रों की सुरक्षित निकासी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी द्वारा दोनों देशों के राष्ट्रपतियों और अमेरिका के साथ संपर्क स्थापित करने के बाद दोनों देशों के बीच चार घंटे से अधिक समय तक लड़ाई रुकी रही। इन छात्रों के चिंतित माता-पिता ने युद्धग्रस्त देश से अपने बच्चों की वापसी की मांग शुरू कर दी और सरकार ने उनकी (उनके घरों तक) सुरक्षित वापसी की सुविधा प्रदान की।

ओडिशा में निवेशकों से 15 करोड़ रुपए ठगने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा में क्रिप्टो योजनाओं में बेहतर लाभ का वादा करके निवेशकों से लगभग 15 करोड़ रुपए ठगने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ओडिशा पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस धोखाधड़ी के सिलसिले में 10 अप्रैल को राजस्थान के अनूपगढ़ से वेद प्रकाश और 14 अप्रैल को राज्य के सुंदरगढ़ से सुधीर पटेल को गिरफ्तार किया। दिसंबर 2023 में फर्जीवाड़े का शिकार हुए पश्चिमी ओडिशा के एक निवेशक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर यह गिरफ्तारियां की गई। पुलिस अधिकारी ने कहा किप्रम सागर खमारी नाम के एक निवेशक ने अपनी शिकायत में कहा था कि उन्होंने क्रिप्टो योजनाओं में 48 लाख रुपए से अधिक का निवेश किया और 20,000 रुपए का मामूली लाभ प्राप्त किया।

वीएलसीसी देगा और बेहतर प्रशिक्षण

गोरखपुर। सौन्दर्य एवं प्रशिक्षण उद्योग में जाने-माने नाम वीएलसीसी स्कूल ऑफ ब्यूटी ने अपने संस्थान को गोरखपुर में बड़ी एवं अधिक आधुनिक सुविधा में रीलोकेट करने की घोषणा की है। अपने छात्रों को बेहतर सुविधाएं एवं प्रशिक्षण के आधुनिक अवसर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता के तहत वीएलसीसी से यह फैसला लिया है। बड़े स्थान और आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह नया परिसर उन महत्वाकांक्षी छात्रों को लर्निंग का बेजोड़ अनुभव प्रदान करेगा जो ब्यूटी प्रोफेशनल्स के रूप में करियर बनाना चाहते हैं। संस्थान को गोरखपुर में तारामंडल रोड पर ए-48, बौद्ध विहार में स्थानांतरित कर दिया गया है। रीलोकेशन के अलावा वीएलसीसी ने इस साल विभिन्न स्थानों पर 20 और संस्थान खोलने की योजना बनाई है। यह विस्तार प्रतिभा को बढ़ावा देने तथा ब्यूटी एवं वैलनैस उद्योग में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग को पूरा करने की वीएलसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वीएलसीसी स्कूल ऑफ ब्यूटी, जिसे पहले वीएलसीसी इंस्टीट्यूट के नाम से जाना जाता था, 2001 से भारत में कौशल विकास में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है।

बस्तर लोस चुनाव से पहले दंतेवाड़ा में 26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में सोमवार को पांच महिलाओं और तीन किशोरों सहित कुल 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। दंतेवाड़ा बस्तर लोकसभा सीट का हिस्सा है, जहां 19 अप्रैल को मतदान होगा। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में जोगा मुचाकी प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की कोराजगुड़ा पंचायत जनताना सरकार का प्रमुख था और उसके सिर पर एक लाख रुपए का इनाम है। नक्सलियों ने पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के सामने हथियार डाल दिया। वे दक्षिण बस्तर में माओवादियों की किस्टाराम, भैरमगढ़, मलांगीर और कटेकल्याण क्षेत्र समितियों का हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि नक्सली पुलिस के पुनर्वास अभियान लोन वर्राटू से प्रभावित हैं तथा माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं।

कैदी कानूनी दस्तावेजों, शिकायतों पर हस्ताक्षर कर सकता है: डीजी (कारागार)

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के इस दावे के बीच कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल से अपनी सरकार चला रहे है, शीर्ष कारागार अधिकारी संजय बेनीवाल ने सोमवार को कहा कि न्यायिक हिरासत में एक कैदी केवल दो प्रकार के दस्तावेजों- कानूनी कागजातों और व्यक्तिगत शिकायतों- पर हस्ताक्षर कर सकता है और वे राजनीतिक प्रकृति के नही होने चाहिए।

कोर्ट ने हावड़ा में रामनवमी पर शोभायात्रा निकालने की अनुमति दी

भाषा। कोलकाता

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) को हावड़ा शहर में रामनवमी के अवसर पर शोभायात्रा निकालने की अनुमति दे दी। हालांकि, अदालत ने कुछ शर्तें भी लगाई हैं, ताकि कार्यक्रम का शांतिपूर्ण तरीके से आयोजन सुनिश्चित किया जा सके। याचिकाकर्ताओं ने शिबपुर आईआईईएसटी के पास से हुगली नदी के तट पर स्थित रामकृष्णपुर फेरी घाट तक शोभायात्रा निकालने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता ने शोभायात्रा निकालने की अनुमति देते हुए कहा कि कोई भी उत्तेजक नारे नहीं लगाए जाएंगे और रास्ते में कहीं रुके बिना आगे बढ़ना होगा। रामनवमी बुधवार को है। अदालत ने आदेश दिया कि शोभायात्रा में अधिकतम 200 लोग शामिल हो सकेंगे।

समान नागरिक संहिता लागू करेंगे : गोयल

भाषा। मुंबई

केंद्रीय मंत्री एवं मुंबई उत्तर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी तीसरी बार सत्ता में आने के बाद देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करेगी। गोयल ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं के साथ बातचीत में पार्टी के घोषणापत्र की विपक्षी दलों की निंदा को भी खारिज कर दिया और कहा कि इससे उनकी हारने वाली मानसिकता का पता चलता है। भाजपा देश में यूसीसी लागू करने के लिए संकल्पबद्ध है और हम इसे लागू करेंगे। उत्तराखंड सरकार इस पर पहले ही काम कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का लोकसभा चुनाव घोषणापत्र जारी किया। इसमें विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए मोदी ने लोगों से अगले एक हजार साल के लिए भारत की नियति को आकार देने के वास्ते भाजपा को केंद्र में एक बार फिर मौका देने को कहा। पार्टी के संकल्प पत्र को अपनी गारंटी का दस्तावेज बताते हुए मोदी ने केंद्र में अपनी सरकार की 10 साल की उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि भाजपा ने अब तक किए गए अपने हर वादे को पूरा किया है। विपक्षी दलों द्वारा भाजपा के घोषणापत्र की निंदा किए जाने के मुद्दे पर गोयल ने कहा, इससे उनकी हारने वाली मानसिकता का पता चलता है। हमारा द्वारा किए जाने वाले हर कार्य की निंदा करना उनकी दिनचर्या है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ असंभव चीजों को संभव बनाया है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा, 500 वर्षों के इंतजार के बाद, अयोध्या में रामलला का मंदिर बनकर तैयार है। भाजपा के पास संसद में बहुमत है जिसका उपयोग हमने अनुच्छेद 370 (जो जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करता था) को निरस्त करने और तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने के लिए किया, न कि संविधान बदलने के लिए। महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल से 20 मई तक पांच चरणों में मतदान होगा। मुंबई की सभी छह संसदीय सीट पर आखिरी चरण में 20 मई को मतदान होगा।

भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई का संकल्प मोदी को सबसे प्रशंसित नेता बनाता है : जाखड़

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने सोमवार को कहा कि भ्रष्टाचारी चाहे कितने भी रसूखदार और शक्तिशाली क्यों न हों, उनके खिलाफ कार्रवाई करने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प उन्हें सबसे प्रशंसित नेता बनाता है। आम आदमी पार्टी की आलोचना करते हुए, जाखड़ ने आरोप लगाया कि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भ्रष्ट तरीके और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की किसी भी मुद्दे पर न्याय सुनिश्चित करने में विफलता आम आदमी पार्टी द्वारा पूजनीय बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर द्वारा प्रतिपादित दर्शन के बिल्कुल विपरीत है, जिनका राजनीतिक लाभ उठाने के लिए आप नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से सम्मान किया जाता है।

क्विक न्यूज

झामुमो पहले ही हार स्वीकार कर चुकी है, इसलिए गीता कोड़ा पर हमला किया : मरांडी

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की झारखंड इकाई के प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने सोमवार को दावा किया कि झामुमो ने पहले ही अपनी हार स्वीकार कर ली है और इस हताशा में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सिंहभूम से भाजपा उम्मीदवार गीता कोड़ा पर हमला किया। मरांडी रांची के हरमू में भाजपा के मीडिया सेंटर में संवाददाताओं से बात कर रहे थे जिसका हाल में उद्घाटन किया गया है। उन्होंने कहा, झामुमो (झारखंड मुक्ति मोर्चा) ने सिंहभूम में पहले ही हार स्वीकार कर ली है। हताशा में इसके कार्यकर्ता भाजपा उम्मीदवार को रोक रहे हैं और उन पर हमले कर रहे हैं। झामुमो के इस दावे पर कि ए स्थानीय लोग थे जिन्होंने कोड़ा के खिलाफ प्रदर्शन किया, मरांडी ने कहा कि सभी राज्य में सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ता हैं और यह उनके द्वारा की गई नारेबाजी से जाहिर होता है। मरांडी ने कहा, कल, मैंने पुलिस से बात की और घटना में शामिल लोगों की शीघ्र गिरफ्तारी का आग्रह किया। कोड़ा ने रविवार को आरोप लगाया था कि मनोहरपुर और गोइलकेरा में चुनाव प्रचार करने के दौरान उन पर हमला किया गया, जिसमें उनके कुछ समर्थक घायल हो गए। प्रदेश भाजपा ने कहा कि पार्टी का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल घटना के सिलसिले में पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह से मिलेगा।

बीजद के पूर्व सांसद प्रभास कुमार सिंह भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। बीजू जनता दल (बीजद) के पूर्व सांसद प्रभास कुमार सिंह लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से कुछ दिन पहले सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली पार्टी की आलोचना की। ओडिशा की बारगढ़ सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके सिंह ने कहा कि बीजद में कोई गरिमा और आत्म-सम्मान नही बचा है। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और अन्य वरिष्ठ नेताओ ने पार्टी मे उनका स्वागत किया। यहां भाजपा मुख्यालय मे पार्टी नेताओ के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी मे शामिल होने पर खुशी व्यक्त की। यह मेरे लिए एक खास पल है। मै प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व से काफी प्रभावित हूं। मैने बीजद का साथ छोड़ दिया है क्योंकि वहां कोई आत्म-सम्मान और गरिमा नही बची है। उन्होंने आरोप लगाया कि नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली पार्टी मे उड़िया अस्मिता, कला, संस्कृति और विरासत के प्रति सम्मान नही है। सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और पिछले 10 साल मे उनकी सरकार द्वारा युवाओ, महिलाओं, किसानो और गरीबो समेत समाज के अनेक वर्गों के लिए किए गए कार्यो की सराहना की।

भारतीय ट्रक चालकों को सशक्त बनाया जाएगा

गोरखपुर। भारत की प्रमुख स्नेहक निर्माता कैस्ट्रोल इंडिया ने अपनी उद्देश्य-आधारित पहल, कैस्ट्रोल सीआरबी टर्बोमैक्स प्रगति की पाठशाला के लॉन्च के साथ भारतीय ट्रक ड्राइवरों को सशक्त बनाने के अपने अगले प्रयास की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य उद्यमशीलता के उत्साह को बढ़ावा देना और पूरे भारत में 10,000 से अधिक ट्रक ड्राइवरों को प्रशिक्षित करने के लिए ऑन-ग्राउंड चरण के साथ ट्रक ड्राइवरों की पेशेवर दक्षताओं को बढ़ाना है। गोरखपुर में दो दिनों की ऑन-ग्राउंड पाठशाला के साथ, कैस्ट्रोल सीआरबी टर्बोमैक्स प्रगति की पाठशाला पहल ने व्यावहारिक और इंटरैक्टिव ज्ञान सत्रों के माध्यम से 400 से अधिक ट्रक ड्राइवरों को प्रशिक्षित किया है। कैस्ट्रोल इंडिया के प्रबंध निदेशक संदीप सांगवान ने कहा, ट्रकिंग समुदाय हमेशा कैस्ट्रोल इंडिया का एक अभिन्न अंग रहा है, और हम परिवर्तनकारी पहल के माध्यम से उनकी सुरक्षा और आजीविका सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस पहल के साथ, हम चाहते हैं कि ट्रक ड्राइवरों को चालक से मालक बनने के लिए सशक्त और प्रेरित करें। हम गोरखपुर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया पाकर रोमांचित हैं, जिसने हमें ट्रकिंग समुदाय की भलाई के लिए भविष्य में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। गोरखपुर में पहल के ऑन-साइट शिविर में शहर में ट्रक ड्राइवरों के लिए आकर्षक शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियाँ शामिल थीं।

शादी को बीमा से जोड़ने की तैयारी

मुंबई। भारत में शादी सिर्फ एक समारोह नहीं, जिन्दगी का महत्वपूर्ण मोड़ माना जाता है। नए रिश्ते के शुभारंभ की खुशी एक ओर, और दूसरी ओर जिन्दगी भर एक दूसरे की देखभाल, रक्षा करने का वचन। शादियों का सीजन चल रहा है, बीमा कंपनी टाटा एआईए लाइफ इन्श्युरन्स कंपनी लिमिटेड ने टाटा एआईए नया कैम्पेन शुरू किया है - कर लो शादी की पूरी तैयारी बहुत ही अनोखे और मौजमस्ती से भरे इस कैम्पेन में शादी की खरीदारी की खुशियों और जीवन बीमा लेकर व्यापक वित्तीय नियोजन करने के महत्व को बहुत ही अनोखे तरीके से एक साथ जोड़ा गया है। इस कैम्पेन में कुछ चुनिंदा ओओएच होर्डिंग्स रिलीज की गयी हैं, लेकिन सभी सोशल मीडिया चॅनेल्स पर उन्हें प्रसारित किया जा रहा है। इस कैम्पेन को सभी तरफ से ?ोरदार प्रतिसाद मिल रहा है। होर्डिंग्स की संख्या सीमित है, लेकिन उनकी जगहों को बहुत ही सोच-समझकर चुना गया है (जैसे कि, ज्वेलरी या शादी के कप?ों के दुकानों के पास), इन होर्डिंग्स के संदेश सीधे लेकिन प्रभावकारी होने की वजह से बहुत वायरल हो रहे हैं। देश भर के उपभोक्ता इन संदेशों को शेयर कर रहे हैं। कैम्पेन शुरू होने के सिर्फ छह दिनों के भीतर 3 मिलियन उपभोक्ताओं तक यह पहुंच चूका है। चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, गिरीश कालरा ने कहा, विवाह एक पवित्र समारोह है, जीवन में एक नए अध्याय की खुशी की शुरुआत है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, अपने जीवनसाथी के लिए आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य के लिए तैयारी करना भी महत्वपूर्ण है। कर लो शादी की पूरी तैयारी हमारा नया अभियान शादी के उत्साह को दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा के महत्व के साथ बहुत ही मजेदार तरीके से जोड़ता है।

प्रणब, चिदंबरम के वित्त मंत्री रहते समय आरबीआई पर रहता था दबावः डी सुब्बाराव

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी सुब्बाराव ने अपने संस्मरण में कहा है कि प्रणब मुखर्जी और पी चिदंबरम के वित्त मंत्री रहते समय वित्त मंत्रालय आरबीआई पर ब्याज दरें नरम करने और आर्थिक वृद्धि की खुशनुमा तस्वीर पेश करने के लिए दबाव डालता था। सुब्बाराव ने हाल में प्रकाशित अपनी किताब जस्ट ए मर्सिनरी ?: नोट्स फ्रॉम माई लाइफ एंड करियर में यह भी लिखा है कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर सरकार में थोड़ी समझ और संवेदनशीलता ही है। उन्होंने किताब में कहा, सरकार और आरबीआई दोनों में रहने के बाद मैं तनिक अधिकार से कह सकता हूं कि केंद्रीय बैंक की स्वायत्तता के महत्व पर सरकार के भीतर थोड़ी समझ और संवेदनशीलता ही है। सितंबर, 2008 में लेहमैन ब्रदर्स संकट शुरू होने के पहले आरबीआई के गवर्नर का पदभार संभालने से पहले सुब्बाराव वित्त सचिव थे। लेहमैन ब्रदर्स के दिवालिया हो जाने से दुनियाभर में गहरा वित्तीय संकट पैदा हो गया था। सुब्बाराव ने सरकार का जय-जयकार करने वाला रिजर्व बैंक? शीर्षक अध्याय में कहा है कि सरकार का दबाव नीतिगत ब्याज दर पर रिजर्व बैंक के रुख तक ही सीमित नहीं था।

केवल 150 रुपए मूल किराया देकर कर सकते हैं हवाई यात्राः रिपोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

मूल हवाई किराए के रूप में सिर्फ 150 रुपए का भुगतान करें और असम में लीलाबाड़ी से तेजपुर तक 50 मिनट की हवाई सेवा लें। सिर्फ इसी मार्ग पर नहीं, ऐसी कई उड़ानें हैं जहां टिकट का मूल किराया 1,000 रुपए से भी कम है। ए सभी क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना के तहत परिचालित होते हैं। यह एयरलाइन परिचालकों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन प्रदान करता है। यात्रा पोर्टल इक्सिगो के एक विश्लेषण के अनुसार, कम से कम 22 मार्ग हैं जहां मूल हवाई किराया 1,000 रुपए प्रति व्यक्ति से कम है। असम में लीलाबाड़ी और तेजपुर को जोड़ने वाली उड़ानों के लिए एक तरफ का किराया सबसे कम 150 रुपए है। इस मार्ग पर उड़ानों का संचालन अलायंस एयर करती है। टिकट बुक करते समय मूल किराए में सुविधा शुल्क भी जोड़ा जाता है। मोटे तौर पर, इन मार्गों पर क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) के तहत परिचालित उड़ानों की अवधि लगभग 50 मिनट है। अधिकतर मार्ग जहां मूल हवाई किराया 150 रुपए से 199 रुपए प्रति व्यक्ति के बीच है, ए पूर्वोत्तर क्षेत्र में हैं।

देश का इंजीनियरिंग निर्यात बढ़कर 109 अरब डॉलर पर

भाषा। नई दिल्ली

भू-राजनीतिक तनाव के बीच कुछ प्रमुख वैश्विक बाजारों में सुस्ती के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का इंजीनियरिंग निर्यात बढ़कर 109 अरब डॉलर का हो गया। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसने कहा कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी है और आने वाले वर्षों में देश के और अधिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करने से बाजार हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है। इंजीनियरिंग सामान निर्यातकों के शीर्ष निकाय को उम्मीद है कि वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र से निर्यात का मूल्य बढ़कर 300 अरब डॉलर हो जाएगा और इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण संख्या में नौकरियां और विदेशी मुद्रा आय उत्पन्न होगी। विशेष रूप से, इंजीनियरिंग क्षेत्र भारत के कुल निर्यात में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, और यह देश के कुल विनिर्माण निर्यात में लगभग 40 प्रतिशत का योगदान देता है।

सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने सीजेआई को पत्र लिखा, न्यायपालिका को कमजोर करने पर चिंता जताई

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के 21 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के एक समूह ने सोचे समझे दबाव, गलत सूचना और सार्वजनिक रूप से अपमान के जरिए न्यायपालिका को कमजोर करने के कुछ गुटों के बढ़ते प्रयासों पर भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) को एक पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि ए आलोचक संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित हैं तथा न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। बहरहाल, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने यह नहीं बताया कि उन्होंने किन घटनाओं को लेकर सीजेआई को यह पत्र लिखा है। इनमें उच्चतम न्यायालय के चार सेवानिवृत्त न्यायाधीश भी शामिल हैं। यह पत्र भ्रष्टाचार के मामलों में कुछ विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्वाई को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दलों में वाकयुद्ध के बीच लिखा गया है। न्यायमूर्तियों (सेवानिवृत्त) दीपक वर्मा, कृष्ण मुरारी, दिनेश माहेश्वरी और एमआर शाह समेत सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने आलोचकों पर अदालतों और न्यायाधीशों की ईमानदारी पर सवाल उठाकर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने के स्पष्ट प्रयासों के साथ कपटपूर्ण तरीके अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने न्यायपालिका को अनावश्यक दबाव से बचाने की आवश्यकता शीर्षक वाले इस पत्र में लिखा है।

भ्रष्टाचार अब जेल का रास्ता है: उपराष्ट्रपति धनखड़

भाषा। नागपुर

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि सत्ता के गलियारों से भ्रष्ट तत्वों का पूरी तरह से सफाया कर दिया गया है और भ्रष्टाचार अब अवसर, नौकरी या अनुबंध मिलने का पासवर्ड नहीं है, बल्कि जेल जाने का रास्ता है। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के 76वें बैच के विदाई समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि भ्रष्टाचार अब प्रशासन को निर्देशित नहीं करता। उन्होंने कहा कि भारत अब सोया हुआ नहीं है, बल्कि वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा, "जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, हम वैश्विक दक्षिण की आवाज बन गए। राष्ट्रों का इतना प्रभावशाली संयोजन ...जीडीपी और जनसंख्या के लिहाज से देखें तो वे प्रतिनिधित्व करते हैं लेकिन उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही थी। यह अब एक प्रमुख मंच पर है, भारत और हमारे दूरदर्शी नेतृत्व का धन्यवाद। आईआरएस अधिकारियों के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा कि यह समाज के लिए बेहद हानिकारक अनौपचारिक नकदी प्रबंधन को हतोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदमों से प्रणाली में अभूतपूर्व पारदर्शिता और जवाबदेही आई है, जो आज भारत में भ्रष्टाचार के मामले में कतई बर्दाश्त नहीं के मानक के अनुरूप है। धनखड़ ने कहा, "मैं आज भ्रष्टाचार पर ज्यादा विचार व्यक्त नहीं करूंगा। लेकिन एक बात निश्चित है कि अब सत्ता के गलियारों में भ्रष्ट तत्वों को विधिवत निष्प्रभावी कर दिया गया है। भ्रष्टाचार अब अवसर या नौकरी या अनुबंध पाने का पासवर्ड नहीं है, बल्कि जेल जाने का रास्ता है। एक आदर्श बदलाव आया है और भ्रष्टाचार अब हमारे प्रशासन को निर्देशित नहीं करता।

राबर्ट वाड्रा ने बांकेबिहारी के दर्शन किए

कहा:अयोध्या हो या मथुरा, वह हर जगह को एक तरह से देखते है

भाषा। मथुरा (उप्र)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाद्रा आज वृन्दावन के ठा. बांकेबिहारी का दर्शन करने यहां पहुंचे। उन्होंने स्थानीय सेवायतों के सानिध्य में ठाकुरजी की श्रृंगार आरती के दर्शन किए और कहा कि अयोध्या हो या फिर मथुरा, वह हर जगह को एक तरह से देखते हैं। उन्होंने कहा , इसमें राजनीति की कोई बात नहीं होनी चाहिए। जब भी किसी को कोई परेशानी होती है तो वह अपने भगवान को याद करता है। वह किसी नेता या पार्टी को याद नहीं करता। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भेदभाव की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस को सनातन विरोधी कहना भाजपा का प्रचार का अपना तरीका है। उन्होंने दावा किया कि उनका पूरा परिवार भेदभाव से दूर धर्मनिरपेक्ष है। उन्होंने विपक्षी इण्डिया गठबंधन की जीत का भरोसा जताते हुए कहा, हम सब देश में एक धर्मनिरपेक्ष सरकार बनाएंगे। उन्होंने भाजपा का जिक्र करते हुए कहा कि देश में धर्मनिरपेक्ष सरकार कायम होनी चाहिए और उनका गठबंधन (इण्डिया) इस ओर मजबूती से काम कर रहा है। वाद्रा ने दर्शन के बाद ठाकुरजी के प्रसाद के तौर पर मिली कचौड़ी का आनंद लिया और भक्तों को स्वयं भी प्रसाद बांटा। उन्होंने सोमवार सुबह वृन्दावन पहुंचकर शृंगार आरती के दौरान ठाकुर बांकेबिहारी के दर्शन किए। इसके बाद मंदिर के सेवायत ने अपनी गद्दी पर प्रसादी का पटुका एवं माला पहनाई और चंदन लगाकर उनका परम्परागत तरीके से स्वागत किया।

इजराइली सेना ने फलस्तीनी लोगों को युद्धग्रस्त गाजा में नहीं लौटने की फिर से दी चेतावनी

एपी। दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)

इजराइली सेना ने सोमवार को फलस्तीनी लोगों को युद्धग्रस्त गाजा के उत्तरी हिस्से में नहीं लौटने की फिर से चेतावनी दी।

इससे एक दिन पहले गाजा स्थित एक अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि बड़ी संख्या में विस्थापित निवासियों द्वारा युद्धग्रस्त इलाके में अपने-अपने घर पहुंचने के प्रयास के दौरान पांच लोग मारे गए।

उत्तरी गाजा हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध का प्रारंभिक लक्ष्य था और इसके बड़े हिस्से को समतल कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र की अधिकांश आबादी दक्षिण की ओर भागने को मजबूर हो गई है। हालांकि, बताया जाता है कि लगभग 2,50,000 लोग अब भी उत्तर में रह रहे हैं।

इजराइली सेना ने छह महीने से जारी युद्ध के दौरान अधिकांश विस्थापित लोगों को यह कहकर उत्तरी हिस्से में लौटने से रोक दिया कि यह इलाका एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र है।

सेना ने गाजा में अपने सैनिकों की संख्या कम कर दी है और कहा है कि उसने उत्तर पर हमास के नियंत्रण को कमजोर कर दिया है। लेकिन इजराइल अब भी उस क्षेत्र विशेष रूप से गाजा स्थित मुख्य अस्पताल शिफा में हवाई हमले और लक्षित अभियान चला रहा है, जिसके बारे में उसका कहना है कि वहां आतंकवादी फिर से संगठित हो रहे हैं। शिफा पिछले महीने दो सप्ताह तक जारी छापेमारी और लड़ाई के बाद खंडहर में तब्दील हो गया है।

इजराइली सैन्य प्रवक्ता अविचे अद्राई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि फलस्तीनियों को दक्षिणी गाजा में रहना चाहिए, जहां उन्हें आश्रय लेने के लिए कहा गया है क्योंकि उत्तर एक खतरनाक युद्ध क्षेत्र है। लोग रविवार को हुई हिंसा के बाद नई चेतावनी पर ध्यान देते दिखे।

गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर में स्थित अपने घरों की ओर जाने की कोशिश कर रहे पांच लोगों की इजराइली बलों ने हत्या कर दी। रिकॉर्ड से पता चलता है कि इस घटना में 54 अन्य लोग घायल हो गए। इजराइली सेना ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

उत्तरी शहर बेत हनून से विस्थापित और घर लौटने की कोशिश करने वालों में शामिल अनाम मोहम्मद ने कहा कि सेना महिलाओं और बच्चों को जाने की अनुमति दे रही थी, लेकिन जब फलस्तीनी लोगों के एक समूह ने उनके लिए जगह नहीं बनाई तो दो टैंक आए और गोलीबारी शुरू कर दी।

सेना ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए धुएं वाले बम भी फेंके। उन्होंने कहा, लोग भागने लगे। लोग डर गए और जोखिम नहीं उठा सके।

अमेरिका ने इजराइल की ओर दागे ईरान के 80 से अधिक ड्रोन नष्ट किए

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका ने इजराइल पर ईरान द्वारा छोड़े गए 80 से अधिक ड्रोन और कम से कम छह बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराया। पेंटागन ने रविवार को यह जानकारी दी।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि इसमें एक बैलिस्टिक मिसाइल और यमन के हूती नियंत्रित इलाकों में नष्ट किए गए सात मानवरहित यान या ड्रोन शामिल हैं जिन्हें छोड़ने से पहले ही नष्ट कर दिया गया।

ईरान ने इजराइल पर 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलें दागीं जिसे तेहरान ने सीरिया में ईरान के दूतावास पर एक अप्रैल को किए उसके हमले की प्रतिक्रिया बताया है।

ईरान के लगभग सभी ड्रोन और मिसाइलों को इजराइली, अमेरिकी और सहयोगी सेनाओं ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही मार गिराया।

एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि शनिवार और रविवार सुबह अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 80 ड्रोन और कम से कम छह बैलिस्टिक मिसाइलें मार गिराईं जो ईरान तथा यमन की ओर से इजराइल की ओर छोड़ी गई थीं। इसमें कहा गया है, ईरान का निरंतर अभूतपूर्व, दुर्भावनापूर्ण और लापरवाह बर्ताव क्षेत्रीय स्थिरता और अमेरिका एवं उसके गठबंधन बलों की सुरक्षा को खतरे में डालता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ईरान के इन खतरनाक कृत्यों के खिलाफ इजराइल की रक्षा में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

जी-7 देशों के नेताओं ने इजराइल के खिलाफ ईरान के सीधे और अप्रत्याशित हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए रविवार को कहा कि इस घटनाक्रम के कारण क्षेत्र में अनियंत्रित तनाव बढ़ने का खतरा है।

सिडनी के चर्च में चाकूबाजी की घटना के बाद एक व्यक्ति गिरफ्तार

तीन श्रद्धालुओं और बिशप घायल, खतरे से बाहर

एपी। सिडनी

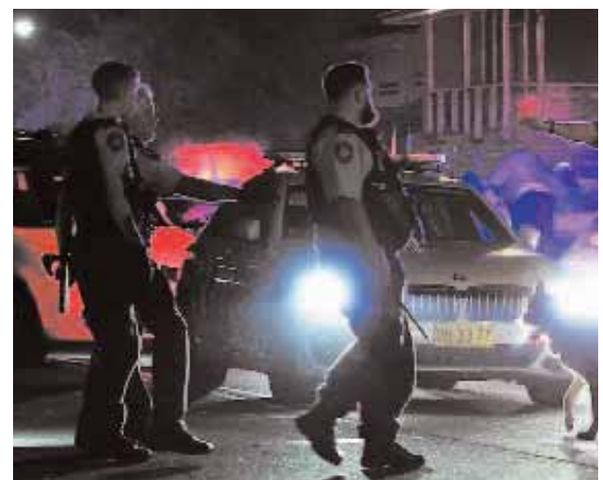

ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने कहा कि सिडनी स्थित एक चर्च में उपस्थित तीन श्रद्धालुओं और बिशप को चाकू मारकर घायल करने की घटना के बाद एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि बिशप समेत सभी चार घायलों की हालत खतरे से बाहर है और इन्हें कोई जानलेवा चोट नहीं पहुंची है।

पुलिस ने कहा कि यह घटना सोमवार शाम को तब घटी जब चर्च सेवा का प्रसारण किया जा रहा था। ऑर्थोडॉक्स असीरियन चर्च सेवा का ऑनलाइन प्रसारण करता है।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो में दिखाया गया है कि काला कपड़ा पहनकर एक व्यक्ति उपनगरीय वेकली में क्राइस्ट द गुड शेफर्ड के बिशप के पास पहुंचता है और उनके सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर कई बार चाकू से वार करता है।

वीडियो में एकत्र श्रद्धालु (मंडली के सदस्य) चीखते हुए बिशप की सहायता के लिए दौड़ते नजर आ रहे हैं। चर्च की वेबसाइट ने बिशप की पहचान मार मारी इमैनुएल के रूप में की है।

एनएसडब्ल्यू एम्बुलेंस सेवा ने कहा कि उसने कई चोट से घायल 50 साल से अधिक उम्र के एक व्यक्ति का प्राथमिक इलाज किया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया।

एनएसडब्ल्यू एम्बुलेंस सेवा ने बताया कि तीन अन्य घायलों को एक या इससे अधिक चोटें लगी थीं लेकिन उनका इलाज घटनास्थल पर ही कर दिया गया। पुलिस ने कहा, पुलिस बड़े स्तर पर कार्वाई कर रही है और जनता से इस क्षेत्र से दूर रहने का आग्रह किया गया है।

बिशप पिछले साल सुर्खियों में थे। एलजीबीटीक्यू प्लस समुदाय को लक्षित करने वाले एक अभियान के बारे में ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन द्वारा मई 2023 में एक वीडियो पोस्ट किया गया था। इस वीडियो में बिशप को एक उपदेश में यह कहते हुए दिखाया गया है कि जब कोई पुरुष खुद को महिला कहता है, तो वह न तो पुरुष है और न ही महिला, आप इंसान नहीं हैं, तो फिर आप कुछ और हैं। चूंकि आप अब कुछ और हैं, मैं आपको एक इंसान के रूप में संबोधित नहीं करूंगा क्योंकि यह मेरी पसंद नहीं है, यह आपकी पसंद है।

ब्लिंकन ने तुर्किए, मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों से फोन पर बातचीत की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजराइल पर ईरान के हमलों के बाद पश्चिम एशिया में संकट पैदा होने की आशंका के बीच रविवार को जॉर्डन, सऊदी अरब, तुर्किए और मिस्र के समकक्षों से बातचीत की जबकि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने सऊदी अरब एवं इजराइल के रक्षा मंत्रियों से बात की।

ईरान ने इजराइल पर 300 से अधिक ड्रोन एवं मिसाइलें दागी, जिन्हें इजराइली, अमेरिकी और उसके सहयोगी सेनाओं ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही हवा में मार गिराया।

ईरान ने ड्रोन एवं मिसाइल हमलों को सीरिया में उसके वाणिज्य दूतावास पर एक अप्रैल को किए गए हमले का जवाब बताया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के जी-7 देशों के नेताओं से हुई बातचीत के बाद इस संकट से निपटने में कूटनीतिक तेजी आई है। बाइडन ने जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी फोन पर अलग से बातचीत की।

इन बातचीत में अमेरिकी नेतृत्व ने क्षेत्र में और तनाव बढ़ने से रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया और इजराइल की रक्षा के लिए अमेरिका की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।

विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने बताया कि इन नेताओं ने गाजा में संकट का स्थाई हल निकालने के लिए राजनयिक प्रयासों के महत्व पर भी जोर दिया जो इजराइल और फलस्तीन के लिए स्थाई शांति और सुरक्षा प्रदान करता है।

इस बीच, बाइडन ने अपने कार्यकाल के सबसे बड़े विदेश नीति के संकट पर कांग्रेस के नेताओं से बातचीत की।

बाल्टीमोर पुल गिरने के मामले में एफबीआई ने फौजदारी जांच शुरू की

एपी। बाल्टीमोर

अमेरिका के बाल्टीमोर स्थित फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज के ध्वस्त होने के मामले में संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने फौजदारी जांच शुरू की है। मामले से अवगत एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जांच मुख्य रूप से इस बिंदु पर केंद्रित होगी कि किन परिस्थितियों में घटना हुई और क्या सभी संघीय कानूनों का अनुपालन किया गया था। पूरे प्रकरण की जानकारी सार्वजनिक रूप से देने के लिए अधिकृत नहीं होने की वजह से व्यक्ति ने पहचान गुप्त रखते हुए एसोसिएटेड प्रेस को यह जानकारी दी।

एजेंसी ने सोमवार को बताया कि उसकी टीम मालवाहक जहाज डाली पर सवार है और अदालत द्वारा अधिकृत कानून प्रवर्तन गतिविधि को अंजाम दे रही है। पूरे प्रकरण की एफबीआई जांच की खबर सबसे पहले वाशिंगटन पोस्ट ने दी थी।

पोर्न स्टार को गुप्त रूप से धन देने के मामले में अदालत पहुंचे ट्रंप

एपी। न्यूयॉर्क

पोर्न स्टार को गुप्त रूप से धन देने के मामले में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जूरी चयन की शुरुआत के लिए सोमवार को न्यूयॉर्क की एक अदालत में पहुंचे, जो अमेरिकी इतिहास में एक अनोखा क्षण है।

यह देश के किसी भी पूर्व राष्ट्रपति से संबंधित पहला आपराधिक मुकदमा और ट्रंप के चार अभियोगों में से भी पहला मुकदमा है।

ट्रंप द्वारा पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को धन दिए जाने का मामला 2016 का है। उस समय ट्रंप के पोर्न स्टार के साथ संबंध होने की बातें सामने आई थीं और आरोप है कि उन्होंने इसको छिपाने के लिए स्टॉर्मी को एक लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया था।

पूर्व राष्ट्रपति की कंपनी ने यह धन उनके वकील माइकल कोहेन को दिया था जिन्होंने ट्रंप की ओर से पोर्न स्टार को इसका भुगतान किया।

यह मुकदमा ऐसे समय आगे बढ़ रहा है जब ट्रंप इस वर्ष राष्ट्रपति चुनाव के रिपब्लिकन टिकट के लिए संभावित उम्मीदवार भी हैं।

जूरी का चयन शुरू होने से पहले कुछ कानूनी बहस हो सकती है। जब ऐसा होता है तो 12 जूरी सदस्यों और छह वैकल्पिक सदस्यों को खोजने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दर्जनों लोगों को अदालत कक्ष में बुलाया जाता है।

ट्रंप ने व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 गंभीर मामलों में खुद को निर्दोष बताया है।

अभियोजकों का कहना है कि कोहेन को किए गए भुगतान को ट्रंप के वास्तविक उद्देश्य को छिपाने के लिए कानूनी शुल्क के रूप में गलत तरीके से दर्ज किया गया था। वहीं, ट्रंप के वकीलों का कहना है कि यह वास्तव में कानूनी खर्च था और इसमें कोई लीपापोती नहीं की गई।

बिलावल ने नेताओं से चार्टर ऑफ रिकंसिलेशन पर एकजुट होने की अपील की

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने प्रस्ताव रखा है कि सभी राजनेताओं को चार्टर ऑफ रिकंसिलेशन (सुलह के मांगपत्र) को लेकर एकजुट होना चाहिए। उन्होंने नेताओं पर अपने अहंकार के कारण नकदी संकट से जूझ रहे देश के भाग्य के साथ खेलने का आरोप लगाया है। खबरों में सोमवार को यह बात कही गई।

पूर्व विदेश मंत्री बिलावल पीपीपी संस्थापक और अपने नाना जुल्फिकार अली भुट्टो की 45वीं पुण्यतिथि पर पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में रविवार को एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो (51) को 1979 में सैन्य शासन ने फांसी दे दी थी।

द बिजनेस रिकॉर्डर अखबार की खबर के अनुसार, बिलावल ने राजनीतिक नेताओं से सकारात्मक राजनीतिक संवाद में शामिल होने का आग्रह किया।

उन्होंने नेताओं से देश की व्यवस्था, लोकतंत्र और संस्थानों में संशोधनों के माध्यम से सुधार करने के लिए राजनीतिक संवाद का अनुरोध किया। डॉन अखबार के अनुसार, बिलावल ने कहा कि चार्टर ऑफ डेमोक्रेसी और चार्टर ऑफ रिकंसिलेशन के माध्यम से ही राजनीतिक स्थिरता आ सकती है और पीपीपी इसमें अग्रणी रहेगा।

बिलावल ने यह भी कहा कि कुछ नेता व्यक्तिगत अहंकार से प्रेरित हैं और अपने फायदे के लिए देश को खतरे में डालने को तैयार हैं।

प. एशिया में तनाव के बीच पाकिस्तान की यात्रा करेंगे ईरानी राष्ट्रपति रईसी

भाषा। इस्लामाबाद

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 22 अप्रैल को पाकिस्तान की यात्रा करने वाले हैं। यह जानकारी सोमवार को पाकिस्तानी मीडिया की एक खबर से मिली।

खबर के अनुसार इस दौरान रईसी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और सैन्य नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे।

जियो न्यूज की खबर के अनुसार रईसी (63) की यह अपेक्षित यात्रा ऐसे समय होगी जब तेहरान ने कुछ दिन पहले ही सीरिया में दमिश्क स्थित अपने वाणिज्य दूतावास पर कथित इजराइली हवाई हमले के जवाब में इजराइल पर 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइल दागीं। दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमले में उसके रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के दो वरिष्ठ कमांडर सहित कई लोग मारे गए थे।

यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पाकिस्तान और ईरान द्वारा अपने सहयोग को गहरा करने के जारी प्रयासों के बीच हो रही है, जिसे इस साल की शुरुआत में एक अस्थाई झटका लगा था।

खबर के अनुसार जनवरी में, ईरान के सीमा पार हमलों के जवाब में पाकिस्तान ने ईरानी क्षेत्र के अंदर आतंकवादियों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन और रॉकेट का उपयोग करके सटीक हमले किए थे।

ईरान के सरकारी मीडिया ने बताया कि पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुन्नी बलूच आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के दो ठिकानों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया गया।

जैश अल-अदल 2012 में बनाया गया एक बलूच सुन्नी आतंकवादी समूह है जो ज्यादातर पाकिस्तान में सक्रिय है।

जियो न्यूज की खबर के अनुसार, पाकिस्तान ने ईरान द्वारा पाकिस्तान की संप्रभुता के उल्लंघन के विरोध में ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और कहा था कि ईरान के राजदूत जो अपने देश की यात्रा पर गए हैं वे वापस पाकिस्तान नहीं लौटें।

हालांकि, दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध जल्द ही बहाल हो गए थे और दोनों देशों के राजदूत अपने-अपने तैनाती वाले देशों में लौट आए थे।

खबर के अनुसार, सूत्रों ने कहा कि राष्ट्रपति रईसी की यात्रा के एजेंडे में द्विपक्षीय संबंध, सुरक्षा सहयोग, एक गैस पाइपलाइन और एक संभावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) शामिल है।

खबर में कहा गया है कि ईरानी राष्ट्रपति की यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश प्रमुख आर्थिक हित साझा करते हैं, जिसमें विशेष रूप से पाकिस्तान-ईरान गैस पाइपलाइन शामिल है।

खबर में कहा गया है कि एक अन्य घटनाक्रम में, ईरान ने सोमवार को घोषणा की कि वह ईरानी बलों द्वारा जब्त किए गए जहाज पर फंसे पाकिस्तानियों को उनकी नागरिकता की पुष्टि और दोनों देशों के बीच भाईचारे वाले संबंध के कारण कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद रिहा कर देगा।

इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर हुए भूस्खलन में कम से कम 18 लोगों की मौत

एपी। तारा तोराजा (इंडोनेशिया)

इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर हुए भूस्खलन के बाद खोज एवं बचाव दल ने 18 लोगों के शव मलबे से निकाल लिए हैं जबकि दो लापता लोगों की तलाश अब भी जारी है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मकास्सार के खोज एवं बचाव दल के प्रमुख मेक्सियानुस बीकाबेल ने बताया कि बचावकर्मियों ने रविवार दोपहर को मकाले गांव में करीब 14 शवों को (मलबे से) बाहर निकाला, वहीं दक्षिण मकाले में चार शवों को मलबे से बाहर निकाला गया।

तारा तोराजा जिले की आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख सुलेमान मालिया ने सोमवार को बताया, हम दो और लोगों की तलाश में जुटे हैं लेकिन धुंध और हल्की बारिश ने खोज अभियान मुश्किल बना दिया है। वहीं अभियान में जुटे अधिकारी भी घबराए हुए हैं।

स्थानीय पुलिस प्रमुख गुनार्डी मुंडू ने बताया कि ताना तोराजा जिले दक्षिण सुलावेसी द्वीप पर शनिवार और रविवार की दरमियानी रात मूसलाधार बारिश के कारण पहाड़ों से मिट्टी खिसक कर चार घरों पर आ गिरी।

उन्होंने बताया कि जिस वक्त भूस्खलन हुआ उस दौरान एक घर में एक पारिवारिक समारोह हो रहा था। मुंडू ने बताया कि दर्जनों सैनिक, पुलिस और स्वयंसेवक मकाले और दक्षिण मकाले के सुदूर पहाड़ी गांवों में खोज अभियान चलाए हुए हैं।

उन्होंने बताया कि बचावकर्मी रविवार तड़के आठ वर्षीय लड़की सहित दो घायल लोगों को बाहर निकालने में कामयाब रहे और उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इंडोनेशिया के आपदा प्रभावित क्षेत्र में राहत कार्य करते सुरक्षाकर्मी

कांगो में भूस्खलन से कम से कम 15 लोगों की मौत, करीब 60 लोग लापता

एपी। किन्शासा (कांगो)

दक्षिण पश्चिम कांगो में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और करीब 60 लोग लापता हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

इडियोफा शहर के निकट बंदरगाह से कुछ दूरी पर शनिवार को हुए भूस्खलन के बाद सात लोग जीवित पाए गए। स्थानीय अधिकारी ढेधे मुपासा ने रविवार को संवाददाताओं से कहा, बंदरगाह से आगे एक पहाड़ी है और बारिश के कारण पहाड़ की मिट्टी खिसक गई।

रुश्दी ने 2022 के हमले को याद करते हुए कहा : मुझे लगा था कि मैं मर रहा हूं

भाषा। लंदन

मुंबई में जन्मे बुकर पुरस्कार विजेता लेखक सलमान रुश्दी ने 2022 में न्यूयॉर्क में एक मंच पर अपने ऊपर हुए हमले के बारे में याद करते हुए कहा कि उन्हें उस वक्त लग रहा था कि वह मर रहे हैं।

ब्रिटिश अमेरिकी रुश्दी (76) अगस्त 2022 में एक मंच पर थे जब आरोपी हैडी माटर ने उनके ऊपर चाकू से 12 बार हमला किया था।

रुश्दी पर हुए हमले का पूरा वृतांत इस सप्ताह नाइफ : मेडिटेशन्स आफ्टर ऐन अटेम्पटिड मर्डर नामक संस्मरण में जारी किया जाएगा।

इससे पहले बीबीसी को दिए साक्षात्कार में लेखक ने स्वीकार किया कि हमले में एक आंख गंवा देना मुझे हर दिन निराश करता है। यह संस्मरण उस हमले के बाद उनके दृढ़संकल्प को बयां करता है।

रुश्दी ने कहा, मुझे दरअसल लगा था कि उसने मुझे बहुत ताकत से मुक्का मारा है। मुझे लगा नहीं कि उसके हाथ में चाकू था और फिर मैंने खून देखा और मुझे पता चला कि यह हथियार से किया गया हमला है।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह हर चीज पर क्रूरता के साथ हमला कर रहा था। मेरी गर्दन पर तेजी से वार किया गया था और छाती के बीच में और बगल में दो घाव किए गए थे, और फिर मेरी आंख में घाव था, जो

काफी गहरा था।

रुश्दी ने कहा, यह बहुत ही डरावना लग रहा था। मतलब मेरी आंख फूल गई थी और एक तरह से मेरे चेहरे पर लटकी हुई थी और उबले अंडे की तरह मेरे गाल पर टिकी थी और मैं अंधा हो चुका था।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि उस वक्त मैं सोच रहा था कि मैं मर रहा हूं। नसीब अच्छा था कि मैं गलत था। उन्होंने कहा कि करीब 27 सेकंड में हमलावर ने उन पर ताबड़तोड़ 12 बार हमले किए।

रुश्दी ने बीबीसी से कहा, मैं उससे लड़ नहीं सकता था। मैं उससे भाग नहीं सकता था।

हमले के बाद वह फर्श पर गिर गए, जहां उनके चारों ओर खून बिखरा था। उन्हें हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया और उन्हें ठीक होने में छह सप्ताह लगे। हमले में उनका जिगर, दोनों हाथ क्षतिग्रस्त हो गए। उनकी दाहिनी आंख की तंत्रिकाओं को गहरा नुकसान पहुंचा।

उन्होंने कहा कि उन्हें सीढ़ियां चढ़ते उतरते समय, सड़क पार करते समय या गिलास में पानी डालते समय बहुत सावधानी बरतनी पड़ती थी लेकिन वह भाग्यशाली हैं कि उनके मस्तिष्क को हमले में नुकसान नहीं हुआ।

रुश्दी का यह संस्मरण उनके हमलावर के साथ उनकी काल्पनिक बातचीत के स्वरूप में होगा।

उन्होंने कहा कि वह कभी आरोपी से मिले नहीं हैं लेकिन इस साल के अंत में जब मुकदमा चलेगा तो अदालत में उससे आमना-सामना हो सकता है।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली 15 मई को पद छोड़ेंगे, उपप्रधानमंत्री वोंग उनकी जगह लेंगे

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने सोमवार को घोषणा की कि आर्थिक रूप से समृद्ध देश की सरकार का करीब 20 वर्ष तक नेतृत्व करने के बाद 15 मई को पद छोड़ देंगे और उप प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग उनकी जगह लेंगे।

कोविड-19 महामारी के कारण और उत्तराधिकार योजनाओं में दिक्कत के बाद ली निर्धारित समय से देर से वोंग को देश की बागडोर सौंप रहे हैं।

ली (72) ने 12 अगस्त 2004 को सिंगापुर के तीसरे प्रधानमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

एक फेसबुक पोस्ट में ली ने कहा कि नेतृत्व परिवर्तन किसी भी देश के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।

उन्होंने कहा, पिछले साल नवंबर में मैंने इस वर्ष प्रधानमंत्री का पद छोड़ने की इच्छा जाहिर की थी। मैं 15 मई को प्रधानमंत्री के रूप में अपनी भूमिका समाप्त कर लूंगा और डीपीएम (उप प्रधानमंत्री) लॉरेंस वोंग उसी दिन अगले प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे।

ली ने कहा, किसी भी देश के लिए नेतृत्व परिवर्तन एक महत्वपूर्ण क्षण होता है। लॉरेंस और 4जी टीम (चौथी पीढ़ी) ने लोगों का विश्वास हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की है, खासकर महामारी के दौरान। फॉरवर्ड सिंगापुर एक्सरसाइज के माध्यम से, उन्होंने हमारे सामाजिक समझौते को ताज़ा करने और नई पीढ़ी के लिए राष्ट्रीय एजेंडा विकसित करने के उद्देश्य से कई सिंगापुरवासियों के साथ काम किया है।

हेड की शानदार पारी से सनराइजर्स चमका

भाषा। बेंगलुरू

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 25 रन से हराया। इससे पहले ट्रेविस हेड के आक्रामक शतक समेत अपने बल्लेबाजों के धुंआधार प्रदर्शन के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ टूर्नामेंट के इतिहास का रिकॉर्ड स्कोर जड़ते हुए तीन विकेट पर 287 रन बनाए। सनराइजर्स ने इसी सत्र में 27 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन बनाकर रिकॉर्ड अपने नाम किया था और आज अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। ट्रेविस ने टीम को शानदार शुरूआत देते हुए 41 गेंद में 102 रन बनाए जिसमें नौ चौके और आठ छक्के शामिल थे। इससे पहले आरसीबी ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज हेड ने अभिषेक शर्मा के साथ 49 गेंद में 108 रन की साझेदारी की। शर्मा ने 22 गेंद में 34 रन बनाए।

● रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को 25 रन से पराजित किया

इसके बाद हेड और हेनरिच क्लासेन ने 26 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। क्लासेन ने 31 गेंद में 67 रन बनाए जिसमें दो चौके और सात छक्के शामिल थे। हेड ने आरसीबी के तेज गेंदबाजों रीसे टॉपली और ग्लेन मैक्सवेल की जगह उतरे लॉकी फर्ग्युसन की जमकर धुनाई की। आरसीबी के लिए पदार्पण कर रहे फर्ग्युसन ने पहले ही ओवर में 18 रन दे डाले। उनकी पहली गेंद पर हेड ने स्क्वेयर लेग के ऊपर से छक्का लगाया। अगली गेंद उन्होंने शॉर्ट डाली लेकिन हेड ने मिड आन पर छक्का लगा दिया। इस बीच शर्मा को टॉपली ने स्क्वेयर लेग पर फर्ग्युसन के हाथों लपकवाया। इसके बाद हेड और क्लासेन ने चौकों छक्कों की बरसात करके तेजी से रन बनाए।हेड ने तेज

गेंदबाज विजयकुमार विशाख को चौका जड़कर अपना शतक पूरा किया। वह हालांकि फर्ग्युसन की गेंद पर मिड आफ में फाफ डु प्लेसी को कैच देकर पवेलियन लौटे। इसके बावजूद रनगति कम नहीं हुई। क्लासेन ने 23 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने बाएं हाथ के आफ स्पिनर महिपाल लोमरोर के एकमात्र ओवर में 18 रन निकाले। क्लासेन को विशाख ने फर्ग्युसन के हाथों लपकवाया। इसके बाद एडेन मार्क्रम और अब्दुल समद ने मिलकर 277 रन का रिकॉर्ड तोड़ा। समद ने सिर्फ दस गेंद में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 37 रन बनाए जबकि मार्क्रम 17 गेंद में 32 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने चौथे विकेट की अटूट साझेदारी में 56 रन जोड़े।

स्कोरबोर्ड

सनराइजर्स हैदराबाद पारी : अभिषेक का फर्ग्युसन बो टॉपली 34, हेड का डु प्लेसी बो फर्ग्युसन 102, क्लासेन का विशाख बो फर्ग्युसन 67, मार्क्रम नाबाद 32, समद नाबाद 37, **अतिरिक्त :** 15 रन, **कुल योग :** 20 ओवर में तीन विकेट पर 287 रन, **विकेट पतन :**1-108, 2-165, 3-231,**गेंदबाजी :** जैक्स 3 -0 -32 -0, टॉपली 4-0-68-1, दयाल 4 - 0 - 51 - 0, फर्ग्युसन 4 -0 - 52 - 2,विशाक 4 -0 -64 -0, लोमरोर 1 -0 -18- 0

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर पारी : कोहली बो मार्कंडेय 42, प्लेसी का क्लासेन बो कमिंस 62,जैक्स रन आउट 7,पाटीदार का रेड्डी बो मार्कंडेय 9, चौहान एलबीडब्ल्यू बो कमिंस 0, कार्तिक का क्लासेन बो नटराजन 83, लोमरोर बो कमिंस 19, रावत नाबाद 25, विजयकुमार नाबाद 1, **अतिरिक्त :** 14 रन, **कुल योग :** 20 ओवर में सात विकेट पर 262 रन,**विकेट पतन :**1-80 , 2-100 , 3-111 , 4-121, 5-122 , 6-181 , 7-244 ,**गेंदबाजी :** शर्मा 1- 0-10 -0, भुवनेश्वर 4-0- 60-0, शाहबाज 1-0- 18-0, नटराजन 4 -0-47-1, कमिंस 4 -0-43-3,मार्कंडेय 4- 0-46- 2 उनादकट 2- 0-37 . 0

रॉयल्स को हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंचना चाहेगा केकेआर

भाषा। कोलकाता

राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग में यहां जब दो बार के चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से भिड़ेगी तो उसके बल्लेबाजों के सामने ईडन गार्डन्स पर सुनील नारायण की गेंदबाजी का जवाब ढूंढने की चुनौती होगी। अगले महीने 36 बरस के होने जा रहे नारायण ने 2012 और 2014 में पूर्व कप्तान गौतम गंभीर के नेतृत्व में केकेआर की दो खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वर्ष 2012 में नाइट राइडर्स का हिस्सा बनने के बाद से नारायण ने ईडन गार्डन्स पर अपनी गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों को काफी परेशान किया है। मेंटर के रूप में टीम में गंभीर की वापसी के बाद नारायण ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को खिताब के दावेदारों में शामिल कर दिया है। तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले में अगर केकेआर जीत दर्ज करता है तो 10 टीम की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगा। रविवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ केकेआर की आठ विकेट की जीत में फिल सॉल्ट को नाबाद तूफानी अर्धशतक जड़ने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। लेकिन वह नारायण थे जिनकी किफायती गेंदबाजी के सामने लखनऊ की टीम सात विकेट पर 161 रन ही बना सकी। मौजूदा सत्र में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले रॉयल्स के संजू सैमसन, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर जैसे बल्लेबाजों को हालांकि नारायण की चुनौती का हल ढूंढना होगा। यह देखना होगा कि जोस बटलर इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। मौजूदा सत्र में नारायण बल्ले से भी काफी अच्छी फॉर्म में हैं और उन्होंने 183.51 के स्ट्राइक रेट से 33 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क ने भी सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में लय हासिल करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे।

सिंधु की तरह आक्रामक प्रदर्शन करना चाहती हैं तन्वी

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को अपनी प्रेरणास्रोत मानने वाली 15 साल की तन्वी शर्मा इस महीने चीन के चेंगडू में होने वाले थॉमस और उबेर कप में उनके जैसा आक्रामक प्रदर्शन करना चाहती है। तन्वी थॉमस और उबेर कप के लिए भारतीय महिला टीम की युवा सदस्य है। वह बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के दौरान टीम का हिस्सा थी लेकिन खेली नहीं थी। इसमें सिंधु के खेल को देखने के अपने अनुभव को याद करते हुए तन्वी ने कहा, मैं सिंधु दीदी की तरह बनना चाहती हूं, वह मेरी प्रेरणास्रोत है।

जेहान ने फार्मूला ई में पहले अंक बनाए

मिसानो (इटली)। भारत के जेहान दारूवाला ने पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक रेसिंग सीरीज फार्मूला ई में अपने पहले सत्र में खराब शुरूआत के बाद पहले अंक जुटाए। फार्मूला टू में चार रेस जीतने के बाद फार्मूला ई से जुड़ने वाले जेहान ने मासेराती एमएसजी रेसिंग की ओर से प्रतिस्पर्धा करते हुए रविवार को यहां मिसानो ई-प्री की दूसरी रेस में नौवें स्थान पर रहते हुए दो अंक हासिल किए। उन्होंने रेस की शुरूआत 21वें स्थान से की थी। फिया विश्व चैंपियनशिप का दर्जा रखने वाली इस सीरीज में इससे पहले जेहान की शुरूआत खराब रही थी।

भारतीय टीम दक्षिण एशिया फुटबॉल के लिए रवाना

फरीदाबाद। भारत के पुरूष और महिला खिलाड़ियों का 28 सदस्ईय मजबूत दल स्पेशल ओलंपिक दक्षिण एशिया यूनीफाइड सेवन-ए-साइड फुटबॉल टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए सोमवार को ढाका रवाना हुआ। भारतीय दल में 22 खिलाड़ी और पांच कोच शामिल है जो आठ राज्यों का प्रतिनिधित्व करते है। दल को सोमवार को विदाई दी गई। स्पेशल ओलंपिक भारत (एसओबी) के खेल निदेशक हरप्रीत सिंह ने समारोह के दौरान कहा, हमें एसओबी की महिला टीम से कम से कम एक कदम की उम्मीद है।

माइकोलास ने चक्का फेंका में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

रेमोना (अमेरिका)। लिथुआनिया के माइकोलास एलेक्ना ने ओक्लाहोमा थ्रो सीरीज प्रतियोगिता मे चक्का फेंक मे 1986 मे बना विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। इक्कीस साल के माइकोलास ने रविवार को चक्के को 243 फीट 11 इंच (74.35 मीटर) की दूरी तक फेंका और छह जून 1986 को बनाए जर्मनी के जुर्गेन शुल्ट के 243 फीट (74.08 मीटर) के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा। माइकोलास के थ्रो को शुरू मे 244 फीट एक इंच (74.41 मीटर) मापा गया था।

धर्मशाला में नई हाइब्रिड पिच पर खेले जाएंगे आईपीएल के मैच

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ का खूबसूरत स्टेडियम बीसीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम होगा जिसमें अत्याधुनिक हाइब्रिड पिच बिछाई गई है जहां इस सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग के दो मैच होंगे। एचपीसीए के एक अधिकारी ने कहा, हाइब्रिड पिच बिछा दी गई है और आईपीएल के दो मैच इसी पर खेले जाएंगे। नीदरलैंड की एसआईएस ग्रास कंपनी को इसका जिम्मा दिया गया है। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार यह पिच अधिक टिकाऊ स्थिर और हाई परफॉर्मिंग होगी। एचपीसीए अध्यक्ष ने कहा, भारत में हाइब्रिड पिच तकनीक का आगमन क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण पल है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और एसआईएस के अंतरराष्ट्रीय निदेशक पॉल टेलर ने कहा, भारत में हमारे डिलिवरी साझेदार पिच विशेषज्ञ ग्रेटर टेन के साथ मिलकर एसआईएस ग्रास हाइब्रिड पिच जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के जरिए भारतीय क्रिकेट के इकोसिस्टम में निवेश करने को लेकर प्रतिबद्ध है।

गावस्कर ने हार्दिक के प्रदर्शन पर साधा निशाना

●कहा- बेहद साधारण गेंदबाजी और कप्तानी

भाषा। मुंबई

भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को मौजूदा आईपीएल में मुंबई इंडियंस की चौथी हार के बाद प्रमुख पूर्व खिलाड़ियों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा और पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अब तक बिलकुल साधारण गेंदबाजी और साधारण कप्तानी के लिए उनकी आलोचना की। मुंबई की कप्तानी संभालने के बाद से प्रशंसकों की हूटिंग का सामना कर रहे पंड्या को रविवार रात चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ टीम की 20 रन की हार के बाद गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन की आलोचना झेलनी पड़ी। पंड्या ने पारी के अंतिम ओवर में 26 रन लुटाए जिसमें महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के मारे। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर पारी के ब्रेक के दौरान कहा, ओह, बेहद साधारण गेंदबाजी, साधारण कप्तानी।

शिवम दुबे के साथ रुतुराज गायकवाड़ के काफी अच्छी बल्लेबाजी करने के बावजूद उन्हें कम स्कोर पर रोका जाना चाहिए था। मेरा मानना है कि उन्हें 185-190 रन तक रोका जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, संभवत: सबसे बदतर गेंदबाजी जो मैंने काफी लंबे समय में देखी है। पंड्या ने तीन ओवर में 43 रन देकर दो विकेट चटकाए और बल्लेबाजी करते हुए भी छह गेंद में सिर्फ दो रन बना पाए। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की 63 गेंद में नाबाद 105 रन की पारी के बावजूद मुंबई की टीम 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। पीटरसन का मानना है कि इस स्टार ऑलराउंडर पर बाहरी आलोचना का असर पड़ रहा है।

हार्दिक को अपने अनुभव का इस्तेमाल करने और परिस्थितियों के अनुरूप ढलने की जरूरत : इरफान

नई दिल्ली। पूर्व आल राउंडर इरफान पठान ने सोमवार को हार्दिक पंड्या के नेतृत्व कौशल पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके मैच परिस्थितियो के अनुरूप नही ढलने और मुकाबले के दौरान उचित योजना नही बना पाने से इस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मे मुंबई इंडियंस को अभी तक काफी खामियाजा भुगतना पड़ा है। पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस के अभी तक लचर प्रदर्शन के कारण इस सत्र मे रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक को खेल प्रेमियो और पूर्व खिलाड़ियों से काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेसरूम मे कहा, हार्दिक पंड्या को मुंबई इंडियंस की कप्तानी अच्छी तरह करने की जरूरत है। जब भी मुंबई इंडियंस की टीम हारी, उसमे पंड्या की अहम भूमिका रही। यहां तक कि कल आकाश मधवाल ने अंतिम ओवर नही डाला, आपको उसे जिम्मेदारी देनी चाहिए थी। जब श्रेयस गोपाल को रचिन रविंद्र का विकेट मिला था तो आपने उसे एक और ओवर क्यो नही दिया? पठान ने कहा, उसने केवल एक ओवर डाला। पिच पर भी थोड़ा ढीलापन दिखा और मैच मे आपको परिस्थितियो के अनुसार तेजी से ढलने की जरूरत है।

पोलार्ड ने हार के बाद पंड्या का बचाव किया

मुंबई। मुंबई इंडियन्स के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड टीम की हार के लिए विशेष व्यक्तियों को दोषी ठहराने वाले लोगो से परेशान है और तंग आ चुके है और उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग मैच मे चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 20 रन की हार के बाद प्रशंसकों से आग्रह किया कि वे संघर्षरत कप्तान हार्दिक पंड्या को निशाना नही बनाएं। सुपरकिंग्स के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी ने पंड्या के पारी के अंतिम ओवर मे लगातार तीन छक्को की मदद से 26 रन बनाए। मुंबई के कप्तान को इस ओवर मे लाइन और लेंथ को लेकर जूझना पड़ा और उन्होंने महत्वपूर्ण समय पर दो वाइड भी फेंकी। पंड्या ने अपने तीन ओवर में 43 रन देकर 2 विकेट लिए और उन्हें बल्लेबाजी मे भी काफी दिक्कत हुई। वह मैच के अहम चरण पर छह गेंदो पर केवल दो रन ही बना सके। पोलार्ड ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, आपको इस तरह के दिनो का सामना करना पड़ता है। मै व्यक्तिगत खिलाड़ियों पर निशाना साधने से तंग आ चुका हूं।

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर अंडरवुड का निधन

नई दिल्ली। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर डेरेक अंडरवुड का सोमवार को निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को अपनी गेंदबाजी से परेशान करने वाले अंडरवुड को 60 और 70 के दशक की पिचो पर खेलना खतरनाक था। गेंदो मे बेहद सटीकता से अपने समकालीन गेंदबाजो मे काफी लोकप्रिय अंडरवुड ने 86 टेस्ट मे 297 विकेट झटके जो इंग्लैंड के किसी भी स्पिनर के सर्वाधिक विकेट है। अंडरवुड ने 24 साल के अपने प्रथम श्रेणी करियर मे 2465 विकेट झटके। उन्होंने 1977 मे भारत के खिलाफ पांच मैच की श्रृंखला मे 29 विकेट हासिल किए जिससे इंग्लैंड ने यह श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की थी। यह इंग्लैंड की 1933-34 दौरे के बाद पहली जीत थी। अंडरवुड ने गावस्कर को टेस्ट क्रिकेट मे सबसे ज्यादा 12 बार आउट किया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान और वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने लिटिल मास्टर को क्रिकेट के लंबे प्रारूप मे 11-11 दफा आउट किया है। गावस्कर ने भी हाल मे जिक्र किया था, किसी भी हालात मे अंडरवुड का सामना करना बहुत मुश्किल था।

अगर आस्ट्रेलिया खेलने से इनकार करता है तो कुछ नहीं कर सकते : राशिद खान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने कहा कि क्रिकेट उनके देशवासियों को खुशी के पल मुहैया कराता है लेकिन अगर कोई देश उनके साथ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने से इनकार कर दे तो कुछ नही किया जा सकता। उन्होने आस्ट्रेलिया के अफगानिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट खेलने से इनकार के बाद तर्क देते हुए कहा कि ऐसा करने से उनके देशवासी खुशी से महरूम हो गए। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने तालिबान शासित देश मे महिलाओं के साथ व्यवहार मे गिरावट के चलते 2023 मे अपने ही देश मे अफगानिस्तान के साथ होने वाली वनडे श्रृंखला रद्द कर दी थी और इस साल के अंत मे संयुक्त अरब अमीरात मे होने वाली टी20 श्रृंखला मे खेलने से भी इनकार कर दिया। लेकिन राशिद सहित अफगानिस्तान के अन्य खिलाड़ियों का बिग बैश लीग मे खेलना जारी है। राशिद ने सोमवार को पीटीआई से कहा, मै और सभी खिलाड़ी क्रिकेट खेलना चाहते है क्योंकि अफगानिस्तान मे लोगो के लिए खुशी का एकमात्र तरीका यही है और अगर आप इसे भी छीन लोगे तो लोग किसी भी चीज का जश्न नही मना सकेंगे और लुत्फ नही उठा पाएंगे।

सुरक्षा कारणों से सीन नदी के बजाय स्टेडियम में हो सकता है ओलंपिक उद्घाटन समारोह : मैक्रों

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने सोमवार को कहा कि योजना के अनुसार सीन नदी पर होने वाले पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह को सुरक्षा कारणो से राष्ट्रीय स्टेडियम स्टेड डि फ्रांस में कराया जा सकता है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक से पहले फ्रांस में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए जा रहे है क्योंकि इस दौरान लाखो दर्शको के देश पहुंचने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह मे करीब 10,500 खिलाड़ियों को नावो में बिठाकर सीन नदी पर छह किलोमीटर (3.7 मील) दूर तक परेड कराई जाएगी और दर्शक किनारे से बैठकर उन्हें देखेंगे। लेकिन 26 जुलाई को होने वाले इस समारोह के लिए सुरक्षा के कई स्तरों की जरूरत होगी और अगर ऐसा होता है तो स्टेडियम के बाहर होने वाला यह पहला ओलंपिक उद्घाटन समारोह होगा।

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का एशियाई चैम्पियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन

बिश्केक (किर्गिस्तान)। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानो का एशियाई चैम्पियनशिप मे प्रदर्शन खराब रहा और पांच मे से कोई भी सोमवार को पदक दौड़ मे नही पहुंच सका। भारत के अर्जुन हालाकुरकी (55 किलो), उमेश (63 किलो) , साजन (77 किलो), अजय (87 किलो) और मेहर सिंह (130 किलो) जल्दी बाहर हो गए। इनमे से कोई भी रेपेशॉज दौर मे भी नही पहुंच सका। अर्जुन को प्री क्वार्टर फाइनल मे ईराक के सज्जाद अली ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराया। वही 20 वर्ष के उमेश को ईराक के करार अब्बास ने 7-0 से हराया। साजन ने 77 किलो मे अपना प्रारंभिक मुकाबले मे सिंगापुर के जी रेड अल कुदराह मिस्सो को हराया लेकिन क्वार्टर फाइनल मे क्रोएशिया के आमिर अली से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार गए। दक्षिण कोरिया के एस ली ने 87 किलो वर्ग मे अजय को हराया जबकि मेहर सिंह 130 किलो क्वालीफिकेशन दौर मे उजबेकिस्तान के इस्लोमजोन रवतमातोव से 2 . 36 से हार गए।

बैंगनी रंग का होगा ओलंपिक का एथलेटिक ट्रैक

पेरिस। एथलीट इस साल पेरिस ओलंपिक खेलो मे जब नए रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे तो दर्शको को बैगनी रंग का एथलेटिक ट्रैक देखने को मिलेगा। पारंपरिक ईंट जैसे लाल रंग से हटकर पहली बार ओलंपिक ट्रैक इस बार बैगनी रंग का होगा। वल्केनाइज्ड रबर ट्रैक (रासायनिक प्रक्रिया से तैयार होने वाला बेहतर कृत्रिम रबर) के टुकड़ो का उत्पादन उत्तरी इटली की एक फैक्ट्री मे किया गया है और कर्मचारी उन्हें ट्रैक स्पर्धाओं की मेजबानी करने वाले राष्ट्रीय स्टेडियम स्टेड डी फ्रांस मे बिछा रहे है। ट्रैक को कवर करने के लिए वल्केनाइज्ड रबर के1,000 से अधिक रोल का उपयोग किया जाएगा। इसमे लगभग एक महीने का समय लगेगा और कुल मिलाकर गोंद के 2,800 डब्बे लगेंगे। तीन साल पहले तोक्यो मे लाल ट्रैक पर तीन विश्व और 12 ओलंपिक रिकॉर्ड बने थे। मोंडो ने 1976 मे मॉन्ट्रियल के बाद से हर ग्रीष्मकालीन खेलों का एथलेटिक ट्रैक तैयार किया है और कंपनी को पेरिस मे और भी बेहतर ट्रैक बनाने की उम्मीद है।

नई पॉडकास्ट सीरीज में नजर आएंगे गंभीर, भज्जी, वॉल्श

नई दिल्ली। गौतम गंभीर, हरभजन सिंह, सुरेश रैना और कर्टनी वॉल्श जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कुछ पूर्व दिग्गज खिलाड़ी हाल मे जारी पॉडकास्ट सीरीज 180 नॉटआउट मे खेल की चुनौतियो, विवादो और भविष्य की संभावनाओं पर अपना रुख साझा करते नजर आएंगे। पॉडकास्ट मे 60 से अधिक पूर्व क्रिकेटर और विशेषज्ञ शामिल है और पिछली दो शताब्दियो मे क्रिकेट की यात्रा और विकास पर चर्चा करेंगे। पंद्रह एपिसोड की इस श्रृंखला मे गंभीर, हरभजन, वॉल्श, अफरीदी, क्रिस गेल जैसे खिलाड़ियों की अंतर्दृष्टि के साथ खिलाड़ियों पर खेल का प्रभाव, लीग, व्यावसाईकरण, कोचिंग, फिटनेस, विभिन्न प्रारूप और रिकॉर्ड सहित विविध विषयो को शामिल किया गया है। श्रृंखला मे तकनीकी प्रगति, विभिन्न लीग के उदय और खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौतियो पर चर्चा होगी। यह पॉडकास्ट सभी वैश्विक ऑडियो मंच पर उपलब्ध है जिसमें स्पोटिफाई, यूट्यूब, एप्पल पॉडकास्ट और गूगल पॉडकास्ट भी शामिल है।

क्रिकेट के बाहर की चीजें प्रभावित करती हैं : पराग

कोलकाता। रियान पराग की क्रिकेट यात्रा की शुरूआत इतनी अच्छी नही रही और उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोलिंग का सामना करना आसान नही है तथा क्रिकेट के बाहर की जिंदगी वास्तव मे प्रभावित करती है। पिछले सत्रों मे 54 मैच मे केवल 600 रन जुटाने वाले पराग को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोलिंग और मीम का सामना करना पड़ा। लेकिन रियान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के2024 सत्र मे अभी तक284 रन जुटा लिए है जिससे वह सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ियों की सूची मे विराट कोहली के बाद दूसरे नंबर पर चल रहे हैं। वह अब समझ गए है कि सोशल मीडिया पर इस तरह ट्रोलिंग का जवाब पिच पर बल्ले से ही दिया जा सकता है। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले राजस्थान रॉयल्स के मैच से पहले रियान ने कहा, क्रिकेट से बाहर की जिंदगी आपको वास्तव मे प्रभावित करती है।

नेट पर धोनी के खिलाफ डेथ ओवरों की गेंदबाजी का अभ्यास करते हैं: सिमंस

भाषा। मुंबई

चेन्नई सुपरकिंग्स के गेंदबाजी सलाहकार एरिक सिमंस ने खुलासा किया है कि उनके गेंदबाज महेंद्र सिंह धोनी के खिलाफ डेथ ओवरों की गेंदबाजी करते हैं और ट्रेनिंग सत्र में उनके खिलाफ सफल रहने वाली रणनीतियां मैच के दौरान भी अच्छा काम करती हैं। धोनी सुपरकिंग्स की पारी की आखिरी चार गेंदों पर बल्लेबाजी के लिए आए और उन्होंने पहली तीन गेंदों पर छक्के लगाकर टीम को रविवार रात मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या के आखिरी ओवर में 26 रन जुटाने में मदद की। उनकी चार गेंद में नाबाद 20 रन की पारी अंत में अंतर साबित हुई और मुंबई इंडियन्स को 20 रन से हराकर सुपरकिंग्स की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। सिमंस ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, वे हमें 200 रन से कम पर रोकने पर विचार कर रहे थे और फिर वे अचानक इस तरह के एक ओवर के साथ 206 रन का सामना कर रहे थे। वह हर बार हमें आश्चर्यचकित करता रहता है। वहां जाना और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना और फिर उसकी तरह बल्लेबाजी जारी रखना आसान नहीं है। लेकिन वह नेट्स पर शानदार बल्लेबाजी कर रहा है... महेंद्र सिंह धोनी का एक और अविश्वसनीय पल। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच सिमंस ने कहा कि एक बल्लेबाज के रूप में धोनी सीएसके के लिए डेथ ओवरों में अपने गेंदबाजी कौशल का परीक्षण करने के लिए आदर्श रहे हैं।

मुंबई इंडियन्स को गेंदबाजी में सुधार करना होगा: लारा

मुंबई। वेस्टइंडीज के पूर्व महान खिलाड़ी ब्रायन लारा ने इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मुंबई इंडियन्स की 20 रन की हार के बाद कहा कि मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण मे जसप्रीत बुमराह के अलावा अधिक दम नही है और उन्हे खेल के इस विभाग मे सुधार करने की जरूरत है। लारा ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव शो पर कहा, मुझे लगता है कि जब हम मुंबई इंडियंस को देखते है तो बहुत से लोग उन्हे प्रबल दावेदार के रूप मे देखते है, सिर्फ इसलिए कि वे इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होने 230 रन बनाए, उन्होंने 196 रन का लक्ष्य हासिल किया, इसे बहुत आसान बना दिया, 15 ओवर मे, इसलिए इस तथ्य के कारण मुझे लगता है कि हम उन्हे प्रबल दावेदार के रूप मे चुनते है। लेकिन उनकी गेंदबाजी खराब है। जसप्रीत बुमराह के अलावा, उस गेंदबाजी आक्रमण मे उनका समर्थन करने वाला कोई नही है और सुपरकिंग्स के बल्लेबाजो ने उन्हे ध्वस्त कर दिया।

विदित गुजराती ने फिर नाकामूरा को हराया

भाषा। टोरंटो

भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने पिछले मैच में शिकस्त के बाद जोरदार वापसी करते हुए रविवार को यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में अमेरिका के दूसरे वरीय हिकारू नाकामूरा को हरा दिया। डी गुकेश और आर प्रज्ञानानंदा के बीच ऑल इंडियन मुकाबला ड्रॉ रहा जबकि किसी अन्य बाजी का भी नतीजा नहीं निकला। रूस के इयान नेपोमनियाची ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के साथ अंक बांटे जबकि अजरबेजान के निजात अबासोव ने अमेरिका के फाबियानो करूआना को बराबरी पर रोका। साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में अब पांच दौर का खेला बाकी है। नेपोमनियाची और गुकेश संभावित नौ में से 5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रज्ञानानंदा पांच अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामूरा, गुजराती और करूआना 4.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। अलीरेजा 3.5 अंक के साथ सातवें जबकि अबासोव तीन अंक के साथ आठवें स्थान पर हैं। पहले हाफ में नाकामूरा को हराने वाले विदित ने दूसरे हाफ में भी अपनी इस सफलता को दोहराया। गुकेश और प्रज्ञानानंदा के बीच ऑल इंडियन मुकाबला 41 चाल के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अलीरेजा के खिलाफ नेपोमनियाची मुश्किलों में घिरा होने के बावजूद वापसी करते हुए मुकाबला ड्रॉ कराने में सफल रहे। अबासोव ने भी सफेद मोहरों से खेलते हुए करूआना को कोई मौका नहीं दिया और अंतत: दोनों खिलाड़ी बाजी ड्रॉ कराने पर सहमत हो गए। महिला वर्ग में आर वैशाली की वापसी की उम्मीदों को झटका लगा जब उन्हें चीन की झोंगई टैन के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा।

मॉडर्न अकादमी में सेमिनार, साइकिलिंग को खेल के तौर पर अपनाने और लाभों पर चर्चा

लखनऊ। साइकिलिंग वैसे तो एक खेल है लेकिन इसे आप अपनी दिनचर्या में जगह देते है तो इसके कई बहुआयामी फायदे है। यह बात मॉडर्न अकादमी, विनय खंड-2, गोमतीनगर के परिसर में साइकिलिंग को खेल के तौर पर अपनाने के लिए प्रोत्साहन व उससे होने वाले लाभों पर चर्चा के लिए आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश साइकिलिंग एसोसिएशन के चेयरमैन धीरेंद्र सिंह सचान आईएएस ने कही। अगर आप साइकिलिंग खेल के तौर पर अपनाते है तो आपका स्वास्थ्य बेहतर होने के सुधार के साथ इम्यूनिटी मजबूत होती है। उन्होंने इस आयोजन के लिए मॉडर्न अकादमी के प्रबंधक गण की सराहना करते हुए कहा कि वे विद्यालय के अनुशासन और समय नियोजन से अत्यंत प्रभावित हैं। यह भी सराहनीय है कि इस विद्यालय में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए भी हर संभव सुविधाएं प्रदान की जा रही है। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए मॉडर्न अकादमी के निदेशक सुनील तुली एवं राजीव तुली ने कहा कि साइकिलिंग को अगर प्रोत्साहन देते है तो इससे पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है। हालांकि बेहतर स्वास्थ्य के लिए रोज व्यायाम करा जाना चाहिए लेकिन जो ऐसा नहीं कर पाते उनके लिए साइकिलिंग बेहतर विकल्प हो सकता है। इस सेमिनार में अतिथि वक्ता गण के तौर पर मौजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर के साइकिलिस्ट लेफ्टिनेंट जनरल रिटायर्ड अनिल पुरी व मेजर जनरल रिटायर्ड एवीके मोहन ने विद्यालय के छात्र व छात्राओं द्वारा पूछे गए साइकिलिंग से जुड़े सवालों का जवाब दिया। इस दौरान सर्वोत्तम सवाल पूछने वाले विद्यार्थियों दिव्यांश राय, आएशा फातिमा, अदिति सिंहए कनिष्क श्रीवास्तव व शौर्य सिंह को पुरस्कृत भी किया गया। पीसीए महासचिव डा.आनन्द किशोर पाण्डेय ने इस अवसर पर कहा कि स्वस्थ आहारए साइकिलिंगए व्यायाम और नियमित शारीरिक गतिविधि हृदय रोग से बचाव और दिल को स्वस्थ रखने में काफी उपयोगी है।

यूपी के आरव जीत के साथ दूसरे दौर में

● हेजलनट आल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट

लखनऊ। हेजलनट आल इंडिया सीएस-7 अंडर-14 बालक व बालिका टेनिस टूर्नामेंट में बालक वर्ग के पहले दौर में उत्तर प्रदेश के आरव शुक्ला ने पहले दौर में शानदार जीत के साथ दूसरे दौर में जगह बना ली। अवध स्कूल गोमतीनगर स्थित कमलेश शुक्ला टेनिस अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में आरव शुक्ला ने रोमांचक मुकाबले उत्तर प्रदेश के तेजस सिंह को 6-3, 6-4 से हराया। दूसरी ओर यूपी के आरव पटेल व किंजलक श्रीवास्तव ने अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज की। आरव पटेल ने यूपी के ही मनीष पटेल को 6-4, 4-6,

7-5 से व किंजलक श्रीवास्तव ने ध्रुव सिंह को 4-6, 6-4, 6-4 से मात दी। उत्तर प्रदेश के आरव शुक्ला ने उत्तर प्रदेश के तेजस सिंह को 6-3, 6-4 से, अर्जुन शर्मा ने उत्तर प्रदेश के स्वास्तिक सिंह को 6-2, 6-0 से हराया,आरव पटेल ने उत्तर प्रदेश मनीष पटेल को 6-4, 4-6, 7-5 से, सात्विक गुप्ता ने कर्नाटक के शिवांश ओझा को 6-2, 6-1 से हराया। वहीं यूपी के ही रोहिन राज ने यहीं के शौर्य अग्रवाल को 6-2, 6-2 से मात दी। शांतनु चौहान ने शुभ श्रीवास्तव को 6-3, 3-6, 6-2 से,बिहार के अविनाश रॉय ने उत्तर प्रदेश के कार्तिकेय श्रीवास्तव को 6-1, 6-4 से पराजित किया। उत्तर प्रदेश के सिद्धांत चौधरी ने यहीं के अथर्व श्रीवास्तव को 6-0,6-0 से, उत्तर प्रदेश के किंजलक श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश के ध्रुव सिंह को 4-6, 6-4, 6-4 से हराया। प्रणव शर्मा ने कुशल शर्मा को 6-1,6-1 से ,कौस्तुभ सिंह ने ऋ शांत जायसवाल को 6-2, 6-4 से ,अयान यादव ने राजस्थान के यदुराज भिनाई को 6-0, 6-4 से हराया।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

भाषा। नई दिल्ली

स्पिनर आशा शोभना और बल्लेबाज साजना सजीवन को बांग्लादेश के खिलाफ 28 अप्रैल से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। लेग स्पिनर शोभना ने महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की खिताबी जीत में अहम भूमिकर निभाते हुए दस मैचों में 12 विकेट लिए थे। सजीवन ने मुंबई इंडियंस के लिए सेमीफाइनल में 74 रन बनाए थे। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी। यह श्रृंखला इसलिए भी अहम है क्योंकि इस साल के आखिर में टी20 विश्व कप भी बांग्लादेश में होना है। सभी पांच मैच सिलहट में खेले जाएंगे। आरसीबी की श्रेयांका पाटिल भी टीम में है जबकि डी हेमलता ने अक्टूबर 2022 के बाद वापसी की है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5,बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500।